



Physh

# The Genetic of Tridic

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED ET AUTHORITY

सं 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 17, 1984 (फाल्गुन 27, 1905) No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17, 1984 (PHALGUNA 27, 1905)

ृपुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलत के रूप में रखा जा सके

# भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत कार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं Assued by the High Courts, the Comptroller and Aulitor General, the Union Pervice Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinite Offices of the Government of India

कन्द्रीय सतर्कता आयोग के विनांक 22 फरवरी 1984 होमन—केन्द्रीय मतर्कता आयुक्त एतद्-देयी निजि सहायक श्री महेन्द्र लाल जुनेजा सहायक के पद पर के 650-1040 के वत व्याप्त के पद पर के 650-1040 के वत व्याप्त के पद पर के 650-1040 के वत व्याप्त के पद पर के 650-1040 के विनांक 30-1-1984 में 28-4

> तृष्ण ताल मस्होता. अवर मचित्र **इ.ते** केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

ा गृह संदोलरा र्ुं हुँ एवं प्र० सु० विभाग क्रीन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

विल्ला, विनांक 25 फरवरी 1984

म प्रमुख्य - 37/65 - प्रमायन - 5 - विनर्जन की आयु प्राप्त कर लेके पर, श्री सरदारी लाल, पुलिस अधीक्षक, मीठ आई ब्यू (मीठ), केन्द्रीय अन्तेयण न्यूरी, नई दिल्ली, दिलांक 31 जनवरी, 1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो भये। 1-506GI/83

सं० एस०-37/65-प्रणासन-5--राष्ट्रपति, अपने प्र सा

सं श्री सरदार्ग लाल, संवा-निवृत्त पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण
व्यूरो को विद्यमान, नियमों एवं बिनियमों के अनुसार, पुनः नियोजन पर, दिनांक 1-2-1984 से दिनांक 31-7-1984 तक
6 महंति की अवधि के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, सी० आई०
यू० (सी०), नई दिल्ली में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त
करने हैं।

राम स्वरूप नागपाल प्रणासनिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरी

महानिदेणालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003,दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० ओ० दां०-1247/75--एथापना--श्री बी० के० मर्मा, पुलिस उप-अधीक्षण, 3 बेनार वाहिनी, के० रि० पु० बस को सेवाएं 11-2-1984 (अपराह्म) से यू० पी० सरकार की डैपूटेणन बेसिस पर सींथी जानी है।

संव अंति देवि—1764/82—स्थापत।—महानिदेशक केन्द्रीय रिश्वं पुलिस बल ने डाक्टर भवानी प्रशाद ह्यारी की 2 फरवरी 1984 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पर पर नियमित नियुक्ति होने तक उनमें से जो भी पहले हो उस सारीख (5879) तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनण्ठ चिकित्मा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

# णुद्धि-पत

मं०-पी० सात-5/83-स्यापना-I--श्री जार्ज सी० पोडिपारा जिनका नाम इस महानिदेशालय अधिसूचना संख्या-पी० सात-5/83-स्थापना-1 दिनांक 24-1-84 के ऋम संख्या 37 पर है, उनवा कमाडेंट सेलेक्शन ग्रेड की कार्यभार सम्भालने की नारीख 27-10-83 की बजाय 26-10-83 पढें।

#### दिनांक 25 फरवरी 1984

सं० ओ०-दो०-1896/83-स्था०-I—-राष्ट्रपति श्री ओ० पी भुटानी, उत्तर प्रदेश केंडर के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भुटानी ने कें। रि० पु० बन के महानिरीक्षक—सैक्टर—4 णिलांग के पद का कार्यभार दिनांक 14 फरवरी, 1984 के पूर्वीह्न में संभाना ।

ए० के० सूरी सहायक निर्देशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 फरवरी 1984

सं 0 10/17/82-प्रशा०-1--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री सुवामा प्रसाव अहीरवाल को कलकत्ता में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में तारीख 28 जनवरी, 1984 के पूर्वाल से अगले आवेशों तक सीधी भर्ती द्वारा अस्थायी रूप से अनुसंधान अधिकारी (भाषा) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा । दिनांक 25 फरवरी 1984

सं 10/31/81-प्रणा०-1-इस कार्यालय की तारीख 1-11-1983 को समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्र-पति, राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय के वरिष्ठ भूगोलवेत्ता श्री एम० एल० कुमावत की नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (ड्राईंग पद पर तदर्थ की अवधि को 31 जुलाई, 1984 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

 उनका मुख्यालय नई दिल्ली भें होगा । दिनांक 27 फरवरी 1984

मं० 10/4/80-प्रशा०-I--इस कार्यालय की तारीख 6-9-1983 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई विस्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के निम्नलिखिल कन्सोल आपरेटरों की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को विद्यमान शतौं पर 29-2-1984 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं,जो भी अवधि पहले हो सहर्ष बढ़ाते हैं।

ऋ० सं० नाम	मुख्यालय		
1 श्री आर० एल० पुरी	नई दिल्ल		
2. श्री ए० पी० गुण्त	नई दिट		
3. श्री सत्य प्रकाश	नई दिल		
والمرابع والمرابع ومرابع ومرابع والمرابع والمرابع والمرابع والمرابع والمرابع والمرابع والمرابع والمرابع والمرابع			

वी०एस०वर भारत के महारजिस्द्रा

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, करेल तिक्चनन्तपुरम, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० स्थापना/हकदारी/6/103/226—महालेखाकार क्ष्मार्यालय केरल तिरुवनन्तपुरम के लेखा अधिकारी श्रीमती के पि० राजम्मा अधिविवता के कारण 31वीं जनवरी 1984 अपराह्म से सेवा निवृक्त हो गर्या हैं।

सं० स्थानता/हत्तारी/6/103/226—महालेखाकार का कार्यालय केरल तिरुवनन्तपुरम् के लेखा अधिकारी श्री पी० मुरुक्य अधिविविता के कारण 31वीं जनवरी, 1984 अपराह्म से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

अपठनीय महालेखाकार

# रक्षा लेखा विभाग

# नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1984

सं० प्रणा०/11/2606/84--निम्नलिखित लेखा अधिकारी, वार्धक्यिनिवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शायी गर्या तारीखों के अपराक्ष से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिय गए।

क्र० सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	स्था	री ब जिससे पेंशन पना को अन्तरित ए गए	r	संगठ :	
1	2	3	4		5	
1.	सर्वर्श्वः जोग बिलास मुखर्जी (पी०/14)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-83	लेखा नियंत्रक	(फैक्ट्रीज)	कलकता

	2				3	4	5
2.	गुरुबख्य सिंह मेहता . (पी०/15)		•		स्थायो लेखा अधिकारी	31-10-83	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
3.	वी० नारायण स्वामी (पी० <sub>1</sub> 25)		•	-	–यथोपरि–	31-10-83	र० ले० नि० (अफसर) पुणे
4.	एम० बालासुब्रह्मणियन (पी०/123)		•		-यथोपरि-	31-10-83	र० ले० नि० (अन्य रैंक) वक्षिण मत्रास
5.	निर्मल चन्द ब <b>ब्रु</b> । . (पी॰/128)	•		•	–ग्रथोपरि	31-10-83	र० ले० नि० (वायु मेना) देहरादून
6.	बुजराज सहगल (पी०/245)		•	•	–ग्रथोपरि	31-10-83	र० ले० नि० (बायु सेना) देहरादून
7.	जी० सी० श्रीवास्तव (पी०/98)	•	•	٠	–यथोपरि	30-11-83	र० ले० नि० (पेंशम) इलाहाबाद
	जी० आर० सप्तऋषि (अभी नियत नहीं)	,		•	स्थानापम्न लेखा अधिकारी	30-11-83	र० ले० नि० (अफसर) पुणे
; 	(अभा ानयत नहा)		<del></del>	<del>-, -, +</del> -	आधकारा 	1 <u></u>	ए० के० घो रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रश

#### रक्षा मंत्रालय

# आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

# महानिदेशालय आर्डनैन्स फैक्टरीज मुख्यालय

### सिविल सेवा

# कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1984

ीं सं० 5/84/ए०/ई--ा(एन० जी०)---महरनिदेशक आर्श्वनैन्स फैक्टरियां, निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना ुप्रभाव के प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गयी पद तारीख़ से पद पर पदोन्नत करते हैं :---

<ol> <li>श्री पी० सी० चौधुरी</li> <li>स्थानापन्न सहायक</li> </ol>			•	. •	सहायक स्टाफ अफसर (तदर्थ)	विनोक 30-1-84 से अगले आदेश होने तक
2. श्री बी० पी० गीड़ स्थानापन्न सहायक				•	वही	बही- <del></del>
<ol> <li>श्री नारायण चन्द्र विश्वास स्थानापन्न सहा</li> </ol>	यक	•	•		<b>वही</b> -	- <b>-व</b> ही'

- 2. उपरोक्त पदोन्तित में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में वाखिल की गई अपील के परिणामानुसार पालन किया जाएगा 🖡
- 3. फ्रम संख्या 1 एवं 2 के अधिकारियों ने दिनांक 30-1-84 से सहायक स्टाफ अफ सर के रूप में उच्च पद का कार्यभार संभाल लिय है तथापि क्रम संख्या 3 के श्री एन० सी० बिक्वास ने दिनांक 31-1-84 से सहायक स्टाफ अफसर के रूप में उच्च पद का कार्यभार संभाल लिया है

आर० के० वेल्लम सबस्य/कार्मिक **इते** महानिदेशक आर्डनैन्स फैक्टरियां

# भारतीय आईनैन्स फैक्टरियां सेवा

## आर्डनैन्स फैस्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी 1984

सं० 4/जी०/84---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को स्थानापन्त वर्क्स मैनेजर के पद पर, उनके सामने वर्षायी गयी तारीख से नियुक्त करते हैं:--

- श्री आए० रमेश, -- 30वीं नवस्वर, 1983
   ए० डक्स्यू० एम०
- 2. श्री जीव एसव सिरोमनी, -- 30वी नवस्वर, 1983 एव डब्स्यूव एसव

सं० 5/जी ०/८४—-राष्ट्रपति महोदय निम्निलिखित अधिकारी की स्थानापत्न ए० डब्स्यू० एम० के पद पर, उनके सामने दर्शीयी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :--

श्री पी० आर० एस० मिन, फोरमैन---। अगस्त, 1983 ।

# मुद्धि-पत्र

सं० 6/50/84—एस कार्यालय के पत्न संख्या  $381/\sqrt{9}$  जी, दिनांक 25-10-/2-11-83 के अस्तर्गत प्रेपित इस कार्यालय की गजट अधिसूचना संख्या 48/50/83 दिनांक 25-10-83 में निम्नांकित संशोधन किया जाता है :—

संख्या 1 पर

की जगह : श्री ए० एन० डोरायराज, --- 10र्वा जून, 1983 स्थायी फोरमैन

पका जाए :

श्री एस० डारायराज --- 10वा जून. 1983 स्थामी फोरमैन

. सं ्र्यं किं। 84--वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री डीं। पी चक्रवर्ती, सहायक निदेशक (मीलिक एवं स्थायी फीरमैन) दिनांक 31 जनवरी, 1984 (अपराह्म) में सेवा निवृत्त हए ।

मंठ 8/जो०/84—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर डा० नरेन्द्र चन्द्र मालाकार, उप-निदेशक स्थास्थ्य भेषाएं (मौलिक एवं स्थायी सहायक निदेशक) दिनांक 31 जनवरी, 1984 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए ।

मं० 9/जी ०/८ 4 — श्रीः अशोक चन्द्र गुप्ता, स्थानापन्न संयुक्त महाप्रबन्धक (स्थायी प्रबन्धक) दिनांक 30 नश्रम्बर, 1983 (अपराह्न) में स्वेच्छा-पूर्वक मैवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

नुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्लंा, दिनांक 20 फरवरीं 1984 आयात स्रोर निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 1/16/83-प्रणासन (राज०)/1456--राष्ट्रपति श्री एस० काक, आई० आर० एस० (सी० एण्ड सी० ई० 68) की 6 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से आगे के आदेश जारी होने तक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

राजिन्बर सिंह मंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात **कृते** मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1984

मं० 6/996/72-प्रशासन (राज०)/1390--सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, इस कार्यालय के श्री बीं० एन० तिककू नियंक्षक, आयात एवं निर्यात 31-1-1984 के अपराह्म से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए ।

### दिनांक 7 फरवरी 1984

मं० 6/1015/14-प्रणा०-(राज०)/1391--सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात (केन्द्रीय लाइनेंस क्षेत्र) के कार्यालय, नई दिल्ली में श्री ओ० पी० अश्रवाल, नियंत्रक, आयात-निर्यात 31 जनवरी, 1984 के अपराह्म से सरकारी सेवाँ से नियुत्त हो गए।

#### दिनांक 17 फरषरी 1984

मं० त|439|56-प्रणा० (राज०)|1361--श्री तखतराम, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के प्रवरण श्रेणी के अधिकारी और इस आर्यालय में संयुक्त मुख्य नियंतक, अध्यात एवं निर्यात 1-6-81 से 31-5-83 तक की बढ़ाई गई सेवा अवधि पूरा करने पर 31-5-83 के अपराह्म से सरगारी सेवा में निवृत्त हो गए।

#### विनांक 20 फरवरी 1984

मं० 6/1424/83-प्रशासन (राज०)/1471--सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंवक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री एम०एम० घोषाल, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात 31 दिसम्बर, 83 के अपराह्म में सेवा निवृत्त हो गए।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

# वस्त्र (विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का नायां 🔛 नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1964

सं० ए.०-12025(II)/3/80-प्रणासन-II--राष्ट्रपति, हथकरशा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्ग। बुनकर सेवा नेन्द्र में सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी), श्री एम० एन० वोरकर का 19 नवम्बर, 1983 से सेवा में त्यागनत स्वीकार करने हैं।

सं० ए०-12025/(1∰)/3/83-प्रणासन-111--राष्ट्रपति,
श्री जी० नीमागेखर, को 24 जनवरी, 1984 से आगामी आदेणों
तक के लिए राष्ट्रीय हथकरथा डिजाइन केन्द्र सह राष्ट्रीय हथकरथा मंग्रहालय. (बुनकर सेवा केन्द्र) नई दिल्ली में सहायक
निदेशक ग्रह II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 24 फरवरं। 1984

मं० ए०-32013/1/83-प्रणामन-111--राष्ट्रपति, श्री एन०वी० मुचरिकर को 21 दिसम्बर, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र दिल्ली में निदेणक (प्रोसेसिंग) के यद पर नियुक्त करते हैं।

एम० पी० पिन्टो अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

# पूर्ति तथा निषटान महः।निदेशालय . (प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1984

मं० प्रo-1/1(671)—राष्ट्रपति ने मूल नियम 56 (के)के अन्तर्गत, स्थायी भण्डार परीक्षक एवं स्थानापन्न सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रष्ट-II) के पद पर कार्य कर रहे श्री पी०एस० सिन्धु द्वारा स्वैष्ण्यिक सेवा निवृत्ति के लिए दिनांक 5-10-83 को दिया गया नोटिस स्वीकार कर लिया है और दिनांक 1-11-83 के पूर्वाह्म स सरकारी सेवा स उनकी सेवा निवृत्ति की अनुमति दे दी है।

 यह अधिमूचना दिनाक 31-10-83 की अधिसूचना मं० प्र0-1/1(671) के अतिक्रमण में जारी की जाती है।

#### दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० प्र०-1/1(670)—राष्ट्रपति ने मूल नियम 56 (के) के अन्तर्गत स्थायी प्राक्कलन तथा स्थानापन्न सहायक निदेणक पूर्ति (ग्रंड I) के पद पर कार्यरत श्री बंग्ल्स-आहलूबालिया द्वारा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के लिए दिया गया दिनांक 13-9-1983 का नीटिस स्वीकार कर लिया है और उन्हें दिनांक 16-10-1983 के पूर्वीह्न से सरकारी सेवा से संवानिवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

यह अधिसूचना दिनाक 12-10-83 की अधिसूचना संव प्रव-1/1(670) के अतिक्रमण में जारी की जाती है।

> एस० बालासुम्रमणियन उप निदेशक (प्रशासन)

# हस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूमेज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 22 फरवरी 1984 सं० 1277 बीं गि०-19012(1-बीं० कें० बीं०)/83-19 गु०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री विनोद कुमार वैष्णव को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-ए० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-ए० पी -35-880-40-1000-ए० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 27-12-83 के पूर्वास्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारो निवेशक (कार्मिक) कुते महानिदेशक

# आकाणघाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1984 मुद्धि-पत्न

सं० 10/112/77-एस०-तीन/चार--इस निवेशालय, की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 26-6-80 के आंशिक संशोधन में, श्री डी० बाबू, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी, इन्दौर के त्यागपत स्वीकृति की तिथि 31-3-1980 (अपराह्न) के स्थान पर 7-4-80 (पूर्वाह्न) पढ़ी जाय ।

यतंन्त्र वर्मा प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1984

सं० 10/91/61-एस० दो०-श्री एन० के० वी० पिल्लई. प्रगासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, कालीकट, दिनांक 1-2-1984 से सरकारी सेवा से स्वेच्छा सेनिवृत्त हो गए हैं और उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी का कार्यभार 31-1-1984 (अपराह्न) को त्याग दिया है।

> हरीश चन्द्र जयाल उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय बिज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1984

सं० ए०-12025/1/83-स्था०--निवेशक, विज्ञापन और दृष्य प्रचाय निवेशालय ने, इस निवेशालय के तवर्थ सहायक उत्पादन प्रबन्धक (वाह्य प्रचार) श्री स०प्र० गुप्ता की 2 नवम्बर, 1983 के पूर्वाह्न से, अगले आदेण तक, इसी निदेशालय में इसी पद पर नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुप्ता को उक्त पद पर नियमित रूप से नियुक्त होने की तारीख से अगले दो वर्ष के लिए परिवीक्षा अवधि पर रखा गया है, जो नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार बढ़ाया जा सकता है।

> जे० एस० पी० सुरी संयुक्त निवेशक कृते निवेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशासय

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, विनांक 21 फरवरी 1984

सं० ए० 19018/3/83-सीं० जी० एच० एस०-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने हकीम (कुमारी) कौसर प्रवीन को
18 नवम्बर, 1983 से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार
स्वास्थ्य योजना दिल्ली में यूनानी कार्यचिकित्सक के पद पर नियमित
आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव उप निदेशक प्रशासन

#### कृषि मंद्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध और संग्रह निदेशाक्षय

फरीदाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1984

सं० 7-68/83-प्रशासन अनुभाग-1(ख)- इस निदेशालय के श्री अभयराज सिंह, वनस्पति संगरोध निरीक्षक को तक्षनीकी अधिकारी (जैविक नियन्त्रण) के पद पर २० 650/- मासिक प्रारम्भिक मूल वेतन सिंहत, २० 650-30-740-35-810, द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 28 जनवरी 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक, पेरासाइट मल्टीप्लीकेणन यूनिट, बंगलीर में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

के० डीं० पहारिया अनस्पति रक्षा सलाहकार भारत सरकार

# तेलहुन विकास निवेशालय

हैदराबाद-500029, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० फा०-8-20/73-स्था० (खण्ड-II)-समूह 'बी' पदों की विभागीय पदोन्ति सिमिति की सिफारिश पर, निदेशक, तेलहन विकास निदेशालय, हैदराबाद सहर्ष श्री डी० सोमेश्वर राव, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (कृषि विकास) को सहायक निदेशक (विकास) (समूह बी राजपव) के पद पर तेलहनक विकास निदेशक (बिकास) (समूह बी राजपव) के पद पर तेलहनक विकास निदेशक विकास के अस्थायी रूप से वेतनमान ६० 650-30-740-35-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 में दिनाक 22 फरवरी, 1984 पूर्वाह्म से भावी/आगामी आदेशों तक पदोन्तत करते हैं। इनकी परिवीका अवधि विनाक 22 फरवरी, 1984 से दो वर्ष तक होगी। इन्हें वेतन और भन्ते नियमानुसार मिलेंगे।

म<sub>०</sub> दा० वासनिक निदेशक ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० ए० 19025/102/78-प्र० -III--- इस निवेशालय के अधीन सहायक विषणन अधिकारी के पद से श्री सुन्नत सरकार द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र दिनांक 30-6-81(अपराह्म) से स्वीकृत किया गया है।

गोपाल शरण शुक्ल कृषि विषणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना अभियांतिकी प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 18 फरवरी 1984

सं विव प० अ० प्र०/3(262)—स्थापना—I/1732— निवेशक, विद्युत परियोजना अभियांतिकी प्रभाग बम्बई, एतद्-द्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री एस० ए० बेल्हे को फरवरी 10, 1984 से मार्च 12, 1984 तक उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर श्री एघ० एच० शाह, सहायक कार्मिक अधिकारी की, जगह नियुक्त करते हैं जो छुट्टी पर गए हैं।

> आर० बी० बाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी

# रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपाक्कम, दिनांक 4 फरवरी 1984

सं० आर० आर० सी०/ए०/32023/1/84-आर०-2349-इस केन्द्र की तारीख 21 नवम्बर, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना (18756) के अम में रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निवेशक ने इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक और स्थानापन्न आशुलिपिक ग्रिड-III श्री के० अवन्तीश्वरनक की उसी केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई पदोन्नित की अविध को 19-1-84 से 2-3-84 सक बदा दिया है।

> एस० वेंकटरामन प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 22 विसम्बर 1983

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० सी० मूलचन्दानी, अधीक्षक को दिनांक 17-11-1983 (पूर्वाह्म) से छः मास की अवधि के लिए क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर स्थानापक्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

#### दिनांक 24 फरवरी 1984

मं० ए० 32014/1/83-ई० सी०---महानिदेशंक नागर विमानन निम्निखित संचार सहायकों को छ० 650-1200/- के वेतनमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख में छः माम की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :---

करुसं० नाम			वर्तमान तैनाती स्टेंणन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य <b>भार ग्र</b>	हण करने की तारीख
सर्वेश्री'—-		<del></del>	 <del></del>	<del></del>	<del></del>	<del></del>
<ol> <li>तीरथ सिंह .</li> </ol>			<b>दिल्ली</b>	दिस्ली <i>।</i>	3-12-83	(अपराह्न)
2. आर० एन० बैनर्जी			कलकत्ता	कलकत्ता	27-1-84	(पूर्वाह्म)
<ol> <li>कौर सिंह</li> </ol>	•		दिल्ली।	दिल्ली	22-1-84	(")
4. जे० एन० साना			कलकत्ता	कलकत्ता	4-2-84	(")
5. एन० के० मनसुखानी			दिल्ली।	दिल्लं <i>।</i>	23-1-84	(")

जी० बी० लास महायक निदेशक प्रशासन

# न्निदेश संचार सेवा त्रम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1984

सं० 1/163/84-स्था०---एतद्द्वारा विवेश संचार सेवा के महानिदेशक नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री वी० आर० एल० नरसिम्हन को सदर्थ आधार पर और स्थानीय व्यवस्था के रूप में अल्पकालीन खाली जगह पर 15-9-1983 में 14-12-1983 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में सह्यक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

२० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०) इते महानिदेशक

# बम्बई, दिनांक 22 फरवरी 1984

सं० 12/9/84-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा स्थान।पन्न परियात लेखा अधिकारी श्री अजीत कुमार वर्मा को 1-1-1981 से मूल रूप में परियात लेखा अधिकारी नियुक्त क्रिते हैं।

वा० दि० कुलकर्णी निदेशक (प्रशासन) कुले महानिदेशक

# भुवनेश्वर, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० 2/84—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाणुल्क समाहर्तालय, भुद्यनेष्वर के श्री योगेष्वर वोहिदार, अधीक्षक ग्रुप "बी०", कार्य-निवृत्ति पर दिनांक 31—1—1984 को सरकारी सेवा मे अवकाण प्राप्त किये हैं।

> वि० शतप्रधी उप समाहर्त्ता (क्षा० एवं० स्था०) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाग्ररूक समावत्र्वालय

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं कर्नाड एण्ड बेलारी प्राद्ववेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1984

मं० 640/2778/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना बी जाती है कि कर्नांड एण्ड बेलारी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उवत कम्पनी विद्यटित हो गई है।

> ओ० पी० जैन कम्पनियों का अतिरिक्त रिजस्ट्रार, वस्बई, महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आरकोट लैंबास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चीन, दिनांक 23 फरवरी 1984 सं० 2809/लिक्वि/560(3)/1946/84—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आरकॉट लैंबस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विधटिस कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिल्लियनस रियल एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक, 23 फरवरी 1984

मं० 3076/लिक्विं/560(3)/1948/84—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मिल्लियनस रियल एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जायेगा और कम्पनी विष्ठटित कर दो जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मालाबार टैनरीस। लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० 1549/लिकिव/560(3)/1992/84—कम्पनी अधि-क्यिम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर मालाबार टैनरीस लिमिटेड का नाम इसके प्रति-कूल कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जायेगा और कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एस० जे० एम० फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० 1780/लिक्बि/560(5)/1994/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5)के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दे जाती है कि एस० जे० एम० फिल्मस प्राइवेट लिमिडेट का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उकत अम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956और मालाबारटेक्सटाइल्म सिन्डीकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोजीन, दिनांक 24 फरवरी, 1984

सं 1537/लिक्बि/560(5)/1974/84--क्स्पनी अधि-नियम, 1956 की घारा 560की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दो जाती है कि मालावार टैक्सटाइल्स सिन्टीकेट प्राह्वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री विहार प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के विषय में

कोचीन दिनांक 24 फरवरी 1984

सं ० 1953/लिक्व/560(3)/1976/84—-कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 वी उपशारा (3) के अनुसरण में एतद् हारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री विहार प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर ने काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मार्डर्न इलेक्ट्रोनिक गैजैट्स इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोबीन, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० 2712/लिक्व/560 (3)/1968/84—कम्पनी अधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर माइने इलेक्ट्रोनिक गेजेट्स इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिमत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पती अधिनियमं, 1956 और मरूर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० 691/लिक्ब/560(3)/1991/84—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अबसान पर अरूर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विषटिन कर दी जाएगी।

कम्पनो अधिनियम, 1956 और रायल ग्रैनाइटस प्राहवेट लिमिटेड के विषय में

कोबोन, दिनोक 24 अपवरी 1984

मं० 2756/लिनिव०/560(3)/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवस पर रॉयल ग्रैनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति शुद्ध कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी। अभ्यत्ती अधिनियम, 1956 श्रीर साधीलिक प्रोड्कसट् बाइवेट लिसिटेंड के विषय में

कोचीन, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं ॰ 1959/लिक्बि/560(3)/1985/84—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर काबोलिन प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विशित किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियस, 1956 श्रीर हैमा चिट्स एण्ड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 24 फरवरी, 1984

सं० 2239/लिकिय/560(3)/1982/84—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर हैमा विट्स एण्ड ट्रेडसें प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

सम्पनी अधिनियम, 1956 और पाइनियर बिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० 963/लिक्ब/560(5)/1975/84— मन्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना वी जाती है कि पाइनियर चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> कै० पंचापकेकम कम्पनियों का दजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मिनि पम्पस एण्ड इक्तिपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकता, दिनांस 23 फरवरी 1984

सं० 29197/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसव्हारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसाम पर मिनि पम्पस एण्ड इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विशेत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया आयेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्राईज विट एण्ड सेविंग्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के ब्रियम से

कलकता, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० 30377/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की जपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा वह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्राईज विट एण्ड सेविंग्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वोस एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

कलकता, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० 9044/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर बोस एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

शम्पनी ोि तयम 1956 और एसोसियेटेड मोटर एण्ड इलैक्टिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

क्लकता, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० 24447/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसाम पर एसो-सिएटेड मोटर एण्ड इलैक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विशित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और घोतेस रबर मैन्युफैंक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकता, विनांक 23 फरवरी 1984

सं० 26396/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि घोसेस रबर मैन्युफैक्करिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त सम्पनी विधटित हो गई है। कम्पनी अधिनियमं, 1956 श्रीर ए० कै० सरकार (एण्ड वक्से) प्राध्वेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० 12143/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5)के अनुसरणमें एतद्शारा सूचना दी संगती है कि ए० के० सरकार (एण्ड थक्सं) प्राइवेष्ट सिमिटेड का आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उभत कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० आर० वि० वि० सत्यनारायण कम्पनियों का सहायक रणिस्ट्रार पश्चिम बंगाल •

# इक्क बार्ड व्यक्ति सुन्त सुन्ति व्यक्ति

# नाय्कर स्थितिय्त, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) के स्थीत स्वता

#### TICE STATE

# कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

**भ**र्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० 5099 व 5101—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधरं,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात उक्त अभिनियम कहा ग्या है), की भारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्री-▶करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी नाम या किसी भन या अस्य जास्तियों की, जिस्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के निय;

नतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नपधारा (1) को नभीन, निम्नीनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री मर्जन सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी—गार्डन कालोनी, नजदीक हाउसिंग बोर्ड कालोनी, माडल टाउन, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती संतो मैनन पत्नी इन्द्र मोहन मैनन वासी--- 591--माइल टाउन, जालन्धर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर सं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो क्यक्ति सम्पत्ति में एकि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

न्द्रे यह त्याना वाडी करके पूर्वोच्छ स्व्यूरित के वर्षन के जिल् कार्यनाहियां करता हैं।

# उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बालेश:→

- (क) इत सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्थाभी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकृतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी मन्य स्थावत व्यारा सभीहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयूक्त सक्यों कृर पयों का, जो उत्तर अधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं वर्ध होगा को उस मध्याय में दिया व्या हूँ।

# जनस्थी ।

सम्पत्ति सभा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1533, 1630 विनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिमांक : 9-2-1984

# **इस्प् नार्ड**ः द<u>ी. एन्. एस.</u>- - अ :----

# नायकर मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के मुभीन सुभूता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायक द आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० ए० पी० 5100—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण श्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए जन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नुलिकित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तर्थ से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त ज्भित्यम के जभीन कर योगे के जन्तरक के बायित्व में कती करने या उससे वचने में सुविधा के एकए; और/या
- (च) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जासित्वाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर जुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार्य पुकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ग्रमरणीत कौर पत्नी कर्नल जोगिन्द्र सिह बासी—तोप-खाना रोड, पटियाला ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती लखबीर कौर श्रदवाल पत्नी कुलविन्द्र सिंह वासी—प्रतापपुरा, तहसील, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (बह क्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हतवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी जाओई ह—

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कर्यां शीर पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जुध्याय में विया गया है।

#### मगं सर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 1564, दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी जालन्धर ने लिखा है। '

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक प्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालकार

विनांक : 9-2-1984

मोहर 😰

# प्रम बाइं.दी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालम्धर

जालम्धर, दिनांक ' ६ फ़रवरी 1984 निवेश सं० ए० पी० 5102—यतः, मुझे, जॆ० एल० गिरघर,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृक्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणिष्त है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनोक जून 1983

को प्वांक्त संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शवत, उक्त विश्वीतयुक, के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

स्तः वदं, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री जगत सिंह पुत्र हरी सिंह, मुख्त्यारेग्राम रामग्रवतार पुत्र भगवाम दास, मासी—8/19, जालन्त्रर कैंट,

(भ्रन्सरक)

(2) श्री राम किशन पुष्न भाग राम वासी—चक कलां तहसील नकोदर, जिला—जालन्धर।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके मधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त संपत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी नास्नेय ---

- (क) इस स्थाना के प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिम की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थाना की तामीस से 30 दिन की बद्धि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकडी के शस् लिकित में किए जा सक्तेंगे।

लक्ष्मीकरणः---इसमें प्रयुक्त काव्यों जाँड एवों का, जा उक्त अभिनियम, के जभ्याय 20-क में प्रिशाद्विक है, वहीं सूर्ण होगा, जो उस जभ्याय में दिवा नवा है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1661, विनांक जून, 1983 को रजिस्द्रीकर्ता अधिकरी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

दिन'क : .9-2-1984

प्रकृष कार्, टी. एन. एस.-----

नाथकड निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्चना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० न० 5103—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परम्भत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायक र जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या जिल्ला जिथितियम या धन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः सम, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अमृतरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ाः— (1) कर्नल, जोगिन्द्र सिंह पुत्र गुरवयाल सिंह वासी—तोप-खाना रोड, पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलविन्द्र सिंह पुत्र ऊधम सिंह वासी—गांव प्रतापपुरा, तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भीग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्मरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्धि ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिशादित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

#### मंगस ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1733, दिनोक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

मोहर 🛭

# वृक्त वार्षं की . एन . एव . ......

जाबक्कर जिमिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

# कत्रपांचय, सहायक भायकर भायकत (फिरीक्षक) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० 5104—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, पिस्पतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः, जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) कर्नल, गुरमीत सिंह पुत्र जसवन्त सिंह वासी—गांव बुट, तहसील, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रणतीश भारद्वाज पत्नी पुरन सिंह वासी—बादेसरो, तिह् जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मेंद्र रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह क्षाना बादी करुके पूर्वोक्त स्म्यत्ति सै वर्षन के निष्
कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खें भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सैं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर गैम्पित्त में हितं के बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1783, दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनोक : 9-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें ही एन एस -----

# ्रमायकर अधिनियम, 1901 (1981 वा 43) की बारा 269-थ (1) के बाबीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निवेश सं० ए० पी० 5105—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हरवियाल नगर, जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं इं किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के रायिश्व में कमी ७२ने वा क्सारे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्रायया किसी वन या प्रण्य प्राविश्वयों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रक्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रितियम, या प्रतिर एश्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिशाने में मुक्था के लिए।

मतः मन, उन्त नीभीन्यम की भारा 269-ग के नन्यरण मों, मों, उन्त निथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नथीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, मधीत्:~ (1) श्रीमती ऊमा मल्होवा पत्नी मदन मोहन वासी---मोहल्ला मोहिन्दर, जालन्धर अटार्नी, जोगिन्द्रपाल , 192-आवर्ष नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र महिंगा सिंह व परवीप कौर पत्नी डाक्टर सुरजीत सिंह, वासी—-खार्जुला, जिला—कपूरथला । (अन्तरिती)

(जन्सा रसा) च जिल्ला

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीच से 45 जिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्त्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1811, दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जें० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्वर

विनोक: 9-2-84

मोहर 🖫

प्रस्म काई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायक र कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० 5106—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त कृषिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृति्भा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चंचल सिंह पुत्र भान सिंह भारी---पीली कोठी, गडा बहिंदा, जालन्धर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री बलविन्द्र सिंह पुत्र निरमल सिंह व चनन कौर पत्नी निरमल सिंह, बामी---337/7, सैण्ट्रल टाउन, जालन्धर । (श्रन्तरिती)
- जीसा कि उत्पर नं. 2 म है।
   (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वा.
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1812, दिनांक जून, 1983 को राजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर ने लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 9-2-1984

मोहरः

### अक्य बाई .टी . एन . एस . ------

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को नभीन सुभाना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, <mark>जासन्धर</mark> जानन्धर, दिनांग 9 फरवरी 1984

निदेश मं० ए० पी० 5107---यतः, **मुझे**, जै० एल**०** गिर्धरः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा ज बुट गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण छप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जन, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बाधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) कर्नल गुरमीत सिंह पुत्र जसक्त सिंह वासी—गार्डन कालोनी, नजदीक माडल टाउन, जानन्धर।

(अन्तरक)

- (2) श्री जेदीप सिंह पुत्र गुरचरन सिंह य देविन्द्र सिंह व नारिन्द्र सिंह पुत्र संता सिंह वासी---535-माडल टाउन, जालन्धर। (अम्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजी रसता है।
  (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवव्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान को राजधन में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1816, विनोक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज, जर<del>ल</del>ार

विनांक : 9-2-1984

मोहर 🅫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरव री 1984

्रिकेस सं०ए० पी० 5108-यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची है और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण संहुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अविशिषण की भाग 269 ग के अनुगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रिव कत्याल पुत्त इन्दर सैन वासी:--455 महीद भगर सिंह नगय आलन्धर और अनिल चौपड़ा पुत्त राम चन्त्र के/आफ शिणु माडल स्कूल, नया बाजार, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सेवक राम शर्मा पुत्र मास्टर देव राज गांव और पोस्ट आफिस गद्दीवाला, जिला- होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 मं है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मं सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजी रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों :
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### ममुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1822, दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 9-2-1984

मोहर 🖫

# प्रकृत कार्ड . स्टी . एवं . एवं . ~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-म (1) के अधीन स्वना

#### शास्त्र व्यवस्य

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० 5109—स्यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विष्यास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिला में कमी करने या उद्धरे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 27) के प्रकोषनार्थ बन्ति,रती ब्वारा प्रकट नहीं किना वना वा किया धाना वाहिए वा, कियाने वें सुनिधा के लिए;

सतः सर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री जगत सिंह पुत्र हरी सिंह मुख्यारेआम रामअवतार पुत्र भगवानदास, वासी—-8/19, जालन्धर केंट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमहिन्द्र सिंह पुत्र भाग राम गांव भ डाकखाना--- चक-कला, तहसील--जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुची रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मं हितबद्दंश हैं)

को यह स्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के भिए 🗼 कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी बन्य स्थावत ख्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1827 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) पर्यान रेप, जामन्धर

दिनोक : 9-2-1984

माहर :

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 9 फरवरी 1984

निदेण सं०/ए० पी० नं० 5110---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983.

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :-- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र भुला सिंह वासी--किंगरा, तहसील जालन्धर अटारनी वरनदास ।

(अन्तरक)

(2) मेजरहकीम सिंह व मुखिन्द्र कौर पुत्री तरलोक सिंह, वासी — हुसैन शाह वाला, डाकखाना खाईफीमी की, जिला—-फिरोजपुर ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखी रखता है।
  (बह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंगे।

स्मर्खाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1895, दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्थर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

# प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याल्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5111—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूर्चा में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक रूप किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी नाय की थावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के [जए; आंड/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाण (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अनिल चोपड़ा पुत्र राम चन्द्र और संगीता महाजन पुत्ती श्री धर्मपाल वासी---नया बाजार जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरबङ्ण कौर पत्नी बलदेव सिंह वासी——मानों लंगा जिला—कपूरथला ।

(अन्तरिसी)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग हैं सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इसं सृष्या के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ माँ से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20 क में परिभाविष्ट है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1907 दिनाक जुन, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक्धर

दिनांक : 9-2-1984

मोक्षर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984 निदेण सं०ए० पी० सं० 5112-5113 ग्रीर 5114--यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धीर जिसकी सं० जैमाकि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून,

को पूर्वोवत संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के एवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एवमान प्रतिफल हे एसे एवमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहुदं किसी बाय की बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कमी करने या उसते वज्ने में सुविधा के के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधित्:--- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र मुल्ला सिंह वासी—किंगरा तहसील जालन्धर द्वारा मुख्यार बलवन्त सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह दुसाज पुत्र प्रीतम सिंह वासी—39-एल० ए० साडल हाउस, जासन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (अह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में एचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अत्रे यह स्वाना जारी करके प्वामित सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो अस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1938, 1985 श्रौर 2210 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

# प्ररूप आई.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सुरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०ए० पी० नं० 5115---यन: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाग की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

(1) श्री हरभजन सिंह, इन्द्रजीत सिंह भासी - शहर शैखपुर बढाला चंड, जालन्धर

(भ रक)

(2) श्री राजन सिंह, स्वर्ण सिंह, जसविन्द्र सिंह मोहिन्द्र सिंह पुत्र नाहल सिंह शहर कपुरथला ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊगर सं० 2 में है (वड व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्यक्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उकत् स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2001 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक अध्यक्तर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

# त्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यात्रय, सहायक बायक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984 निदेश सं० ए० पी० नं. 5116—यतः मुझे, जे० एल० ारधर.

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसकें पर्वात् 'उनत निर्मितयम' नज्ञा गया हैं), की भारा 269-व को नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृज्य 25,000/- रा. से निषक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती पीरवाद खान, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णेरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से विभिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पावा गवा प्रतिकास निअन्तिसीवत उष्ट्रोस से उक्त जन्तरण निवित में बास्तविक रूप से किथान नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा खे बिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :--- (1) श्री गुरिबन्द्र सिंह पुत्र हाकम सिंह वासी---228-आदर्श नगर, जालन्धर द्वारा मुख्त्यार अशोक कुनार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आणा रानी पत्नी मेवराज किणन श्रौर महाराज किणन पुत्र अमर नाथ वासी—ईसा-68, अटारी ब्लाक, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह अचना चारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबीच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्यास सभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकते।

#### अगुलुकी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2019 विनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालस्थर ने लिखा है। जे० एल० गिरवर

सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

मोहरू 🖫

4-506 G1/83

# प्रकप बाइं.टी.एन.एस. ----

आयकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर बायूक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5117---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित नहीं किया एया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अवने में सृविधा के लिए; आर/बा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी भन या मन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निष्ण काल चाहिए था, खिणाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्रह्लाव सिंह, वशेणर मिंह, ओम प्रकाण सिंह, णक्ति सिंह पुत्र मस्तान सिंह वासी—-गांव खुरला । तह० आलन्धर, ब्रारा प्रह्लाद मिंह । (अन्तरक)
- (2) श्री सुरजीत सिंह, गुरमीत सिंह, मलिक्यत सिंह, कुतबीर सिंह, प्यारा सिंह, पुत मेंहगा सिंह वासी-गांव खुरला किंगरा तह जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अग्नि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्वित्यों से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (ख) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 2018 दिलांक जून, 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्थर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

# प्रकप जाइ. टी. एम. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुच्छा

#### भारत परकार

# कार्यालय, सहायक गायकर गायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निवेश मं०ए० पी० नं० 5118—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर मिश्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एस मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दार्य से उन्तर अन्तरण विश्वत में पास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, स्थिपने में सविधा के निए;

ब्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पृथ्वीपाल सिंह मुख्त्यार-ए-ग्राम रजीव बंगा पुत्र कँलाश चन्द मुख्त्यार -खास मंजीव बंगा वासी---438-ग्रार माडल टाउन जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामिनी बंगा/पुती राम शरण दास खन्ना वासी 438-मार माडल टाऊन, जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना चारी करके प्वाचित सम्पृत्ति के अर्थन के जिल्हें कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति एरिया 1 कनाल 16 मरले जो गांध किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 2154 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

### प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनोंक 9 फरवरी, 1984 निदेश सं०ए० पी० नं० 5119——यत: मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्रत विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः णव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों ,अधीत :~

(1) श्री परणोत्तम लाल मकड पुन्न राम लुभाया इ० श्रार० 23 पक्का बाग, जालन्धर झटोरनी ग्राफ पृथ्वी पाल सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारायण दत्त पुत्र मुन्सीराम भौर पत्रन कुमार पुत्र बी० पी० गोयल वासी—नेताजी पार्क जालन्धर ।

(ब्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अचिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2155 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 9-2-1984

मोहर 🔞

प्रक्ष नाहाँ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत स्रकाड

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन ेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5120—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुभूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) बन्तरण से इन्हें किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिंह;

बतः बस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित स्थितताों, अभीत् :—- (1) श्री रजिन्द्र कुमार ककड़ पुत्र परशोत्तम लाल ई-श्रार—22 पक्का बाग जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती तृष्ता गोयल पत्नी बी० पी० गोयल ग्रीर सुमन गोयल पुत्र बी० पी० गोयल बसी—40 नेताजी पार्क जालन्धर ।

(ग्रम्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्येपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# ननुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति एरिया 1 कनाल 12 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2182 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालम्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालम्बर

दिनांक : 9-2-1984

## प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०ए० पी० नं० 5121—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में वींगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उभित काजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिस्ति में वास्तिक रूप से कालरण मिस्ति में वास्तिक रूप से कालरण मिस्ति में वास्तिक रूप से कालरण मिस्तित में वास्तिक रूप से कालर नहीं किया नया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; नार्ट्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रजीव बंगा पुत्र कैलाश चन्द वासी—438-श्रार०—माडल टाउन जालन्धर मुख्त्यार श्राफ पृथ्वी पाल सिंह

(भ्रन्परक)

(2) श्री के० सी० बंगा वासी——436—श्रार० माडल टाउन जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हरेगे जो उस अध्याय में दिया भूबा हैं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 16 मरले जो गांव किंगरा म स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2183 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

मोहर 🕫

# प्रभूप नार्षः टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकं आयकर आय्क्तं (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०ए० पी० नं० 5122—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें "सके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है, की धारम् 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक हैं

प्रोर जिसकी सं० जैमा कि अनुमूची में लिखा है, तथा जो बस्ती पीरदाद खान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसवे दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के भंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में यान्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती एकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्रिपान में गृविधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) हरनाम कौर पृत्री राधा सिंह 228 आदर्श नगर जालन्धर द्वारा तरसेम लाल । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कान्ता चड्डा पत्नी तरसेम लाल बासी----411 आदर्श नगर, जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर मं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

#### नन्त्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, एरिया 8000 वर्ग रिफुट जो बस्ती पीरवाद खान जालन्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 2193 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 9-2-1984

प्रकृपे बार्ड, टी. एम. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5123—स्यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाह 'उकत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची म लिखा है तथा जो बस्ती गेख जालन्धर में स्थित है (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में मित्रिया औं सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं धक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नजिनिक व्यक्तियों, अधित ह-

(1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गुजार सिंह सैन्फ ग्रीर मुख्यार आफ अरजन सिंह, करनार सिंह ग्रीर अजीन सिंह ग्रीर सूचा सिंह वासी—-न्दस्ती गोख जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जरनैल सिंह रेड नायब तहसीलवार पुत्र ल्होरा सिंह बासी---18--ए, माडल हाऊस जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, 4 करनाल 11 मरले 105 स्ववायर फुट जो बस्ती गेख जालन्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 2231 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

विनांक: 9-2-1984

प्रस्प माहाँ, दी, एस, एस .....

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5124-5125 ग्रीर 5126--यतः मझे, जे० एन० गिर्धर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैनो में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीत :--5-505 GI/83

(1) श्रीमती रलो पत्ती बीर सिंह वारी—-गांव रधुभा हहसील जैती जिला—-करीककोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिती यचन वीर पत्नी मुख्स्यार सिंह् वासी--गांच बोदी तहसील मोगा जिला--फरीक्कोट ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर स० ३ में है (बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सत्यत्ति तथा व्यक्ति जमीन 29 कनाल 9 मरले जो गांव जैतो में स्थित है जैसा कि जिलेख नं० 424, 439, 513 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

> ने० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-2-1984

ंप्ररूपं आई.टी.ऍनं.ऍसं. -----

आयबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5127—यतः मृझे, जे० एल० गिरधरः

काग कर अं तिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुक. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गृह तेन तहातूर नगर जालन्धर में रियत है (श्रीर दससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्था से बणित है), रजिस्ट्रीयनी अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमें द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्रम अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था. किया ये यह कि निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधास (1) के अधीन, निम्निनिश्चित स्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री गुरुचरण सिंह पुत्न असवस्त सिंह धार्य(—-गुरु तेग अहाधुर गगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूरत कौर विश्ववा पालराम ग्रीर श्रीमती सुरिन्द्र कीर पत्नी चरण वास वासी—गांव सिदवी दोना जिला—कपुरथला।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह टयियत, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्गहर्था करना श्री

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्मध्यन्थी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी ज्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अभूसूची

सम्यक्ति तथा व्यक्ति मकान नं० 34 जो गृह तेग बहादुर नगर जालम्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 2011 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज, जालन्धर

**क्षारीख: 9-2-1984** 

प्रकृप आई'.टी. एन. एस . -----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालनधर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

िनदेश सं०/ए० पी० नं० 5151——यतः मुझे, जे० एल० गेरधरः

मायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव विरियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चन्दन सिंह पुत्र छत्तर सिंह वासी—-म० मं० बी० एक्स एक्स 68, गर्बनमेंट कालेज रोड, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री परमिन्द्र सिंह पुत्र जगीर सिंह वासी--511 न्यू जवाहर नगर. जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भौग में सम्पत्ति है)
- (4) जो ध्यवित, सम्पत्ति में रुचि रखता है (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्र्याँ

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, 4 कताल जो गाव वरियाना में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 2052 दितांक जूत, 1983 को रजिन्द्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरक्षर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालस्थर

दिनोक : 9-2-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश मं०/ए० पी० नं० 5152---यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा बुढलाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुढलाडा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की शाबत, उक्द, जिंभिनियत के जभीन कर वोने के अन्तरक के वायिस्त में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री केवल कृष्ण पुत्र रोशन लाल यासी——बुढलाडा तहसील मानसा जिला——भटिण्टा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बीर भान पुत्र शम्भु राम ग्रीर रमेश कुमार पुत्र बीरभान वासी—म० नं० 289 वार्ड सं० -2, बुढलाडा तहसील-भानसा, जिला--भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैंसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और नेदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति मकान नं० 289 जो बुढलाडा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 710 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बुढलाडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिलांकः : 9-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) फी भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० /ए० पी० नं० 5153——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती बो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, या भगकर अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

बतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रतीय, विभवितिया व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री हरीश कुमार, सुरिन्द्र कुमार, पुत्र गोबिन्द राम वासी—-ईए-215, लाल वाजार, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मीना बंसल पुत्नी हरबंस लाल बंसल मार्फत न्यू पार्क रबर इण्डस्ट्री, न्यू कालोनी, टांटा रोड, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों:

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1610, दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुवता

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5154---पतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती बाबा खेल जालन्धर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों को. जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबः, उत्था अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री वलीप सिंह पुत्र हरनाम सिंह सासी---वस्ती वाखा खेल , जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवन्त सिंह पुत्र सरदार सिंह ग्रीर सतनाम सिंह पुत्र हजारा सिंह गांव--जामल पुर तह० जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिपके अधि-, भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त , शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### गग्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1882 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रोनेन रैंज, आलन्धर

<sup>दि</sup>नांक : 13-2-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक श्रायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं. 5155—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुग्वी में लिखा है तथा जो अरबन एस्टेट्स, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा को लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दर्शन सिंह पेंटेल पुत्र श्री एन० एस० जनजीस सिंह प्राा--सियटे टायर आफ डण्डिया, जी० टी० रोड, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलजीत मिह पुत्र भाग गिह वासी—-186-चाजपत नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर गं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संस्पत्ति में हितकक है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2163 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आह. टी. एन. एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 फर्बरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5156 श्रीर 5157—यत: मुर्झे, जें० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में जिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उगाश्रद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णें हम से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, जुलाई, 1983,

को प्रवेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त बन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना दाहिए था, छिपाने में मृत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:——

(1) भी नदन लाल बख्णी पुत्र नाम काम यासी--इ०आई-191 बहार वाग, जासन्धर ।

(अन्परक)

(2) थीं मबन लाल पुत दीवान चन्द वागी——ई० एफ० 252, मण्डी रोड, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति हे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध सं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधिया मन्मस्यन्धी व्यक्तियों पर की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2086 दिनांक जून 83 और 2435 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालध्य ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दनांक: 13-2-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5158—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थायर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहें से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (या) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

- (1) श्री तरलोक चन्द पुत्न किरपा राम यासी-—किशनपुरा जालन्धर द्वारा मुख्स्यारे-खास अशोक कुमार ठाकुर । (अन्तरक)
- (2) श्री सतपाल पुत्न चनन राम वासी—ई० एस०-381 ग्रवादपुरा, जालन्धर ।

(प्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### मन्सभी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 01478 दिनांक जुन, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-2-1984

माष्ट्र 🛭

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्ररूप आ६'.टो.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं०/ए० पी० नं० 5159—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

कां पूर्वेक्ति संपित्त के उण्णित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृकिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री तरलोक चन्द पुत्र किरपा राम धासी—किशनपुरा जालन्धर द्वारा मुख्स्यारे-खास, हरवन्स सिंह ६० पी०-89, सैंदा गेट, जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी हरबन्स सिंह वासी——ई० पी० 89, सैंदा गेट, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कृष्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं 1602 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम **प्राधिक १री** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 13-2-1984

मोहर 🛭

# प्रकृष् नार्षः, टी. एन. एस., -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश मं०/ए० पी० नं० 5160—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती दानिसमन्दा जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिमित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; औट्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन् या अन्य जास्तियों कते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्टिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री बाबा सिंह वासी-—श्रवतार नगर जालन्धर । मुख्त्यार खाम जगत सिंह पुत्र देवीचन्द वासी-—दानिसमन्दा, जालन्धर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री राजकुमार पुत्र जगत राम वासी--बस्ती दानिस मन्दा, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

### नन्त्रवा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1615 विनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जाल**न्धर**

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🗄

# प्रकृत काई,दी,पुन्,पुन्,------

# श्रायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन स्पना

### भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5161—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो भ्रबाक्पुरा, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक जून, 1983,

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पंष्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण जिल्लित में
वास्तिबक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई फिजी बाव की वावत, उपक विधिनियम के सभीन कार दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी कारते वा उससे वचने में सुनिया के सिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के निए;

(1) श्री सुन्दर नारायन पुत्र जगन नाथ द्वारा मुख्स्यार सुन्दर गोपाल पुत्र जगननाथ डब्ल्यू० जी०-259, स्लामाबाद, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतपाल सिंह पुत्र ग्राशा सिंह वासी—एन० एम० 124, मुहल्ला करार**खाना,** जालन्धर ।

(मन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके **प्रधि**-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदक्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी मनिष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सवाहै।

### **अनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2037 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आह. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ्(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं०/ए० पी० नं० 5162---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं॰ जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अध्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनयम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतनाम जोधक पुत्र जगन नाथ द्वारा मुख्त्यार सुन्दर गोपाल जोधक वासी—डब्ल्यू० जी० डी० स्लामाबाद, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रतिन्द्र कौर पत्नी सतपाल सिंह वासी—एन० एम० 124, मुहल्ला करारखान, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रश्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### वन्स्ची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2038 दिनांक जून, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 13-2-1984

मोहर 🕄

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5163—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

स्प्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में अभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; आर्/बा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्ना में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) की अधीन, निम्निजिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्रीमती विद्यावसी पत्नी वैद्यनाथ वासी---एन० एल०--- 56, कूचा मादुरकली बाजार वाला जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती माया देवी पत्नी नत्थुराम और राजरानी पत्नी प्रेमनाथ , सन्तोष कुमारी पत्नी किशनलाल ग्रौर रोमेश रानी पत्नी सुभाष चन्दर वासी—एन० एल० 56 कूचा मादुरवाली, बाजार कलां, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्ग।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2067 दिनांक जून, 1983को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनाम : 13-2-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5164:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्तीफीर दाद खान जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या

गांगी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ए कैं अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हरनाम कौर पुत्नी राधा सिंह, 228, आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिता चट्टा पत्नी अध्वनी कुमार चट्टा वासी 411, आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर दो में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचभा जारी करके पृत्रों कर, सम्मरित को मुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विच की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### न्त्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं ० 2018 दिनांक जून 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज, जालन्धर ४

तारीख: 13−2-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निर्दाक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5096:——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सुलतानपुर लोधी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृख्य . उसके द्रायमान प्रतिफल से , एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया पया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के दिवा

अतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य हरू -

(1) श्री प्रेम चन्द भण्डारी पुत्र श्री दुर्गादास भण्डारी, सुलतानपुर लोधी,

(अन्तरक)

(2) श्रोमली प्रेम लता पत्नी प्रेम चन्द भण्डारी, मुहल्ला भण्डारिया, सुलतानपुर लोधी।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर दो में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितृ के अर्थन् के लिए कार्यनाहिमा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वव्य किसी बन्धं व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में द्विया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 399 विनांक जून, 1983को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुलतानपुर लोधी ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, जालन्धर ।

तारीख: 9-2-1984.

मोहर 🖫

### प्रक्ष वार्ड .टी . एत् .एवं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्थना

#### नारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांवः 9 फरवरी 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5128---यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक **है** 

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तया जो बूचों मलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नयाना में रिजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को पुर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की भावत, उक्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्तः अस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** को प्रयोजनार्थ अन्तरिका दुवारः प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

7--506 GI/83

(1) श्री काहन सिंह, धन सिंह सुपुत्र श्री निखा सिंह, वासी बूचों कलां, तह० नयाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेला सिंह, बहादुर सिंह पुत्र विधान सिंह, वासी बुचों कलां, तह० नयाना ।

(अञ्जरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाव भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५थीं का, षो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, वही वर्ध होगा को उस्बन्धाय में विया गया है।

### अनुसुची

सम्पत्ति तया व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 628 विनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नयाना ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984.

प्रस्थ आई. टी. एन. एस. ----

अध्यक्तर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं॰ ए० पी० नं० 5129:——यतः मुझे, जे० एल० गिरधरः

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से, ऐसे हरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अलारण में हाई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :---- (1) श्री कमलजीत, राजकुमार सुपुत बिहारी लाल, वासी मकान नं० 1161, गली नं० 5, मन्डी अबोहर।

ing timber was the protecting and received the contraction of the cont

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र महाबीर प्रशाद. गली नं० 2, अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपरनं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वास के राजपत्र में प्रकाशन को नारीस से 4% दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 29 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 832 दिनांक जून, 1983 को रजिब्द्रीकर्ती अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, जालन्धर।

तारी**ख**: 9-2-1984

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-घ (1) के अभीन सृच्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5130:---यतः मुझे, जे० एल०

ानदश संजुल्ड पार्ट पर 5130.---- यतः सुझ, पर द्रशर गिरधर, गयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकालकार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रो ओम प्रकाण, अमरजीत सुपुत्र बिहारी लाख,
 वासी मकान नं० 1161,
 गली नं० 5,
 अबोहर मन्डी।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार पुत्र महाबीर प्रसाद, गली नं० 2, अबोहर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 896 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जनरेंज, जालन्धर

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984 निदेश नं०/ए० पी० नं० 5131:---यतः मुझे, जे० एल०, गिरधर.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कंधाला जट्टां तह० दसूहां में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टांडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियण, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्री भुल्ला पुत्र छज्जू, गांव कंधाला जट्टां, जिला होशियारपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री तरसेम सिंह पुत्र वरियाम सिंह, गांव कंघाला जट्टां, तह० दसूहा, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ( वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 376 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी टांडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जनरेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 9 फरवरीः 1984 निदेश सं० /ए० पी० नं० 5132:---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं स्थिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के स्थीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है (, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरेर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो दयालसिंह, पुत्र जंग सिंह, खेता सिंह, तेजा सिंह बूटा सिंह पुत्र जिऊन सिंह, कोठी कमेका, एन० एफ० एल० रोड़, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत गिल्ल पुत्री जगदीय कौर कमारी पत्नी श्री हरपाल सिंह, गांव खंज, तह० फाजिल्का।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपरनं ० 2 में है (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तक्षिरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाना के ग्राथित में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख में नं० 1992 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/पो० ए० नं० 5133:---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन तारीख जून,

को पृष्टीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दयाल सिंह पुत्र जंग सिंह, खेता सिंह, तेजा सिंह बूटा सिंह पुत्र फिऊन सिंह, कोडीकालका एन० एफ० एल० रोड़, भटिन्छा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनशीत कौर पत्नी सतविन्द्र सिंह, और मुखबिन्द्र कौर पत्नी इकबाल सिंह, पता टेक चन्द, बी० के० ओ० बैंक बाजार, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपरनं ० 2 में है (वह व्यक्ति , जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जितके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगी।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 1293 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निवेश सं०, ए० पी० नं० 5134:---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिम्ट्रीकर्सा अधिकार के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्दिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाब की बाबता. स्वक्त ्रीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अत्र, तकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, दिम्नलिधिन व्यवित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री दयाल सिंह पुत्र जंग सिंह, खेता सिंह, तेजा सिंह, बूटा सिंह मपुत्र जिऊन सिंह, कोठी कामेका, एन० एफ० एल० रोड, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) कुमारी तारा पुत्ती डब्ल्यू० ए० मारच द्वारा टेक चन्द, बी० के० ओ० बैंक बाजार, भटिन्डा, प्रकाण वती पुत्ती श्री जगोती प्रसाद, बाखी णाहपुर बाटन वाली, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसाकि ऊपरनं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अत्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति गे हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1294 दिनांक जूत, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्द्यर

तारीख: 9-2-19834

**সহলে সাচ**ি, হী । চহ. চ্চ. --- ---

मानकर मिन्नित्यम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5135—प्यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बानार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम मे कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए यन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पम्बद्ध प्रतिशात से प्रधिक है और अम्तरक (अन्तर्कों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से अक्त अम्तरण निवा में बास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने में नृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधितियम, या धन-कर अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र मुख्तयार सिंह, गांव मेहमा भगवाना मुख्यतयार आम आफ जगदीण कौर पत्नी हरपाल सिंह, गांव खुन्दजा तहसील मुक्तसर।

(अन्तरक)

(2) श्री रिजन्द्र सिंह पुत्र मुकन्द सिंह, गांव पक्का कर्ला, तह० भटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गैम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1342 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक १ फरवरी 1984

निदेण सं०∫ए० पी० नं० 5136——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्छा में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्यत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वागत, अवस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रस्य पार्टिन संका, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती चन्द कोर विधवा त्रिणन रिह. मानसा रोड. भटिन्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीभूषिन्द्रसिंहपुत्रतन्दसिंह, पताएस० आर०, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपरनं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग भें सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्प्राप्त में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहताक्षरी जानता है कि वह सम्प्राप्त में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की व्यक्तियां पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वृष् किसी मन्य म्यब्ति द्वारा अथोह स्ताक्षरी के पात विविधा में किए या सकर्ष।

स्थव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1732 दिनांक जुन, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः शवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभौत् ह-

मोहर:

सारीख: 9-2-1984

8-506GL/83

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 🤥 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5137---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में तिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योक्त्य भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियॉ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) कुमारी वीरेन्द्र कौर पुत्नी अजमेर सिंह, पता अजमेर सिंह एडवोकेट, सिविल लाईन्स, नजदीक सेन्द्रल जेल, भटिन्डा।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी सुरिन्द्र सिह, रामपुराफूल ।

(अन्तरितीः)

- (3) जैसा कि ऊपर नं ० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हे (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित बड़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1927 दिनाः जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, जालन्धर

सारी**ख** : 9-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5138:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है:

और जिसकी र्सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सूधिशा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ष्टिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:── (1) श्री अममेर सिंह एडवोकेट, सिवल लाइन्स नजवीक सेन्द्रल जैल, भटिन्डा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री उजागर सिंह पुत्र केहर सिंह, लाभ सिंह सपुत उजागर सिंह गांव रार, तहः भानसा आत्मासिंह पुत्र हजूरसिंह पुत्र दूला सिंह, गण्डा सिंह पुत्र गजन सिंह, मण्डी कलां, नजदीक, रामपुरा फूल। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पारकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **मम्**स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1930 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर ।

नारी**ख**: 9-2-1984

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5139:--- यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; बौर्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त आधिनियमः, कौ धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलीखत व्यक्तियों, अधीतः :— (1) श्री अजमेर सिंह मुख्तयारें आम पुषपिन्द्र सिंह, पता श्री अममेर सिंह एडबोकेट, सिविल लाईन्स नजदीक सेन्ट्रल जेल, भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री लाभ सिंह पुत्र उजागर सिंह, गांव रार, तह० मानसा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से
45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

ल्पव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्**ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1931 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 9-2-1**9**84

मोहर 🗈

अरूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० ए० पी०नं० 5140:—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्से दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती बरिन्द्र कौर पत्नी अजमेर सिंह एडवोकेट सिविल नाईन्ज, नजवीक मेन्द्रल जेल, भटिन्डा। (अन्तरक)
- (2) श्री उजागर सिंह पुँत केहर सिंह, गांव रार, तहसील भानसा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह स्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह्या

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरें।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1928 दिनांक जून, 1983 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9--2--1984.

प्रकृष वार्ष<sub>ीय</sub> थीय एवं यु एस .. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5141:——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1983

को पृथों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की वायत, उपत वर्षिपियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायत्थ में कमी करने वा उत्तरी व्यने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा की निए;

(1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह एडवोकेट, सिविल लाईन्स नजदीक सेंट्रल जेल, भटिन्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुत्र केहर सिंह, गांव बार, तह० मानसा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति -में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत विभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित न, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमय वा है।

### अमुस्**ची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1984 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे०एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालस्धर।

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ⊯

नारीख: 9-2-1984.

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5142—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्ति ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह एउवोकेट सिविल लाईन्स, नजदीक सेन्ट्रल जेल, भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री जगरूप सिंह पुत्र उजागर सिंह, गीत्र बार, तह०भटिन्डा।

(अन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ऱाजपण में प्रकासन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकीं।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1929 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984

प्रकृप आहे.टी.एन.एस -----

आयभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निवेश सं०/ए० पी० नं० 5143—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती बनवीर कौर मुख्ययारेश्राम आफ, गुरचरण पता अजमेर सिंह एडवोकेट, सिविल लाईन्स, नजदीक सेन्ट्रल जेल, भटिन्डा।

(अन्तरकः)

(2) श्री जगरूप सिंह पुत्र उजागर सिंह, गांव बार, तह० मानसा।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त किथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 1933 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश मं०/ए० पी० नं० 5144—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्जित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिल बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐथे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) ग्रीर प्रकारिती (अन्तरितियों) के जीन ऐसे प्रकारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्रत अदेश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्र) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया अना चाहिए था, खिवाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अजमेर सिंह पुत्र धन सिंह एडवोकेट, सिविल लाईन्ज, नजवीक सेन्ट्रल जेल, भटिन्डा।

(अलरक)

(2) श्री गण्डा सिंह पुत्र गण्जन सिंह, गांव मण्डी कलां, नजदीक रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पक्षीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1932 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5145—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को प्वोंकन सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, 'नम्नलिखित उदबंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करन या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह एडवोकेट, सिविल लाईन्ज, नजदीक सेन्ट्रल जेल, भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री आत्मा सिंह पुत्र हजूर सिंह, गांव मण्डी कलां।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 0 1935 दिनांक जून 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३---

तारीख: 9-2-1984.

मोहर 🖫

प्रकृप आहें. टी. एन. एसं. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के बधीन सुपना

#### भारत तरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5146--यतः मुझे, जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **ए**समें इसके पब्चाल् 'उक्स अधिनियम' कहा गया ह°), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची मे लिखा है तथाजो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) , रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित भाजार मृल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त लभिनियम के लभीन कर दोने के लन्तरक को वायित्व में कमी करने या उत्ससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए:

(1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह मुख्तयारेग्राम आफ गुरचरन सिंह पता अजमेर सिंह एडवोकेट सिविल लाइन्स नजदीक मेन्ट्रल जेल, भटिन्डा

(अन्तरक)

(2) श्री गण्डा सिंह सपुत्र गज्जन सिंह गांव मण्डी कला नजदीक रामपूरा फुल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आह से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की बविध, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वारित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए आ ६ करा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया

### अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1936 दिनांक जुन 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

**अतः अब, उ**क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्न[लिसित व्यक्तियों], अर्थात् :--

तारीखा:- 9-2-1984 मोहर 🕄

प्रकप माई• दी॰ एत• एतः ----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5147—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

धायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६पए से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंड़ी-साबों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः अबः उनत अधिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:—- (1) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र मखन सिंह शासी तलवंडी साबो ।

(अन्तरक)

(2) श्री बिन्दु सिंह, बोगा सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह व नाजर सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी समबंडी साबो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पर्शि को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप प्र---

- (कं) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से कि 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मनुस्**ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 977 दिनांक जून 1983 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, ने तलवडी साबी लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9-2-1984

गोहर 🖫

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनां ३ 9 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5148——यतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसािक प्रमुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी साबों में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण इत्य सं विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री मन्द्रिन सिंह वासी तलवंडी साबो।

(अन्तरक)

(2) श्री मुख्तयार सिंह पुत्र मक्खन सिंह वासी तलवंडी साबी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह2।

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 978 दिनांक जून 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी साबो ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9∽2−1984

## प्ररूप आहे. टी., एन., एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-य (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश नं०/ए० पो० नं० 5149---यतः **मुझे,** जे० एन० गिरधर

भायकर श्रिपियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मेहराज-पट्टीकलां तह० रामपुरा फूल में स्थित है (और इससे उपाधड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विशिवत् में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे असने में सूजिआ के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री चन्द सिंह
  पुत्न दलीप सिंह
  श्रीमती सुरजीत कौर
  पत्नी चन्द सिंह
  वासी मेहराज पट्टीकलां तह० रामपुरा फूल।
  (अन्तरक)
- (2) श्री रूप सिंह शेर सिंह सुपुत्र करोड़ा सिंह और जगरूपसिंह, हरीसिंह सुपुत्र आत्मा सिंह वासी मेहराज पट्टीकलां तह० रामपुरा फूल (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1373 दिनांक जून 1983 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रामपुरा फूल ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5150 —यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री खुणी मोहम्मद, शेर मोहम्मद गारदा मुपुत्र श्री सुलेम वासी रामपुरा फूल ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री गुरबचन सिंह
पुत्र नन्द सिंह
2. श्रीमती जसवन्त कौर
पत्नी गुरचरण सिंह
3. श्रीमती मलिकयत कौर
पत्नी मुखनिन्द्र सिंह
4. श्रीमती रणजीत कौर पत्नी
सुखदेष
वासी रामपुरा फूल।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, धांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup> वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1411 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, रामपुरा फूल ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जलन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5173—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्हा उतित वाजार मृत्य 25,000/- क० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० जैसा ि अनुसूची में लिखा है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संति के उचित बाजार मूल्य से कत के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वत प्रतिकात से प्रक्रिक है और प्रश्तरक (प्रस्तरकों) और प्रश्तरिति (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में तुई किसी भाग की बाबन जक्त अधि -नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; धौर/धा
- (ख) ऐसो किसो प्राय या किसी वन या भ्रम्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिवित्यम, या वन कर अधिनियम, या वन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

बतः श्राब, उक्त मिविनियम की बारा 269-न के धनुसरण में, में, उक्त ब्राबिनियम की घारा 269-थ की अपवारा (1) के को अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री श्रशोक कुमार पुत्र वास देव वासी मोहल्ला जगतपुर, होणियार पुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सत पाल पुत्र वास देव, त्रासी मोहल्ला जगतपुरा, होणियारपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मतित को नर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### बन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 3060, दिनांक सितम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी; होशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निंदेण सं०/ए० पी० नं० 5174—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तुबर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है डि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ियाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—
10—506GI/83

(1) श्री भ्रजीत सिंह पुत्र भ्रमीर चन्द वासी मोहल्ला महेण नगर, होशियारपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नसीब कौर पत्नी सोहन सिंह गांव श्रलहाबाद, जिला होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विम की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्यों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3196, दिनांक श्रकत्वर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, होशियार-पुर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

सारीख: 13-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1984
निदेश सं०/ए० पी० नं० 5175—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैंा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर केंट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

- (1) श्रीमती कौशल्या देवी विधवा शिव कुमार गुप्ता राज कुमार गुप्ता, रतन लाल गुप्ता पुन्न मिल सैन वासी बी-नं० 5, फिरोजपुर कैंट । (अन्तरक)
- (2) श्री बृज मोहन लाल शर्मी पुत्र भीम चन्द वासी 9-माल, फिरोजपुर कैंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3169 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, फिरोजपुर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-2-1984

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

# प्ररूप बाह्र .टी .एन .एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/6-83/ 199--अतः भुक्षे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1558, 1559 है तथा जो 19 वर्ष रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास 'करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जाँद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय मायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उत्सत विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विभीन निस्नितित स्पृतितामों, अधृति ः -

- 1. (1) श्रीमती पार्बती देवी पत्नी श्री भोला नाथ गुप्ता,
  - (2) राजेश्वर नाथ गुष्ता सुमुत्र श्री भोला नाथ, कर्तामै० राजेश्वर नाथ गुष्ता (एच०यू०एफ०)
  - (3) राघवीन्दर नाथ गुप्ता सुगुत्र श्री राजिन्दर नाथ गुप्ता, कर्ता मैं० राघवीन्दर नाथ गुप्ता, (एच० यू० एफ०)
  - (4) श्री रिवन्दर नाथ गुप्ता सुपुत्र श्री राजिन्दर नाथ गुप्ता निवासी 1624 मदर्शा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दुर्गा गुप्ता पत्नी श्री पी० डी० गुप्ता, श्रीमती रामा गुप्ता सुपुत्ती श्री पी० डी० गुप्ता श्रीर उमाअग्रवाल पत्नी श्री सुरेग कुमार, सभी निवासी एफ-12/6, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्तु संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सवधी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पथ्धीक रुणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/2 भाग ग्राउन्ड फ्लोर, सोग 1/2 भाग म्युनिसिपल नं० 1558 ग्रीर 1/2 भाग म्युनिसिपल नं० 1559 (नया), 19-चर्च रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली, एरिया : 70 वर्गगज।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ला, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1984

# प्रस्प बाइ<sup>६</sup>ु टी<u>.</u> एन . एस .----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई विस्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984.

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस आर-1/6-83/

208--यतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहाणया है'). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रूय 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ई-10 है, तथा जो ग्राम सघोरा कलाँ, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विरुली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक ज्न, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य उसके पश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसे किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>ा</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उद्भत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री जगदीश चन्दर शर्मा मुपुत्र श्री एल० आर० शर्मा निवासी-2710, दी-नगर, गली नं० 203, दिल्ली-35।

(अन्तरक)

 श्री सन्तोश कुमार सुपुत्र श्री मुकट राम, निवासी 4466, आर्या पुरा, एस० मंडी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परः सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

**स्पष्टीकरण:--**इस्में प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० ई-10 तादादी 200 वर्गगज, सत्थवती नगर, खसरा नं० 86, 88, 89, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106 श्रोर 107, ग्राम सघोरा फलाँ, दिल्ली।

> बी॰ एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहाय क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1984

प्ररूप आई. टी. धुन: एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

भार्यालय, सहायक जायकर जायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस आर०-1/6-83/ 218---यतः मुझे, बी० एल० धवनः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 24/19 है, तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नांलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती पूरन देवी पत्नी श्री दिवान चन्द, निवासी 22/128, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शीला रानी परनी श्री लक्ष्मण दास कामरा, निवासी 24/19, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कर्क पूर्वेक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🥌

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नगुज्जी

सरकारी बना हुआ प्रो० नं० 24/19, वेस्ट पटेल नगर, नई बिल्ली, एरियाः 100 वर्गगज ।

बी० एल० धवन० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 13-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आहे. टी. एन. एस: ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-1/6-83/219—यतः मुझे, बी० एल० धवन शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक हैं श्रीर जिसकी सं० 155, ब्लाक 'सी' है तथा जो मानसरोवर गार्डेन, ग्राम बसई वारापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अभिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती शकुन्तला मार्वाह पत्नी श्री भीशाया प्रकाश मार्वाह निवासी, जे/49-50, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरका)
- 2. (1) श्री पूरन चन्द शर्मा
  - (2) श्री रमेश चन्द शर्मा मुपुत्रगण श्री किशन सहाय श्रीर
  - (3) श्री पाली राम शर्मा सुपुत्र श्रीरामजीवाल शर्मी संभी निवासी 408/5, ए-के-आई- गली, नं० 29 आनन्द पर्वत, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## भनुसुची

प्लाट नं० 155, ब्लाक 'सी' तादावी 390 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डेन, एरिया—-ग्राम -बसई-दारापुर, दिल्ली राज्य, विल्ली।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 2-2-1984

मोहुरु 🖫

प्ररूप आर्च.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सृष्या

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, नई बिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984 निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस श्रार-1/6-83/ 220—श्रत:, मुझे, बी० एल० ध्रवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 8/2 है, तथा जो अलीपुर रोड, सिविल लाइन विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन विनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कों दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री सत्य नरायण मुलगान, निवासी 8/2, श्रलीपुर रोड, सिविल लाइन, दिल्ली-54

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सत्य रानी भ्रोसवाल भ्रौर श्रीमती तारु भ्रोसवाल निवासी भ्रोसवाल हाउस, सोहन लाल स्ट्रीट, सिविल लाइन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ्---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों परु स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों अरेर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुस्धी

प्रो० नं० 8/2, भ्रलीपुर रोड, सिविल लाइन, दिल्ली एरिया 1420 वर्ग फीट (131.92 वर्ग मीटर)।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अप्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2 एस म्रार-2/6-83/ 233—श्रतः मुझे, बी० एल० धवन,

भायकर अधिनिसस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सट० 22/106 र, तथा जो बैट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित र (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूली में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित र) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापनोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरसमान प्रतिकाल से, ऐसे दरसमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किती जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियल में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

ज्ञतः अव, उन्क्त अधिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरक कों, में उक्त अन्धिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ाः—  श्रीमती माया देवी विधवा पत्नी श्री राम कुमार, निवासी क्वार्टर नं० 22/105, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती निर्मला णर्मा विधवा श्री सतीण चन्दर णर्मा, निवासी 22/106, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया म्या है।

# मन्त्र्ची

सरकारी बना हुमा क्यार्टर नं० 22/106 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, एरिया 100 वर्ग गज ।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 2-2-1 984 मोहर ध प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984
निर्देण सं० ग्राई० ए० सी. /एस्यू०/2/एस०ग्रार-2/6-83/254—ग्रतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० सी-32 है, तथा जो ग्रादर्ग नगर, कालोनी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभ्रीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूथिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--11-506 GI/83

 श्रीमती तारा मणी सुपुत्री राम चन्दर पत्नी श्री बाबूराम निवासी मकान नं० 704, शिवाजी मार्ग, श्राजाद मार्केट, दिल्ली-6

(ग्रन्तरक)

2. श्री जय प्रकाश जैन, सुपुत्र श्री लाल जी मल जैन, निवासी 3/71, भाडल टाउन-111, दिल्ली-9 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

उत्तर 1/2 भाग प्लाट नं० 32, ब्लाक 'सी' तादादी 200 वर्ग गज, खसरा नं० 262/258/217/4. प्राम भारौलां, दिल्ली श्राक्षादी श्रादर्श नगर, कालोनी, बंगला रोड, दिल्ली।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 13-2-1984 मोहर: प्रकप गाइं. टी. एन . एस . -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (नि**रीक्षण)** स्रजेन रेंज 2, न**ई** दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस श्रार-1/6-83/ 259—श्रतः मुझे बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, किजिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

जिसकी मं० ए-6/7 है. तथा जो प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा की स्थाप अस्ति।
- (ब) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः. अअः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री हर स्वरुप नारद सुपुत्र श्री निर्भय राम, निवासी ए-31/एफ, डी० डी० ए० फ्लैंट्स, मुनीरका, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स पापुलर प्रोपर्टीज, द्वारा भागीदार श्री ग्रम्न श्रीवास्तय, मुपुत्र श्री किंगन गोपाल निवासी 5-मेटकाफ रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकं पृत्रक्ति सर्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कांडे भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रविक्त ज्यक्तियों में से किल्मी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावण सपत्ति में हितबद्ध, किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धीकरण'--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं॰ ए-6/7, राणा प्रताप बाग, दिल्ली एरिया 47.0 बर्ग गज ।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 2-2-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

त्रजन रेंज 2, जी-13 प्राउन्ड फ्लोर सी श्रार बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1984

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस श्रार-1/6-83/ 260---यतः मुझे बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 16, ब्लाक 'एफ़' है, तथा जो बसईदारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली (बाली नगर) में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्राक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्राक्तिय अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री बलदेव सिंह सुपुत्र एस० दिलवाग सिंह.
   निवासी एफ-16, बाली नगर, नई दिल्ली
   जनरल अटार्नी: श्री मनबीर सिंह बालीया और
   जसबीर सिंह आहल्बालिया,
  - (2) श्री हरबीर सिंह ग्राहलुवालिया, मृपुत्र एस 0 बलदेव मिह श्राहलुवालिया, निवासी एफ-16, बाली नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री रमेश चन्द्र ग्ररोड़ा, सुपुत्र श्री गंगा राम, निवासी एफ-16, बाली नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में सं किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो० नं० 16, ब्लाक 'एफ' तादादी 200 वर्ग गज, स्थापित बाली नगर, ग्राम बमईदारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 2-2-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, जी-13 ग्राउण्ड फ्लोर सं7० श्रार० बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस श्रार-1/6-83/ 273—श्रत: मुझे बी० एल० धवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके दश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्क्स करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० एम/52 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नसिचित उद्योध्य से उच्त अन्तरण निमित्त में वास्त-विक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वान्त, उक्त जिस्तियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके दक्ते में सुविधा को सिए; जाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन सा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिगाने में सविधा के सिए?

भतः अब, उन्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री चन्द्र भान, निवासी एम/52, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स हिन्दुस्तान टायर कं प्रोप हिन्दुस्तान साइकल एंड ट्यूबस (प्रा० लि०) इन्डस्ट्रीयल एरिया, 'ए' लुधियाना (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तुष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाकर दिख्त में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० एम/52, राजोरी गाडेंन नई दिल्ली, एरिया 234 वर्ग गज ।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 2-2-1984 मोहर : The same to get the season with the season with the

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

# नामफर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, जी-13 ग्राउण्ड फ्लोर सी० ग्रार० बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕-रु. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० 24, रोइ, नं० 10 है, तथा जो क्लास 'डी पंजाबी बाग, बसईदारापुर, दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपा बद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-क्त निम्कीतीचत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में वास्तविक स्प से कांचित नहीं किया पदा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री विद्या सागर, चुरामणी, श्री केवल कृष्ण चूरामणी श्री हीरा जान चुरामणी, श्री णान्ती लाल चूरामणी, श्री विश्वा मितर चुरामणी, श्रौर श्रीमती णान्ता णर्मा, सुपुत्र गण /सुपुत्री स्व श्री बसन्त राम चुरामणी, निवासी 18/24, पंजाबी वाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मिठन लाल, श्री रोगत लाल, श्री राम भगत सुपुद्ध गण श्री बनारसी दास. सभी निवासी 4/5168-69, क्वण्णा नगर, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांधित सम्धित के वर्णन के विष् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप —

- (क) इस सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुलना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बंब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

## अनुसूची

मकान} नं० प्लाट नं० 24. रोड, नं० 18, वर्ग 'डो', तावादी 275.44 वर्ग गज, पंजाबी बाग, एरिया, ग्राम बसई-दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 2-2-1984 मोहर : प्रकथ जाई.टी.एन.एस.------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 469 व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, 2, जो-13 ग्राउण्ड पनोर सी०ग्र≀र० बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-ग्रार-1/6-83/ 271—ग्रत: मुझे बी० एल० धवन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 6 है, तथा जो जयशव प्लेस, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्ताविक रूप में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबता, उक्त वृधिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वर्षर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

भतः स्था, उक्त सीभिनियम की धारा 269-ग कै सन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती सावित्री गुष्ता, पत्नी स्व० श्री जयपाल गुष्ता, निवासी जयसव प्लेस, हमदर्द मार्ग, दिल्ली -6 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कुमुम बंसल, पत्नी श्री चान्द किशोर बंसल, निवासी 35/9, बाजार मीताराम, दिल्ली-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वा कत सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुस्धी

दूसरी मंजिल का भाग प्राइवेंट नं० 6, जयसव प्लेस, 5007 हमदर्द मार्ग, श्रीर 16-जयसब प्लस, 5008 हमदर्द मार्ग, दिल्ली स्युनिसिपल नं० वार्ड नं० 7,।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रज़ेन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 13-2-1984

अकाष आ**ह**ें टा० एस० एस० ————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायीजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज,--2. जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार**िबर्लिड**ग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-।/7-83/298--अन: मुझे, बी० एल० धवन,

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. में अधिक है

और जितकी सं० 9/15, हैं तथा जो साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्वा, में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां क जुलाई, 1983,

कां पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गदा था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् (1) श्री जमन लाल भाटिया सुपुत श्री पुन्नुलाल भाटिया, निवासी:—80-गीत्फ लिंक, नई दिल्ती जेनरल अटार्नी श्रो देव राज रहेजा सुपुत श्री मथरा दास रहेजा, निवासी:—8606 एन० दारके एवेन्यु स्कोकी, इलिनोवाएज, यू० एस० ए०

(अन्तरकः)

(2) श्री एस० आनन्द सिंह सुपुत्र एस० मधु सुदन सिंह, निवासी—ई०--ए०--179, टैगोर गार्डेन,नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर हारी बना हुआ प्र० नं० 9/15, माउथ पटेल नगर, न $\mathbf{\hat{z}}$  दिल्ली एरिया -200 वर्ग गज ।

वी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज.-2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

विनांक: 9-2-1984

प्ररूप अग्द्र . टी . एन : एस . ------

बाब्कर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की अधिन सूचना

### भारत बरवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, जी-13, ग्राउन्ड पतीर, सी० आर० बिल्डिंग, इंद्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/37 ईई/6—83/37----अतः सुझो, बी० एल० धवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, प्लाट-ए०-1/3 है तथा जो नैनीवाला बाग, अजादपुर, दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-2, नई दिल्ली, आयरूर अधिनियम- 9161, के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उथल अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) मैं अार • सी । सूद एण्ड कं । प्रा० लि । इरोज सिनेना बिल्डिंग, जंगपुरा एक्स । नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० सैन्चुरी सीड्म प्रा० लि० 45-वैशाली, पीतमपुरा, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को अक्त विधिनियन, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्यी

स्पेत नं० 1, इण्डरमेडीएट्स फ्लोर (नार्मेल हाइट) प्लाट नं० ए०-1/3, नैतोबाला बाग, अजादपुर, दिल्ली, एरिया लगभग— 550 वर्गफीट ।

> बी० एन० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, जी--13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० श्रार0 बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेण गं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०--आर-1/6--83/270---अनः मुझे, बी० एन० धवन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 5687 से 1589 है जो न्यू चन्द्रावल, गले। नं० 3, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
12—506GI/83

(1) श्री परमा सुपत्र जिंगयत राम, निवासी-5687-88, गर्ला नं ० 3, न्यू० चन्द्रावल सक्जी मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रो मीताराम वीरमानी मुपुत श्री देवी दास, तिवासी--- 5688, गली नं० 3, न्यू० अन्द्रायल, सब्जो मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

# अनुसुधी

प्रो० नं० 5687-88 और 89, (पुरानी म्यूनिसीपल नं० 7480-ए०) बना हुआ छः रूम और अन्य लगे हुए समान, इलैक्ट्रिक और पानी का साधन, न्यू चन्द्रावल, गली नं० 3, सब्जी मण्डी, दिल्ली ।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दनांक : 13-2-1984

मोहर ः

प्ररूप. आइ र.टी. एत. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-2, जं-13,ग्राउन्ड फ्लोर,सं.०ग्रार०
बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984
निदेश सं० आई० ए० सी:०/एक्यू/2/एस०-आर०-।/6-

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1690, वार्ड नं०-7, है नथा जो लाल कुंआ, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को प्यों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुदिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्रो भगत दिवन्दर नाथ, नियासी→-ए०-1/34, सफदरजंग इनक लेव, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजा-उल-हक और श्रीमती एसा बोगम, नियामी--2127 लालकुंआ, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

है ि वह सम्पत्ति में हितीं द्व है) को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

प्रो० नं० 1690, वार्ड नं० 7, लालकुंआ, दिल्ली

बी० एल० धवन सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन नुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायको (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, जी-13,गाउन्डफ्लोर सी०ग्रार० बिल्डि गइन्द्रप्रस्थ स्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 13 फ़रवरी, 1984

शायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-2, है जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्वरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांच जून-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कच निम्निलिखत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक इप से किथत नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिश्य के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे ब्यने में सुविधा के निए; आर्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्राधन कर अधिनियम, ग्राधन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन्,, निम्नलिखित <u>व्यक्तियों</u>,, अधीत् ः— (1) श्रीमती सुशीला देवी सक्सेना,
धर्मेन्द्र मोहन सक्सेना,
जानेन्द्र मोहन सक्सेना और सुरेन्द्र मोहन सक्सेना,
निवासी—जे०-5/ए०; ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,
नई विस्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं असीफाम एजेंसीस प्रा० लि० एम०-134, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खबारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

सिंगल स्टोरी बंगला के साथ गैरेज और सर्वेन्ट क्वाटर प्लाट नं ए०-2, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, तादादी-750 वर्ग गण । बी० के० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी-13,प्राउन्ड फ्लोर, सी० धार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थस्टेट, नई फिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/6/83/89—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर से अधिक हैं

और जिसकी सं० 807, है तथा जो पदमा टावर नं०  $I_I$ , 22 राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विजात है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से धुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिया के लिए;

(1) मैं भाटिया सेहगल कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन 48-ए०, जोर बाग, नई दिल्ली-3

(अन्तरक)

(2) कैंप्टेन फैंमिली प्रा॰ ट्रस्ट, फ्लैट नं॰ 406, प्रगित टावर, 26-राजिन्द्रा प्लेस,

नई दिल्ली ।

श्री विश्वनाथ और श्रीमती मोहिनी भण्डुला, निवासी—-आर-633, न्यू राजिन्दर नगर, नर्ष दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

ाउ तं । 807. पदमा टावर, नं । 2. 22-राजिन्द्रा प्लेस, न $\xi$  विल्ली, एरिया—764 वर्ग फीट ।

बी० कें गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरके में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, जी-13,ग्राजन्ड फ्लोर, सी०ग्रार० विल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1984 निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/6-83-/84-अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्षि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संव डीव-305, है तथा जो निर्माण तिहार, उब्ल्यू-एनव-एवड एसव-सोव-एनव बीव-दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची मे पूर्व रूप विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्नोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नतिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री एस० एन० खुलर सुपुत्र श्री दुर्गा दास, निवासी---भकान नं० 3648 सेक्टर--23 डी०, चण्डीगढ़ (यू० टी०)

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश पती दत टंडन (एच० यू० एफ०) द्वारा श्री कैलाश पती टंडन कर्ता, डी०---911, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

खाजी निवासीय प्लाट नं ब्हां ०-305, तादादी, 186.67 वर्गगज, डब्स्यू०-एच० एण्ड एम०, सी०-एच०-बी०-सोसायटी लि०, निर्माअ विहार, नई दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जनरोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी-13 ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिलिंडग इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/6-83/ 84---अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्दित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 131 से 140 है तथा जो 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंगरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धर्न या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धर्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकर प्रजित्यों अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मैं ० अंसल प्रोपर्टींज एण्ड इण्डस्ट्रोज प्रा० लि० 115, अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) मै॰ लीहिया मर्सान्स लि॰ 10-हैली रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 131 से 140, बिलिंडग नं० 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया--3643 वर्गफीट । ्वी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 दिल्लो, नई दिल्ली-110002

अतः अबः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरणें में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/37 ईई०/6-83/ 87--अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य. 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं वि०-30/6, है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनौंक जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त - दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, श्रंवसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चमन गर्ग, निवासी--348-डबल स्टोरी, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अम्स्ची

प्रो॰ नं॰ बी॰-30, 6-भीकाणी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया--565 वर्ग फुट।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक : 13-2-1984

# प्ररूप साइंटी एन एस ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### मारव सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/6-83/
113---अतः मुक्षे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी०-5/6 है, जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्गरूप से बिंगत है रिजर्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने से सुविधा के निए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भरा था या किया जाना आहिए था खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रंसल प्रोपर्टींज एण्ड इण्डस्ट्रींज प्रा० लि० 115 श्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नर्ष दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) बी० एल० अरोड़ा ट्रस्ट, 105-ए०, सरस्वती हाउस, 27-नेहरू प्लेस, नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप 🏃---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितब इध किसी जन्म स्थावत व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पृथ्वीकरणः — इतमे प्रयुक्त सन्दों आरंद पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० बी०-5, बिल्डिंग नं० 6, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया---462 वर्ग फीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सहरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्स्यू०/3/37 ईई०/6-83/ 112--अन:, मुझे, बी० के० गुप्ता,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 504, है तथा जो प्रगति टावर, 26-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जून,1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तिषक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी नाव की वावत उक्त निध-िन्सक के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----13—506G1/83 (1) लेफ ० जेनरल एम० ए० मजिद श्रीर श्रीमती जानकी देवी मजिद । निवासी—151 मंत पट्टीक टाउन, पुने-411013 ।

(अन्तरक)

(2) मैं० रोहित इण्टरनेशनल कत्सल्टेण्ट्स प्रा० लि० 503 प्रगति टावर, 26-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

कर्माणयल (आफिस) फ्लैंट नं० 504, प्रगति टावर, 26-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, नादादी--450 वर्ग फीट।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आहै, टी. एन. एस.-----

अधिकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धार (269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/6-83/ 115--अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से कविक है

ष्पीर जिसकी सं० 410 है तथा जो पदमा टावर-2, 22-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक जन, 1983,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य., उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिविक क्या मे कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनगरण में हुई किसी जाय की वावत उक्त जीध-नियम के जधीन क़ुर दोने के क्लारक के दायित्व में कमी करने या उससे क्लाने में सुविधा के जिये; बीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकेंद्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िक्याने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की खूपधारा (1) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

(1) मै॰ भाटिया सेहगल कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन, 48~ए०, जोर बाग, नई दिल्ली-3।

(अन्तरक)

(2) मै॰ इण्टरनेशनल पम्पस एण्ड प्रोजेक्ट इण्डिमा प्रा॰ लि॰ 9-रिग रोड, लाजपन नगर-4, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समस्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा हैं!

### अनुस्ची

फ्लैट मं॰ 410, पदमा टावर-2, 22-राजिम्ब्रा प्लेस, नई दिल्ली, 9-मंजिला बिल्डिंग, तादादी $\frac{7}{2}741$  वर्गफीट ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-2-1984

प्रकप् बाइ े दी. एन. एस. ----

भारत 269-ष् (1) के स्थीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/7-83/ 123-श्रतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुने), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 610, है तथा जो पदमा टावर-2, 22 राजिन्द्रा लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 के ग्रिधीन, दिनांक अलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किप्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ जें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

(1) मैं० भाटिया सेहगल कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन, 48–ए०, जोर बाग, नई दिल्ली-3, ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुक्षील कुमार विज, श्रीमती विक्रम विज, श्री संदीप विज ग्रीर श्रीमती कमलेश विज, निवासी—पटेल नगर, श्रबो हर, जिला—फीरोजपूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनत्तवी

पर्लैट नं० 610, पदमा टावर-2, 22-राजिन्द्रा प्लेस, मर्थ विरुती, ताबादी-741 वर्गफीट ।

> र्बा० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🛭

अरूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/7-83/ 124---ग्रत:, मुझे, बी० के० गुप्ता.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 610, है तथा जो पदमा टावर-2, 22-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकत व्यक्तियों अधीत्:— (1) श्री सुखाजित सिंह घुमन, निवासी---बी०-2/13, सफदरजंग इन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० भाटिया सेहगल कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन, 48-ए, जोर बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 610, पदमा टावर-2, 22-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-630 वर्गफीट ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 13-2-1981

गोहर :

पुरुष बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य,, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण्)

ग्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेश सठ० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/7-83/119--यतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रि. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 306, है जो हेमकुण्ट, 6-राजिन्द्वा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राकेश के० खीवानी, निवासी—-ई०-8, कीर्ति नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्वपना खोबानी, निवासी—7/38, राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ाः---

- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें
  45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

1/2 भाग श्रविभाजित हिस्से, फ्लैंट नं० 306, हेसकुण्ट, 6-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया-327 वर्गफीट  $\left(1/2\right)$  भाग 163-1/2 वर्गफीट)

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/प्रार०—11/एस० भार०—11/6-83/355——प्रतः, मुझे, श्री बी० के० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० ..... है तथा जो गांव तीकरी कला विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में पूर्ण रूप से

बिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली में (र्पण रूप से विल्ली में), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनाक 1983,

को प्रवेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रितिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रितिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भें सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिन्दें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक व्यक्तियों अधीत् :--- (1) श्री ईशवर सिंह श्रीर श्री राजेन्द्र सिंह, गांव—पी० श्रो० तीकरी कलां, विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामनी देवी जगवाल, लोवर रोदन गली; कलकत्ता ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) (यह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता] है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

# नगृत्यी

गांव तीकरी कलो, दिल्ली । खसरा नं० 42/19(2-15), 42/20(3-2) ।

> बी० कं० गुप्ता सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक: 14-2-1984

## प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

in the second of the second

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 14 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/ 6-83/356—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु.. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 42/21 (4-16) 42/22/(4-16) गांव तीकरी कलां, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद अनुमूची, में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के क्षधीन, दिनांक 1983,

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :──
  - (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; और/या
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री ईष्वर सिंह ग्रौर राजेन्द्र सिंह गांव—तीकरी कलां, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कामनी देवी8--गली लोवर राधन,कलकत्ता—20 ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त . व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अर्देशिद्ध्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में विया गया है।

#### अभूसची

गांव नीकरी कलां, दिल्ली खमरा नं॰ 42/21(4-16) 42/22(4-16)।

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 14-2-1984

प्ररूप बाई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/Ш/एस० आर०—Ш/ 6-83/357--अतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गांव तीकरी कलां दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वानता, उक्त जिथिनियम के जधीन कर धने के जंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के निए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्निजिबित व्यक्तियों, अर्थाह् ह (1) श्री ईक्वर सिंह श्रीर राजेन्द्र सिंह, गांव तीकरी कलां, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामनी देवी8---गली लोवर राधन,कलकत्ता---20 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## जबत संपत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भारतीय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्मिक्त में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्वी

12—बीसा 44/1 (4-16) 44/2(4-16) गांव तीकरी कलां, दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-2~1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-2/6-83/37/375 ए०--अत: मुझे बी० के० गुप्ता,

►शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 / रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जे०—12/46, है जो राजोरी गार्डेन, एरिया, ततारपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमसे उपायद्ध, अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास किन्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण शिवित् में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उचन वीधीनवज्**षे वधीन कर दोने से अन्त**रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से किस्धु स्त्रीर/वा
- (हा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात्—ः 14—506G 1/83

(1) श्री गुलजारी लाल , श्री सुदंश कुमार, जगदीश चन्दर, श्री प्रमोद कुमार, श्री सुशील कुमार, सुपुत्तगण श्री लाल चन्द ग्रीर श्रीमती प्रकाश बती, पत्नी श्री स्व० श्री लालचन्द निवासी—1533/3, वजीर नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मखन सिंह सुपुत्र श्री हीरा सिंह श्रीर श्री रविन्दर सिंह सुपुत्र श्री मखन सिंह, निवासी——जे०→12/46 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्रिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधियों भी सविधियों में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर अधिसयों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० जे-12/46, नादादी 200 वर्गगज, राजोरी गार्डेन, एरिया भ्राम-तसारपुरर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्घ, टी. एन. एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज−3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी, 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०–आर०~2/ 6−83/439—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मुन्डका, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण व्य मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पृथेक्ति संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रियिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के अभि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में शस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उपक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री गृलणन कुमार मुपुत्र श्री राम नारायण, र निवासी——डब्ल्यू० जैड-1159, रानी वाग, णकुरवस्ती, दिल्ली । जी० पी० श्री टेका,

(अन्तरक)

(2) मैं० जी ० ग्रार० इन्टरप्राइजेज, रानी बाग, शकुर बस्ती दिल्ली । द्वारा प्रोप० श्री प्रेम कुमार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

कृषि भूमि तादादी 1 बीघे 12 बिश्वे, खसरा नं० 247/73/ 15 ग्राम मुख्डका, दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-2-1984

मोहर 🦸

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-2/6-83/452--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो प्राम टिकरी कलां, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ख अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री ईश्वर सिंह, श्री राजिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री नफी सिंह, निशासो—-प्राम---टिकरी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र तनेजा सुपुत्र श्री तेजभान तनेजा निवासी—1/27—ए० पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# **मनुस्**ची

कृषि भूमि तादादी खसरा नं० 42/18 (0–16), 42/23 (0–10), 44/3(4–16), ग्राम टिकरी कलां, दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 8-2-1984

# प्ररूप बाह्र . टी. पुन्. पुरु. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्थना

## भारत सुर बार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ $I_II$  स० आए०-II/471--अतः मुक्के, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० 22 , महरौली दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची नें पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रांधीर कुमार महरांली, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमिला गुप्ता सी०-4/102 एस० डी० ए० नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोएं भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्वांगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

5-बीसा 1-बीसा नं० 227 गांव, दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी₃ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1 10002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक : 14-2-1984

माहर:

दिनांक ज्लाई 1983,

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

प्ररूप बाई, टी, एन. एस. ------

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/ 472---अतः, मुझे, बी० के० गुप्सा,

आयकर ऑंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 229,230, है तथा जो गांव बाम्नोली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके खरमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम. या अनकर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाता वाहिए था, खिपाने में सृत्भा के निए;

(1) श्री रांधीर सिंह गांव बाम्गोली दिल्ली महरौली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला गुप्ता एस० डी० ए० नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ब्दिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्त्र्या

12, बीघा 6-बीघा गांव बाम्नोली, दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्लीह 1 1 0 0 0 2

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

दिनांक : 14-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 14 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए०मो०/एकपू०/ $\mathbf{\Pi}$ /एस०—आर०— $\mathbf{I}$ /473—-अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 228 है तथा जो बाम्नोली महरौली, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनित्यम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, दिनांक जून, 1983 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिपल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य ससवे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को १1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री रांधीर सिंह गांव--बाम्नोली । महरौली, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमिला गुप्ता एस० डी० ए०, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अमस्ची

4 बीमा, 13 बिस्वा, नं० 228 बाम्नोली दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैंगरेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-2-1984

प्ररूप माइ<sup>4</sup>. टी. एन. एस<sub>ः ----</sub>

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-IV/ 6-83/715---अत:, मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 56, ब्लाक नं० 2 है तथा जो विश्वास नगर, शाह्दरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्गरूप से विणत है), रजिस्ट्रीक्ला अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रजिस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री आनन्द कुमार जैन सुपुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद जैन निवासो—-2528, मैन मार्केट, त्रीनगर, दिल्ली—35 ।

(अन्तरक)

(2) श्री महीन्द्र कुमार जैन सुपुत्र स्व० श्री एस० एल० जैन और श्रीमती सुपमा जैन पत्नी श्री राजिन्दर प्रसाद जैन, निवासी—27/80, गली नं० 8, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली—32।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

प्रो॰ नं॰ 56, ब्लाक-2, खमरा नं॰ 792/789 मिन नं॰ 39, विश्वास नगर, णाहदरा, दिल्ली, एरिया 200 वर्गगज ।

बी० के० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक : 8-2-1984

# प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 फ़रवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-4/ 6-83/722-अत:, मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 340/1, है तथा जो फेण्ड्स कालोनी, जी० टी० रोड, णाहदरा, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्णक्ष मे विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क स्त, निक्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि चित में वास्तिक रूप से कि शित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा कियाने में सुत्रिधा के लिए;

(1) श्री बलराज मिगलानी सुपुत श्री पी० एल० मिगलानी, निवासी—12-ए, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, अटार्नी एल० जगननाथ, प्रोप० मै० वाधवार एण्ड कं०

(अन्तरक)

(2) श्री हेमचन्द अग्रवास सुपुत्र श्री राम प्रसाद, निवासी--1/71, विष्यास नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

# को यह बुजना जारी करके पुन्तित सम्मृतित के वर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसुची

प्रो० नं० 340/1, श्वसरा नं० 338/313, फेण्ड्स कालोनी, जी० टो० रोड, शाहदरा, दिल्ली, एरिया-325 वर्गगज ।

> स्री० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

मत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 8-2-1984

मोहर 🖫

गय 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज-- 3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/३/एस० ग्रार०-४/ 6~83/744--श्रतः, मुझे, बी० के० गृप्ता.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० डी-7, है तथा जो घोण्डली, कृष्ण नगर, णाहदरा, दिल्ली में स्थित है(ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णहप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यास्य से उक्त अन्तरिण लिखित में वास्तिक रूप से विधित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या स्थल बचने में भृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने भी सिवधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की भाग 269-ए के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियमं की धरुष 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---15--506 GI/83

- (1) श्रीमती सभराई देवी पत्नी रवर राधा कृष्ण श्रांर श्रीमती प्रेम कुमारी एलीयम प्रेम कान्ता पत्नी श्री श्रमीर चन्द. निवासी——डी—7, कुःण नगर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सतीण चन्दर जैन मुपुत्र श्री सुरक्षबीर सिंह जैन, निवासी—1437/1, भोला नाथ नगर, णाहदरा, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके ल्वॉक्स सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की अवधि या तन्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वास्तः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ हारेग, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

# अनसची

प्रो० नं० डी-7. नादादी 20 वर्गगज, ग्राम**-घोण्डली,** श्रावादी कृषणा नगर. इसाका णाहदरा, दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज -3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-2-1984

प्ररूप आहु<sup>2</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज∸3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-4/ 6/83/746---श्रत: मुसे, बी० के० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का मारण है कि रवावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं बी-19 है तथा जो झिलमिल तहिरपुर निवासी योजना, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबछ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वाकत सम्पन्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित आजार मूल्य हसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था. छिपाने भें सर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री जिया-उर-रहमान के० नैयर सृपुत श्री श्रीजजडररहमान निवासी--ए-2/16, हुकम चन्द रोड, दरियागंज, दिल्ली-6 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम सरण दास सृपुत्र श्री ग्रमिर चन्द निवासी—श्री-160, विवेक बिहार, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताकरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

प्रो० नं० बी-19, तादादी 314.7 वर्गगज, झिलमिल तिहरपुर निवासीय योजना, विवेक विहार, इलाका, शाहदरा, दिल्ली

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8<del>-2-1984</del>

मोहर 🗓

# प्रकृप आई. टी. एम्. एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कायलिय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1984

निदेश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/JV/7-83/787--यतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पति, विसका अधित वाचार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी-19 है तथा जो मानसरोवर पार्क, णाहदरा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, णाहदरा दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अथिन्:——

 श्री दलीप सिंह बी-23, मान सरोहवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) काजल श्राटं एम्पोरियम 4/872 श्रार० एग० व्याक भोलानाथ नगर, णाहदरा, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

करें यह सूचना जारी कारके प्रबंधित संपर्शित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जॉ भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्रिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

बी-19-मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 14-2-1984

**श्रम्प बाद**े. टी. एवं एस. -- -----

**कायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सु**ब**ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1981

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०--ग्रार०-2/ 7-83/496--यतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्चाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 25 है तथा जो रामलाल ब्लाक, गंगाराम बाटिका, नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्वा श्रिधकारी के कार्यालय, दिस्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृद्दिन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यवितयों, अधीत .---  (1) श्री बलबल्त सिंह एण्ड छत्तर सिंह सुपुत्रगण श्री सोहनलाल निवासी—- 5616. गांधी मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री द्वारका दास श्ररांका सुपुत्र श्री राज सल अरोड़ा, निवासी—ए-सी/11, गंगाराम वाटिका, तिलक नगर, नद्दे दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह पृथना जारी करवी प्राथश सर्वाध के जर्<mark>जन के लिए</mark> कोनेक्षीहवा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टोकरण: ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सुची

प्लाट नं० 25, ताबादी 200 वर्गगज, रामलाल ब्लाक, गगाराम बाटिका, नजफाद रोड, नई दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकण आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-2-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी, 1984

निदेश सं अाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-2/7-83/523--अतः महो, बी० के० गुप्सा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू—जैंड-326 है तथा जो 'जिं॰' ब्लाक, हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णस्य में वर्णित है), रिजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, दिल्ली, में रिजिन्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एमें स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उथत अन्तरण लिखित में मस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किभी आध की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूबिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती ज्ञान कीर पत्नी एयन मेहनाव सिंह निवासी---सी०-2/148, जनत पुरी, नई दिल्ली ।

(अस्त एक)

(2) श्रीमती सुपमा जुनेजा पत्ना श्री मोहन लाल जुनेजा निवासी--9232, गर्ना नठ 5, मुलनार्नाः घण्डा, पहाड् गंज, नर्ष किली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त राज्यांचा के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना क राजपण स प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इप ग्रामा के राजया मा ग्रामाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है!

# अनुसूची

मकान नं उल्लयू-जैड--326. (लाट न० जी०-एल०-22), तादादी 133 वर्गगण, 'जी०' ब्लाक, ह्री नगर, नई दिल्ली, एरिया ग्राउण्ड फ्लोर -900 बगफोट, पहली मंजिल---500 वर्ग-फीट ।

> बी० के० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी प्रायुग्त अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली नई दिल्ली—110002

दिनांग : 8-2-1984

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸3, नई दल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आए०-2/7-83/617—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ६-ए-35. है तथा जो ग्राम-नरायणा, अबादी इन्दरपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीअर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से क्रम के दिश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्यों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के मिए;

बस: अब, उथत अधिनियम की धारा 269-न के जन्तरण की, भी उबत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्रीमती सत्य वेद विधवा पत्नी श्री ए० एल० वेद, निवासी—नं० ई—ए.—35, इन्दरपुरी, नई दिल्ली। श्रीमती शारदा वेद पत्नी श्री रमेण वेद, एस० पी०—ए०— दिनांक 12—7—83 श्री सुरेश वेद, श्री राजेश वेद, श्री जंग बहादुर वेद, श्री राकेश वेद, और अदर्स, निवासी——ई—ए.—35, इन्दरपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री रिव किरन कंवर और श्री वीर करन कंवर मुपुल्लगण स्वर्श्वा रामजी दास, निवासी—नं आई—106, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितीः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शंक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

म्यूनिसिपल नं ० ई--ए-35, खसरा नं ० 1610, ग्राम--नरायणा, अबादी इन्दरपुरी कालोनी, नई दिल्ली ।

> बी० के० गुष्ता सक्षम प्राविकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 8-2-1984

## प्रकप बाह्र टी.एन्.एस -----

# भायकर मधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली: दिनांक 8 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-2/ 7-83/623--अत: मुझे, बी० के० गुप्ता.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/रु से बिधिक है

और जिसकी सं० 35-ए, है तथा जो ब्लाक-ए, मुलतान नगर, ज्वालाहेरी, मावीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

की पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल का निम्तिसिशत उद्योग्य से सकत अन्तरण निचित में बास्तिवक का है दिया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- (1) श्री जगदीण चन्द्र गृप्ता सुपुत्र श्री लक्ष्मी नरायण गृप्ता, निवासी—श्री—3/86, पश्चिम विहार, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री परशोत्तम लाल आनन्द मृपुत्र श्री णिव राम आनन्द, निवासी—20/23, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिस्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्येष्ट्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  भविष बाद में सभाष्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कत
  स्पीवतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उजत स्थावर संपत्ति में हिनवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

ष्लाट नं० 35-ए, ब्लाक-ए, ताटादी 217 वर्गगज, मुलतान नगर, एरिया ग्राम-ज्वालाहेरी और मादीपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊷3, दिल्ली, नई दिल्ली⊶110002

दिनांक : 8-2-1984

प्ररूप आह<sup>1</sup>. टी. एन'. एस.----

water carrow case for the same carrows.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें**ज**-3. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग ४ फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस०-आ४०-3/ 171/6-83--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात 'उदन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन गक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी सं० मोप नं० 164, है तथा जो सरस्वती मार्ग, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुमूची में ग्रीर पूर्णस्प में विणित है), रिजिस्टाकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखिए उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उपने अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी काय या जिसी धन या अन्य आस्तिय की, जिन्हें भारतीय आध-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जानर नाहिए था छिपाने में सुविधा धरे लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) म्यूनिसियल कारपेरिशन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ण्याम मृत्दर अग्रवाल सृपुत श्री बल्तावर लाल, निवासी—-61/34, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होते होते, के भीनर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्य) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4 5दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सोग तं २ 164, स्पृतिसिशल मार्केट, सरस्वती मार्ग, करील बाग, नई दिल्ली ।

> न्नी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-2-1984

महिर:

प्रकप् बाही, टी. एन. एस. - - अ अवस्त

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-न्नार०-3/ 6-83/184---म्रतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं॰ ई-2, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथा गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः व्यव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिन्ति व्यक्तियों, अधित्ः— 16—506G1/83

- (1) श्री हेमराज मुन्जाल, मकान नं० 644, माइल-एण्ड रोड, बी०-श्रो०-डक्ल्यू०-लन्दन, ई०-3, 4 एल० एच०, यू० के० (श्रन्तरक)
- (2) मैं० कुनाल प्रोपकेम प्रा० लि० 16-कंकड़ बाग, पटना ।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पृत्ति के वर्जन के हिल्ए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

5/8 भाग हिस्से मकान नं॰ ई-2 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली- 16, एरिया-3555/9 घर्ग गज ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजें न रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 1-2-1984

मोहर 🕄

# प्रकास सार्ह, औ तज त्स ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रिज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार०-3/6-83/185--श्रत: मुझे, बी० बे० गुप्ता.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-2 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नृलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधा के लिए;

(1) श्रीमती सुसुणमान पुन, पत्नी श्री रोशनलाल पुन, 104 श्रष्ठ एवेन्यू, मनोर पार्क, लन्दन, ई-12, य० के०

(श्रन्तरक)

(2) मैं० कुनाल प्रापकेम प्रा० लि० 16-कंकड बाग पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्ति में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग:

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

1/8 भाग प्रो० मकान नं० ई-2, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, 197, 28 वर्गगज ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जतः अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

नारीख: 1-2-1983

# प्रकृप बाद् .टी. एन. एस. -----

# कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक । फरवरी 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/3/एस०~ग्रार०-3/6-83/186--ग्रन. मुझे, बी० कॅ० गुप्ता,

ग्रायकर प्रसित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधोन समाभ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 26,000/- रु∙ सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ई०-2, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्वरूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे पह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशा से प्रविक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) प्रत्तरण में हुई किसी आप का बाबस, उता प्रकिल नियम के अधीन कर देने ता प्रकारक के वायिस्थ में कभी करन या उसम बचने में मुखिद्या के लिए श्रीर/या
  - (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, हिपान में सुविधा के लिए;

अतः अनं, उन्त अधिनियम का धारा 269-म को जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री जतीन्द्रर मोहन गुन्जाल,
सुपुत्र श्री हेम राज गुन्जाल
निवासी—511 कथेम रोड, फॉरेस्ट गेट, लन्दन,
ई-7, यू० के० ।

(श्रन्तरक)

(2) मैं० कुनल प्रोपकंम प्रा० लि० 16-कंकड़ बाग, पटना ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसची

प्रा० नं० ई०-2, ग्रीन पाक, नई दिल्ली । एरिया---197, 28 वर्ग गज ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

माहर :

# प्ररूप बाइ ैंुटी, एन, एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० ई०-2, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अक्टारक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौरु/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- (1) श्री कनवल कान्स गुन्जाल सुपुत्र श्री हेमराज गुन्जाल । निवासी—511 कठैरम रोड, फोरेस्ट गेट, लंबन, ई-7, यू० के० ।
- (2) मैं० कुनाल प्रोपकेम प्रा० लि० 16-कंकड बाग, पटना ।

(ग्रन्तरिती)

(भन्सरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रदे सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/8 भाग हिस्से मकान नं० ई-2, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । एरिया---197.28 वर्गगज ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

प्ररूप मार्च ुटी. एन. एस ु 🕒 - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० धाई० ए० मी०/एक्यू०/एस०-धार-3/6-83/ 192-धात: मुझे, बी० के० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० स्टाल नं० 13, है तथा जो गफार मार्केट, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बुन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत् अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बुजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीन, निम्नि[लिखित व्यक्तियों, अर्थात् रू— (1) श्री अर्बन्स सिंह मुपुत्र श्री प्रताप सिंह, द्वारा जनरल श्रटानी श्री प्रेम कुमार,

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान देवी पत्नी श्री दीनानाथ निवासी—इी०-5, पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्ध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

स्टाल नं० 13, गफार मार्केट, करोल बाग, नई दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-111, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

सायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निराक्षण)

श्रजंन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश गं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०श्राग्०-3/6-83/195—श्रतः मुझे, बी० कं० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2057 से 2059 है तथा जो नाइवालन करोल, बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुबिधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री-कपूर सिंह, निवासी---2057-2058 नाइबालन करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बलजीत कीर पत्नी श्री हरभजन सिंह, निवासी--2057-2058 श्रीर 2059 नाइवालन करोल बाग, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: ---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अनुसूची

प्रो० नं० 1/6 प्रविभाजित हिस्से मकान नं० 2057, 2058 ग्रोर 2059 नाइवालन करोल बाग, नई दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी

महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्रार्ट० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-ग्रार०-3/6-83/198--ग्रन: मुझे, बी० के० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० बी०-3/71, है तथा जो सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन, 1983

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापृथेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के यीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उम्रत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती आणा लता टगरी पत्नी स्व० श्री सत्य प्रकाण टंगरी, निवासी—बी०/3/71, सफदरजंग इनक्लेब, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० फ्रांसीस्केन सिस्टमं श्रीफ मैरी (विल्ली) सिस्टर दुलसिन श्रनवरीज, बी०-5/4, सफदरजंग इनक्लेष, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा मर्केंग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वत्स्ची

प्रो० नं० बी०-3/71, सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली, एरिया ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिन कि : 1-2-1984

मोहर 🖁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. = - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एश्यू०/3/एस०-श्रार०-3/ 6-83/203-श्रतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- का वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- उ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी०-22, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रग्रीम, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से इ.इ. रिकसी भाव की वावत सकत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी कर्न या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आसिसवाँ करे, जिन्हुं भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के चिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) डा० परणोत्तम लाल जौहर एण्ड सन्स (एच०-यू०-एफ०) डा० श्रीमती भार० पी० जौहर (3) प्रदीप जौहर (4) प्रमोद जोहर, निवासी—ए०-26, निजामुद्दीन इस्ट, नई दिल्ली ।

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमती इन्दु जैन
2 श्रीमती सुशीला जैन,
निवासी—सी०/1, बी, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन,
नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्प्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मस्ति में हितवपृथ् किसी जन्य व्यक्ति इवारा नथोहस्ताकरी के पास् सिविस में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्याहै।

# नगृत्वी

प्रो॰ मकान नं॰ टी॰ 22, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, तादादी

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

मोहर 🛭

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एत्यू०/3/एस०-आर०-3/6-83/209 ए०--यत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी मं शोप नं 1, है तथा जो सरकारी बना हुआ भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाश्रद्ध अनुसूची में पूर्ण का से विशित्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास कुरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उनत अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त,रक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 260-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीस् —— 17—506GI/83

(1) एसु करतार सिंह,
 निवासी-13/12, वेस्ट पटेल नगर,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगन नाथ, अयोध्या प्रसाद, निवासीः—3979, रेहगरपुरा, करोल बा०ग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण :—हसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेषा-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

प्ररूप आड<sup>‡</sup>. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फ़रवरी 1984

निरेण मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3-एम०-आर०-3/ 6-83/209-बी०---थतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की धार 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी मं ० 88 है तथा जो भगत सिंह मार्केट. नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिन्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निम्निन में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन ध्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) श्री गिरमरी लाल मुन्न स्वरु श्री गुरवरम लाख 2: आगीन्दर लाल मुन्न स्वरुशी गुरसरन लाल, 3: श्रीमनी रानी चावला पत्नी श्री ओर पीर चावला, 4: श्रीमनी प्रवेश लुबरा पत्नी श्री दर्शन लाल लुबरा द्वारा अटार्गी तरलोक नाथ खरबन्दा, सुपुत स्वरु श्री हवेली राम खरनन्दा, निवासी—सीरु—108 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सिकन्दर लाल खरबन्दा
  सुपुत स्व० श्री गुरचरन लास
  द्वारा अटार्नी श्री ओ०पी० चावला सुपुत्र श्री एम०
  आर० चावला,
  निवासी सी० डी०-39, ओल्ड कवी नगर,
  गाजियाबाद, यृ०पी०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो० शोप नं० 88, तावादी 399 वर्गफीट, भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली ।

> वी० के० गुप्त सक्षम प्रीधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ज**-3, विल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 1-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

नितेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-3/6-83/209 सी---यतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2255, 2257 और 2247 है तथा जो ब्लाक -केंनाईबालान करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड अनुमूची में पूर्ण चप वर्णित है), रिजिन्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिन्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जन, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रोशन लाल,नियासी—-ई०-10, किर्ती नगर,नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

(2) श्री णरवण कुमार, निवासी:--बी०-70, स्वामी नगर, दिल्ली । 2- श्री हुकम चन्द, श्री राम लाल,, णाला। मिलक, श्री समिता मेलिक, समत अनेजा,

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अनुसूची

प्रो०नं० 2255, 2257 और 2247, ब्लाक के नाइवालान, करोल काम, नई दिल्ली, एरिया—222 वर्ग गज ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जने रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांच : 1-2-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). की भाय 269-व (1) के अधीन सूच्या

## भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 7~83/217—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10537, वार्ड-16 है तथा जो नाईवाला डब्स्यू ई-ए करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निलियत उप्टेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधितः :--- (1) श्री नरेन्द्र सिंह और हर भजन सिंह सुपुत्रगण श्री करतार सिंह. नित्रासी 681, फ्लेडपूरी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्रोमती पुष्प रानी
पत्नी श्री मदन लाल नैयर,
श्री मदन लाल नैयर मुपुत श्री करा मल और
हरीश नैयर
मुपुत श्री मदन लाल
निवासी 10537, वार्ड नं० 16, डब्ल्यू-ईए-7करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अभूसूची

मकान न० 10537, वार्ड नं० 16, तादादी 254 वर्गगज, प्लाटनं० 30, ब्लाकनं० 5, खसरा नं० 1606/1147, नाईवाला डक्ल्यु-ई-ए करोल बाग. नई दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख : 1-2-1984

प्ररूप जाहाँ, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-3/ 7-83/219--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 16/2646 से 2649 है तथा जो नाईवाला इस्टेट बैंक स्ट्रीट करोल बाग में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; श्रीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

जतः अप उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एस० जगजीत सिंह कुकरेजा मुपुत स्व० श्री ज्ञान मिह कुकरेजा, द्वारा जनरल अटार्नी ए० के० आनन्द सुपुत्र श्री पी० एन० अनन्द, निवासी महाजन हाउम, एन० डी० एस०ई०-II, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं० संजय ग्रीर गौरव एसोसिएट्स प्रा० लि० 2481/9 बीडनपुरा, करोल वाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का अपे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दृशि। जो उस अध्याय में दिया ग्वा हैं।

## मनसूची

प्रो० नं० 16/2646 से 2649, खसरा नं० 238, ब्लाक 'एल' तावादी 267 वर्गगज, एरिया नाईवाला इस्टेट, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, विल्ली, नई दिल्ली

नारीख : 1-2-1984

भोहर 🖫

प्ररूप आर्ड . टी . एन . ६ स . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी-13 प्राडन्ड फ्लोर सी० म्रार०बिहिंडग, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आए-3/7-83/243--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2741 है तथा जो गली नं० 23, नाईवाला, बिडनपुरा, करोल बाग में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्त्रलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री बृज मोहन लाल मुपुत श्री दीना नाथ,
सुरीन्दर मोहनलाल मुपुत स्व० श्री दीना नाथ,
स्वयं ग्राँप जी० पी० ए० भनेन्द्र कुमार मलहोद्धा सुपुत
स्व० श्री दीना नाथ,
किन्छक कुमार मेहरा सुपुत स्व० श्री दीना नाथ,
श्रीमती राजनी खन्ना, पत्नी श्री बाल किशन,
सुपुत्री स्व० श्री दीना नाथ,
निवासी—5035, गली नं० 3, सन्त नगर, करोल भाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जनक रानी पत्नी श्री चरन दाम, निवासी—2740, गली नं० 22-23, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के विश् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/2 हिस्से प्रो० म्युनिसीपल नं० 2741 श्रौर 1/4 भाग प्लाट/खसरा नं० 41, तादादी 167 वर्गगज, वार्ड नं० 16, ब्लाक 'पी' गनी नं० 23, नाईबाला बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विगांक : 1-2-1984

प्ररूप आईं. टी. एन. एम. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी०-13, प्राइन्ड फ्लोर, मीठग्रार० विल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेण मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ ३/एस०—आर० ३/ ७/८३/ 244— श्रतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. में अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 27 11 वार्ड नं० 16, है तथा जो गली नं० 22, नाईबाला विडनपुरा, करोल बाग में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण व्य से बर्णित है,) रिस्जिट्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अभने में भृविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भी कुलसाहण लाल मुपुत राजभी दीना नाथ सुरीन्दर मोहन लाल सुपुत स्वर्जभी दीना नाथ स्वयं भ्रीर जीर पीर्ज एर श्री मनेन्द्र कुमार मन्होत्रा सुपुत्र स्वर्जशी दीना नाथ, कनिष्क कुमार मेहरा मुपुत स्वर्जदीना नाथ, श्रीमती रजनी खन्ना सुपुत्री स्वर्जभी दीना नाथ, पत्नी श्री बाल किशन निवासी—5035, गली नंग्ज 3, सन्य नगर, करोल वाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा रानी पत्नी श्री भीम सिंह, निवासी---2740, गली नं० 22-23, विडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>2</sup>।

# अनुसूची

1/2 हिस्से प्रो० म्यूनिसपल नं० 2741 श्रौर 1/4 भाग प्लाट/खसरा नं० 41, तादादी 167 वर्गगज, वार्ड नं० 16, ब्लाक पिं। गली नं० 22, नाईवाला विडनपृरा, करोल बाग, नई दिल्ली.। वी.० के० गुप्ता

नक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस., ------

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कर्षाता. नहारक पारकर पार्क (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी-13 ग्राउंड फ्लोर, मी० आर० विल्डिंग इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आए०-3/ 7-83/248--अप: मुझे, बी० के० गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4, ब्लाक-ई है तथा जो हौज खास इन्बलेब, नई विरुत्त में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतिय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राद्यीन दिनौंक जुलाई 1983

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निषित में वाम्सविक स्प में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में मुविधा के निए;

क्षतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती सुहागबन्ती पर्ता एस० जिबन्द सिंह, निवासी---डी०-II, साउथ एक्सटेंशन, भाग-II नई दिल्ली ।

(अन्सर्क)

(2) मैं० उमसल इन्त्रेस्टमेंट्स लि० 33-ब्रेबर्न रोड (7 मंजिल) कलकत्ता--1

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

प्लाट नं ० 4, ब्लाक 'ई' तादादा 125, 55 वर्गगज, स्थापित-हौजखास इन्क्लेब, नर्ष्ट दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली-110002

**तारीख**: 1-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ण**-3. जी-13, ग्राउंड फ्लोर सी० आ**ए० बिहिंड**ग, ' इन्द्रप्रस्थ म्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०-3/एस०-आर०-3/ 7-83/249--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर श्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-2, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है, (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ख्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल किम्निलिस्त उद्देश्य से उच्त अंतरण सिचित में वास्तिवक कुए से किथन नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क निए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्ति, विन्हीं भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अगुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 18—506G1/83

(1) श्रीमती सुशीला देवी सक्षेत्रा, धर्मेन्द्र मोहन सक्षेत्रा, ज्ञानेन्द्र मोहन सक्षेत्रा आए सुरेन्द्र मोहन सक्सेना निवासी——जे०—5/ए, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 (2) मैं० मीफाम एजेंसीण प्रा० लि० एम०-134, नाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यास्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तिस में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसुची

एक मंजिला बंगला के साथ गैरेज और सर्वेण्ट क्वाटर, प्लाट नं॰ ए॰-2, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, तादादी-750 वर्गगज, (626 वर्ग मीटर)

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-2-1984

प्रकर्प आइ . टी. एन . एम . -----

आभकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चनाः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3 जी०-13, ग्राउंड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टट, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-3/ 7-83/250--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६ सके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स्य को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 ′- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 236-बी०, ब्लाक डी० है तथा जो सर्वोवय इन्क्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है :--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री सम्पूर्ण सिंह सुपुत्र श्री भगवान सिंह द्वारा अटार्नी श्री हरदीप सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह लम्बा, निवासी—ची०-1/73, आणाद अपार्टमेंट, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री करतार सिंह लम्बा मुपुत श्री निहाल सिंह, निकासी—2630 बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नहीं दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो० नं० 236-त्री०, ब्लॉक 'डी० तादादी 299 वर्गगण, सर्वोदय इम्क्लेय, नई दिल्ली ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, जीं-13, ग्रांडड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टॉट, नर्द्द दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सीः०/एक्यू०∎Ш/एस०—आर०-Щ/ 6—83/732—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 340/1, फोन्डस कालोनी है तथा जो शाहदरा विल्ली-31 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती माया अग्रवास,2007, गांधी नगर,विल्ली—31 ।

(अस्तरकः)

(2) श्री राम गोपाल झिलमिल इण्डस्ट्री एरिया दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

340/1-फ्रेण्ड्स कालोनी शाह्यरा दिल्ली।

बीठ केठ गुष्टा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-111, बिल्ली, नई दिल्ली--110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) को अधीन, निम्नजिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :——

विनोषा : 15-2-1984

# प्ररूप आह. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के भधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, जीं:-13, ग्रांजड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०3/एस-आर-3/6-83/ 189--अतः मुझो, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41-ए, है तथा जो एन० डी० एस० ई० भाग--11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णक्ष्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यायय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंसरण से हुई किसी आयुकी बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उजन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री आर॰ पी॰ एम॰ छतवाल,
 ए॰-41, एन॰ डी॰ एस॰ ई॰2,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार ढल सुपुत श्री के० एल० ढल । निवासी---ए-185 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्यव्दिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

#### प्रमुखीं

प्रो० नं० 41, ब्लाक-ए, एन० डी० एस० ई० भाग-2, नई विरुषी ।

बीठ केंट गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ज**-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 1-2-1984

# प्रकृष् बाद्दे , टी , एन , एस् ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-स (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-3, जी.-13, ग्रांउड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

निवेश सं० म्राई० ए०सी०/एक्यू०/3/एस० आए-2/6-83/438—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुन्डका, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

- को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की वायत, उक्त शिवित्यम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे मुजने में सुविधा के सिए; भार/वा
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गुलगन कुमार सुपुत श्री राम नरायण, निवासी—डब्ल्यू—जैड-1159, रानी बाग, शक्रवस्ती, दिल्ली, जी० पी० ए०—श्री टेका,

(अन्तरक)

(2) श्री राम नरायण एण्ड सन्स, रानी बाग, शक्र्रबस्ती, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आरे उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्र्यी

कृषि भूमि तावादी 4 बिघे और 8 विश्वे, खसरा नं० 247/ 50/16/ग्राम, मुण्डका, विल्ली ।

भी० के० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-2-1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्राई-4/37 ईई $\circ/1740/83-84$ —ग्रत. मुक्ते, ग्र० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल गाला क० सी० 228-अ, घाट-कोपर इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम. 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (प) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती ऊषा वासदेव जोशी

(श्रन्तरक)

(2) श्री होशींग एन० बिलीभीर्य

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशोंकत स्म्पृतिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

इंडस्ट्रीयल गाला ऋ० सं० 228-ग्र, घाटकोपर इंडस्ट्रीयल एस्टेट एल० बी० एस० पथ, बम्बई-86

श्रनुसूची करु संरु प्र० ई० III/954/83-84 को दिनांक 9-6-83 को बम्बई के सक्षम प्राधिकारी द्वारा रिजस्टर्ड किया गया है ।

भ्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज⊶III, बस्काई

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अशीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

ितांक : 9-2-1984

प्ररूप् भाइ<sup>र</sup>्टी. एनं. एस्. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-II, बम्बई

वस्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984 निदेश सं० श्र\$-2/37 ईई/2181/83-84--श्रतः सुझे,

एस० एच० म्रज्बास मबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 7 है तथा जो दूमरी मंजिल, दर्घा स्ट्रीट प्लाट नं० 1371, टी० पी० एस०-2, माहिम डिवीजन, माहिम, वम्बई-400 016 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्ष से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-6-1983,

को पृवाँकत सम्मत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रित्तिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्मत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिचित में कास्त्रीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अशः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) मेरार्श होम गेक्स ।

(अन्सरक)

(2) श्री डी॰मोजा ह्वलेरीयन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- **दिश इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से**45 दिस् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### भनुसुची

फ्लैट नं० 7, दूसरी मंजिल, दर्घा स्ट्रीट, प्लाट नं० 1371, टी॰ पी॰ एस॰-2, माहिम डिवीजन, माहिम, बम्बई -400016 में स्थित ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-2/37 ईई/2181/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० **ग्रब्बास प्रबिदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 10-2-1984

प्ररूप कार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,— , बस्बई अस्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ब्राई-2/37 ईई/2159/83-84 - श्रन: मुझे, एस० एष० श्रब्बास श्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, है तथा जो पहली मंजिल, दुर्घा स्ट्रीट, प्लाट नं० 1371 टी० पी० एस०-2, माहिम डिवीजन, माहिम बम्बई-400 016 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्थ्य से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 2-6-1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से ऐसे इश्यमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल स्थ में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसि[बत स्पृक्तियों] (1) मेसर्स होम मेकर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) थी मोहम्मद उस्मान भोईरा

(धन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

"फ्लैट नं० 2, पहली मंजिल, दर्घा स्ट्रीट, प्लाट नं० 1371, एम० पी०एस०-2, माहिम डिबीजन, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/2159/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रजिस्टर्डी किया गया है।

एस० ए**व० भ्रब्बास श्रबिदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : 9-2-1984

मोहर् 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्त्रास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 39 जलाराम नगर, जलाराम को० श्राप० सोसायटी लि० घाटकोपर बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, बम्बई के श्रिधीन, दिनांक 2-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत है । •

(1) श्री कांतीयाल वसनजी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला श्रीनिवास सोमानी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्सूची

फ्लैट नं० 39, 5वां माला, जलाराम बिल्डिंग, नं० 3, बल्लभ बाग लेन, घाटकोपर बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्राई-11I/845/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-83 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ॄैंग्रर्जन रेंज⊸ , बम्बई

दिनांक : 9-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-- III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश मं० ग्रई-4/37 ईई/--ग्रनः मुझे, ग्र० लहीरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयं से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, तल मजला, पी०-77, बिल्डिंग, मूल्ंड बम्बई में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप में बर्णित है) रिजरहीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, दिनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी कारने या उपासे बचने में सृष्टित के लिए, आर/णा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुत्रिधा के लिए:

अतः अब अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं. उगतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० ग्राब् किल्डर्स

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० के० वैती

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लैट नं० 2, तल मजला, बी/7 बिल्डिंग, बम्बई धागरा रोड मुलुंड बम्बई के सर्वे नं० प्लाट 240 ग्रीर 241/3 पर स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई III/957/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जून, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> श्रं० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, बम्बई

दिनांक : 9-2-1984

मोहर 🤋

प्रमा आईं .टी . एन . एम . -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

### शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-111, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० अर्थ 2119/83-84—अतः मुझे, अ० लहीरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 19 4था माला, प्लाट का सर्वे नं० 241/3, बम्बई श्रागरा रोड मुलूंड बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री किया है, दिनांक 9 जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल से, एसे दश्यमान प्रतिफ ल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्त्रिक अप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत्, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बौद्ध/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया खाना खाहिए जा, जिया स्वीवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं० भान बिल्डर्स तथा श्रीराम बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० के० कुलकर्णी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए वा सकोंगे !

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## यनसर्ची

फ्लैंट नं० 19, 4था माला, प्लाट का सर्वे नं० 241/3, बी/7 बिल्डिंग, बम्बई श्रागरा रोड मूल्ंड में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई III/962/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जून, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनाक : 9-2-1984

मोहर 🖫

प्रस्प आहें... दी., एन्., एस., = -- -

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिषण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

मिदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/2223/83-84—श्रतः मुझे, एस० एच० श्रब्बास श्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० गैरेज नं० 7 श्रौर 8 श्रौर श्राफिस प्रीमयसेस (जो सोसायटी श्राफिस नाम से पहचाना जाता है), तारा कुंज, न्यू सान्ताकुज कल्पना को०-श्रापरेटिव हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड, बेसंट स्ट्रीट, सान्ताकुज (प०), बम्बई 400 054

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बम्बत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

थतः जब, उचत विभिन्तम की भारा 269-म की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

- (1) 1. श्रीमती ताराबेन नागजी निस्सार
  - 2. श्रीमती केसरबेन मावजी निस्सार
  - 3. श्री सूर्यकान्त देवजी निस्सार,
  - 4. श्रीमती वर्षा नितीन शाह ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धर्मेश रामजी ठक्कर श्रौर श्रीमती पुष्पा धर्मेश ठक्कर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) न्यू सान्ताकुंज कल्पना को०-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावा। सम्पत्ति में हित- बक्भ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

"तारा कुंज" में गराज नं० 7 श्रौर 8 श्रौर श्राफिस श्रीमयसेस जो "सोसायटी की श्राफिस" के नाम से पहचाने जाते हैं श्रौर जो प्लाट नं० 4 जी श्रौर 4ई जिसका सी० टी० एस० नं० एच०— 16, एच०—17, एच—18 श्रौर 15-बी० है, श्रौर जो न्यू सान्ताकुज कल्पना को०श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बेसंट रोड, मान्ताकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/2223/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० श्रब्धास भ्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्ब**र्ध** 

दिनांक: 10-2-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### शारत परकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-II, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेण मं० ग्राई-2/37 ईई/24 67/83-84-- ग्रात: मुझे, एस० एच० श्रव्यास ग्राबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 25 है तथा जो तम्माला, हरी मार्केट, खार, बम्बई—400052 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 6—6—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिम्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गिरधारी लाल श्रार० मुलचन्दानी । (श्रन्तरक)
- (2) श्री भगवानदास शेषकराम श्रासूदानी (श्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के गर्जन के निष् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्जीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) ६स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पना है।

### अनुसूची

दुकान नं० 25, तलमाला, हरी मार्केट, 4था रास्ता, खार, धम्बई 400 052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-2/2467/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रजिस्टई किया गया है।

एस० एच० भ्रब्धास भ्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-2-1984

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269 (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-]Iï, बम्बई वम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० भ्रई०-III/2073/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी,

बायकर बांभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हाँ

अार जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20 चौथा माला, हरी हर पुर्थरा को० आग० सोसायटी छेडा नगय चैम्ब्र, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-6-1983,

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित आजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल में, एसे दश्यमान प्रतिफ ल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ क कि निम्तिसित उच्चेश्व से उच्चे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ क कि निम्तिसित उच्चेश्व से उच्चे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ क कि निम्तिसित उच्चेश्व से उच्चे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफ क कि प्रतिस्ति के किया गया है हि——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री पी० वी० फुष्णाजी

(अन्तरक)

(2) श्रोमती रुकमनी कृष्णान

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी वविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त अयिकता में से किसी ध्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूज्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

प्लैट नं० 20, 4था माला, कविता हरी हर पुप्तरा को० आप० हाउसिंग सोसायटी छेडा नगर चेम्ब्र बम्ब्र में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 11I/960/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , बम्बई

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के जमसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) हे अभीन ्निम्नसिवित व्यक्तियों, अविष्ठ :--

दिनांक : 9-2-1984

मोहर 🗓

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , वस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० अई-2/37 ईडी/2392/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं दुकान नं 7 है तथा जो दामोदर भवन को - आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, 35, ही ॰ पी॰ रोड, विलेपार्ले (प॰), बम्बई 400 029 में स्थित है (और इससे उपवाड अनुसूची में और पूर्गक्ष से बिलत है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-6-1983 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपवात बाजार मृस्य से कम के क्यायालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-6-1983 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपवात बाजार मृस्य से कम के क्यायालय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपवित्त बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विश्यों से सक्त कम्तरण तिवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जस्य जास्तिओं को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्— (1) श्रीमती जया पी० माणेक

(अन्तरक)

(2) कुमारी डिम्पल एन० रैथथा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्थम्बीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कस्यों और पर्यों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गंबा हैं।

### अनुसूची

दुकात नं० 7, दामोदर भवन को०-आपरेटिव हार्जिस सोसायटी लिमिटेड , 35, वस्लभभाय पटेल रोड , विलेपार्ले (प०), बम्बई 400~057 में स्थित । अनुसूची जैसा कि क० सं० अई— 2/37ईई/2392/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों , बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० अब्बास अबिनी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, वस्वई ।

दिनांक : 10-2-1984

मोहर 🕄

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी, 1984

निदेश सं० 5 आई०—III/1764/83—84——अतः मुझे. अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, तीसारा माला, कैलाग कृपा वित्डिंग, प्लाट नं० 69, कांजूर को० आप० हाउसिंग सोसायटी, है तथा जो डामले कालोनी कान्जूरमार्ग बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्णक्प से विजत है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है। दिनांक 3-6-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ६ इयमान प्रतिफल से एसे ६ इयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) अशोक कारपीरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री टी० के० एन्थोनी विन्सेंट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

रेजिडेंगल फ्लैट नं० 13, तीसरा माला, कैलाग कुषा बिल्डिंग, फ्लाट नं० 69, कांजूर को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० डामले कालोनी कांजुरमार्ग बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई०  $II^{I}/980/83-84$  और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-83 को रजिस्टर्श किया गया है ।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–III बम्बई

**विन**ंब : 21-1-1984

मोहर 🗈

प्रकास अक्षि है, हो, सन्, सम्म . \*\*\*--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक ९ फरवरी, 1984

निदेश सं० अई-1/37 ईई/2082/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), स्त्री भारा 2'69-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, एफ टाइप, तल मजला, माइतरी पार्क को० आप० सोसायटी लि० सायन ट्राम्बे रोड, चैम्बूर, बम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, दिनांक और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 9-6-1983,

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे खश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोशों से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक मण में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जिल्ला अन्तिरिय अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना निर्देष्ट था, कियाने में मियभा की लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस न्यवित्यों, अर्थात :---

(।) शीमशी सौरामा इक्सहीमा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाण जारप्पा भेटी

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 6, एफ टाइप, तल मजला, भाइतरी पार्क को० आप० सोसायटी लि० 133-135, सायन ट्राम्बे चेम्बूर त्रम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-ÎÎÎ/958-83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जून, 1983 को रिजस्टिई किया गया है।

> अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंभ-III बम्बई

दिनांक: 9-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

**भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० अई-2/37 ईई/2694/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खार में जमीन का प्लाट मकान सहित प्लाट नं० 460— जिसका बांद्रा के रिजस्ट्रेशन सब-जिस्ट्रेशन्ट नं० एचं०— 4623 आफ खार स्कीम एस०—एस०—7 और सी० टी० एस० नं० ई०—156 है तथा जो बम्बई खार, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 20—6—1983।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों. अधीत :---

(1) श्री बॉन बेहारी, विष्णु निबंकर ।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री प्रेम नारायणदास अमरानानी
  - प्रकाश नाराणदास अमरानानी ।
  - 3. धनवस्ती नारायणदास अमरानानी ।

- श्रीमती नीला प्रेम अमरानानी ।
- 5. श्रीमती पुनम हरेण अमरानानी ।
- 6. कुमार विशाल प्रेम अमरानानी ।
- 7. कुमार संजय प्रेम अमरानानी ।
- कुमार पवन प्रेम अमरानानी
- कुमार सुशील प्रकाश अमरानानी ।
- 10. कुमार गिरीश प्रकाश अमरानानी
- 11. कुमार उमेश जयकिशन अमरानानी ।
- 12 कुमार विक्रम हरेश अमरानानी
- 13 श्री अय किशन न/रायणदास अमरानानी ।
- 14. श्री हरेश नारायणदास अमरानानी
- 15 श्री नन्द नारायणदास अमरानानी ।
- 16 श्री नारायणदास दयाराम अमरानानी ।
- 17. श्री राजू नामणदास अमरानानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का प्लाट मकान सहित, खार में स्थित , रिजस्ट्रेशन सब-डिस्ट्रीक्ट, बान्द्रा में प्लाट नं० 460, और जिसका नं० एच 4623 आफ खार स्कीम, एस एस-7, और सी टी एस नं० ई/156, खार बम्बई में स्थित है । अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/2694/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-6-1983 को रिजस्टई किया गया है ।

एस० एच० अब्बास, अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनास : 9-2-1984

प्ररूप आई. दी. एन. एस.------

भायकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-।।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फ़रवरी, 1984

निदेश सं० अई-2/37 ईई/2673/83-84—अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17 है तथा जो प्लाट नं० 315 अगोका पैलेस को०आपरेटिय सोसायटी लिमिटेड घोड बन्दर रोड सांताऋुज (प०), बम्बई — 54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प में वर्णित है (और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधाकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 20-6-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किर्दाकाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री चिमण वेंसीमल मिरचंदानी।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द कुमार कन्हैयालाल कालरो।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वनुसूची

पजैटनं ० 17.प्लाटनं ० 315 अशोका पैलेस को०~अपरेटिय सोसायटी लिमिटेड, कोड बन्दर रोड, सांताऋुज (प०), बम्बई 400054 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/2673/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अन्यास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड ।

दिनांक : 10-2-1984

मोहर 🌣

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/2662/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात जिल्हा किथिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 27 में 1/3 हिस्सा, जो 11व नार्थ/साउथ रास्ता, जे० वी० पी० डी० स्किम है तथा जो बम्बई-400056 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से विणत है), श्रौर जिसका करार नामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिशत उद्देश्य से उनत अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) असरण स हुई किसी आय की वासत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंत्रुक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्रि/मा
- (ब) एंसी किसी अय या किसी भून या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, द्विपान में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री संजय रणछोड्लाल शाह।

(अन्तरकः)

2. श्री बनारसीलाल एस० अग्रवाल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं 27 का 1/3 हिस्सा जी 11वां नाथ/साऊथ रास्ता जूह विलेपार्ले डेवलपमेंट स्कीम, बम्बई-400056 में स्थिन है। अनुसूची जैसाकी कर सं अई०-2/2662/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्ज्ञास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख: 9-2-1984

भांहर:

प्ररूप बाइ. टी. एम. एस.-----

बायकर वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/2796/83-84—अतः मुझे, एस० एच० अख्यास अबिदी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं:

ग्रौर जिसकी सं जैपट नं 101 है, तथा जो पहली मंजिल, नारायण निवास, प्लाट नं 548, बान्द्रा, वम्बई-400050 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 20-6-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित् बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाबार मृत्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्तिश्वित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निवित में बास्तविक स्पू से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) वन्तरण से हुइ किती आय की बाबत उथत अधि-निवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में तृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मैसर्स महाबीर कन्स्ट्रक्शम्स कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री थंडीराम सम्प चंद जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### Marie Wi

प्लैट न० 101, पहली मंजिल नारायण निवास, प्लॉट नं० 548, टी० पी० एस०-3, 13 वां रास्ता, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित । अनुसूची जैसा कि क्र० सं आई०-2/ 2796/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 20-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस०एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-2-1984

-मो**ह**र ह

प्रारुप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/2490/83-84 मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 2 मंजिला भवन, जो नार्थ अवेन्यू ग्रीर वी० पी० रोड के जन्क्शन पर है श्रीर जो "प्रतिक" नाम से पहचाना जाता है, ग्रौर जो नार्थ एवेन्यू, सान्ताऋज (प), है तथा जो बम्बई-400054 में स्थित है (ब्रीर इससे उपायद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधीनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-6-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के टब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहै और मुफ्नेयह विब्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुबेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री गुश वंतराय, छेलशंकर होरा।
  - (2) श्री धिरजलाल छेलगंकर होरा।
  - (3) श्री उमाकान्त छेलगंकर होरा।
  - (4) श्री अरूण छेलशंकर होरा।
  - (5) श्री सुरेन्द्र होरा।
  - (6) श्री भगीरथी किशनलाल चंचानी।

(अन्तरक)

2. श्री हेमंत एच० पटेल।

(अन्तरिती)

3. श्री भाष्ट्रत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

## अनुसूची

दो मंजिला भवन जो नार्थ एवेन्यू श्रौर वी० पी० रोड़ के जंकशन पर है और जिसका प्लाट नं० 408ए (8 फ्लेट जी 'प्रतीक' नाम से पहचाने जाते हैं) नार्थ एवेन्यू, सान्ताकुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ० सं०म्नाई०-2/37ईई/2490/83-84 भ्रौर जो समक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 2, बम्बई

तारीखा: 13-2-1984

मोहर 🖰

प्ररूप वाइं.टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देण सं० आई.०-1/37ईई/487/83-84—अतः, मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लॉट नं० 727, 726, स्रोर 688, स्रोर बेर्आरंग सी० एस० 584/10 आफ मांटुगा डिवीजन, दाकेर, बम्बई में स्थित है (स्रोर इससे उपावड अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई स्रोर जिसका करारनामा आयकर कर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 22 जून 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पेवृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त उन्तरण निस्तित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

मुनारी मेरी सी० पी० वाडिया, कुमारी ख्टी सी० पी० वाडिया और श्री फिरोज एच० बामवोट ट्रस्टीज आफ सेटलमेंट दिनांक 11-7-1917 किएटेड वायलेट पेस्तनजी अर्थेसर।

(अन्तरक)

2. मेसर्म शुभ इंटर प्रायजंस ।

(अन्तरिती)

3. भाडून

(3) (बह व्यक्ति, जिसके श्रिश्चिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमस्ची

प्लॉट नं० 727, 726 और 688, पी० ए० होरमरणी बिल्डिंग नं० 4, 5 भीर 6 तथा ऋडस्ट्रल सर्वे नं० 584/10 भ्रॉफ माटुंगा डिविजन, दादर पारसी कालोनी, दादर, वम्बई-400014 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/458/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 22-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

ना**रीख**: 13-2-1984

मोहर 🔅

प्रकृप काइ टी.एन.एस,----------

ा. भैसर्ग गिल्बर्शविग रोडवेज।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लखमणी दयाराम एण्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन स्थान

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनोक्त 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०-1/37ईई/477/83-84—अनः मुझे, आर० के० बकाया,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 205, पोपटलाल चेम्बर्स, दाणाबंदर, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 जून 1983

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी अाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगें।

स्वक्यक्रिक्षण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### भनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 205, 2री मंजिल, पोपटलाल चेंबर्स, क्लाइव रोड, 3री काम लेन, घाणाबंदर, बम्बई-400009 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई०-1/441/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

कतः कव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

तारीख: 10-2-1984

मोहरु 🛭

## प्रस्प आपूर्ं, टी. एन. एस. .....

कायकर क्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IIा, बम्बई
अम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984
निर्वेश सं० आई०-4/37 ईई/959/83-84—अतः मुझे,
अ० लहीरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राम्तीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 43, 4 था माला, हिम्मत अपार्टमेंट की०-1, मूल्ंड (पिष्चिम) बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी सम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9 जून 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा चै तिए; बौर/बा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना थाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ष्य अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनितिसित व्यक्तियों अर्थातः :~~

1. मैसर्स किंडा इन्वेस्टमेन्ट प्रा॰ लि॰।

(भन्तरक)

श्रीमती भारत बी० शाह्य।

(अन्मरितीः)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

उसत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वरकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **नमूस्**ची

फ्लेट नं० 43, बी०-1. हिम्मत अवार्टमेस्ट, 4या माला, मूर्लंड बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० आई०  $I^{IJ}/959/1983-84$  श्रीर जो सञ्जम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 9 जून 83 को रजिस्टई किया गया है।

श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , बस्बई

दिनोक: 9-2-1984

मांहर:

21---506GI/83

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर भोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० अ० ई०/।।।/1969/83-84—अत: मुझे, अ० लहीरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 23, आणा बिल्डिंग, कनारा बैंक इस्पलाइस को० आप० सोसायटी लि०, 192, गरोवया नगर घांटकोपर विम्बई में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, तारीख 9 जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया इतिफल, अम्नलिखित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण कि जित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोंने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अवने में मृबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. श्री के० विठइल भट

(अन्तरक)

2. श्री मोहन गंगाधर शानबाग।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयूधन शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागर, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

फलैट नं० 23, आशा बिल्डिंग, कैनारा बैंक इस्पलाइण हाउसिंग सोसायटी, लि० गरोदया नगर घाटकोपर बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० ।।।/952/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निर्देश स० एआर-1/37ईई/554/83-84—अत: मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ज्लाट नं 5, 1ली मंजिल, 'निर्मला महल', बोमनजी पेटीट रोड, बम्बई-400/36 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 जून 1983

की पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उपत अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में भृषिधा के सिए; आर्/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धुन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मिना बिपिन मेहता।

(अन्तरक)

2. श्री जयंत रामशंकर जोशी।

(अन्सरिती)

3 भंतरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कार्क पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 5, 1ली मंजिल, 'निर्मेला महल', बोमनजी पेट्टि रोड, बम्बई-36 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क० सं० आई०-1/472/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1983 को रजिस्टई किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बद्द

ता**रीख**: 13-2-1984

मोहर ः

प्ररूप माइं.टी. एन. एस .-----

नायकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई०-4/37ईई/2165/83-84—अतः, मुझे ए० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 910 9वीं मंजिल, 2 रूम किंचन सी॰ बिल्डिंग, उषानगर को० आप० हाउमिंग सोसायटी भांड्प बंम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9 जून 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यान बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्तृह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्निसिखत उष्योप्य से उक्त अन्तरण निम्निस में बास्तिकक रूप से किंधत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबस, उपस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत: अस, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :~-

- श्री डी॰ एन॰ परीम् ग्रौर श्रीमती रूपा परमैं। (अस्तरक)
- श्रीमती राजरानी सचदेव।

(अन्तरिती)

अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्त्र्या

प्लैट नं० 910, 2 रूम किचन, 9वां हुमाला, सी० विल्डिश उषानगर को० म्राप० सोसायटी, भांडूप बंबई में स्थित है। मनुसूची ऋ० म० सं० ई० III/968/83-84 विनांक 9 जून 1983 को सम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रेंज, [V-मन्बर्य

तारीच: 9-2-1984

प्रकथ आहें.टी.एन.एस.------

आमकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

काय'लय, महादव आदवर कायुक्त (सर्किण)

स्रजंन रेज-4, वस्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्राई०-4/37 111/2000/83-84----- श्रतः मुझे श्र० लहीरी,

जायकर अोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाबार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 605, 6वां माला, है, तथा जो पूजा बिल्डिंग, माहूल रोड चेम्बूर बंबई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा, 269 क, खाके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9 जून 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिसित में नास्तिमक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैसर्स नाहर एसोशीयेटस :

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनसुखलाल माला राम श्रौर सीता राम माला राम। (श्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुक्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क्षेत्र 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम निस्ति में किए वा सकोंगे।

स्पर्ध्वक्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अमृत्**ची

प्लेट नं० 605, 6वां माला, पूजा में माहूल रोड चेंम्बूर, वम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कं० सं० ग्र० ई० III/ 949/83-84 दिनांक 9 जून 1983 को सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंब-III, बस्बाई

तारीख: 9-2-1984

मोहर 🚁

शरूप आई. टी. एन. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजीन रेंज- , बम्बई बम्बई, विनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० घ्र० ई०/III/2195/83-84---- घ्रतः मुझे, ग्र०लहीरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 31श्र 6वां माला, श्रष्ठवानी को॰ श्राप० सोसायटी लि० मूलूड बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया है, तारीख 9 जून 1983

को पूर्णेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से ऐसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कीथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (%) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सृष्क्रिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्धात् ः—

1. श्रीमती के० पी० चावला।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रूपा परीमू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

फ्लैट न० 31, 6वां माला, फ्राडवानी श्रफार्टमेंट्स, को० श्राप० सोसायटी लि० मूलूंड बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० मं० आई० III/950/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई ढारा दिनांक 9 जून 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण)∎ श्रजैन रेंज-III, बम्बर्ड

तारीज: 9-2-1984

मोहर 🕸

प्रक्ष आई.टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निषश सं श्राई०-4/37ईई/20-31/83-84--श्रत: मुझे, श्र० लहीरी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० डी०-9, 2रा माला, है तथा जो घाटकोपर गार्डन व्यू श्रपार्टमेन्टस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० सर्वोदय हास्पीटल के नजदीक, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है - (श्रोर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 9 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री दी० गंगाधःसः विजय सक्सी काफी वर्सा। (श्रन्तरक)
- श्री भगवानदास नारायनदास शाह, श्रीमती जयाबेन भगवानदास शाह।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

फ्लेट नं० डी०-9, 2रा माला, घाटकोपर गार्धन व्यू० ग्रपार्टमेन्टस की० श्राप० सोसायटी लि० सर्वोदय ग्रस्पताल के नजदीक, घाटकोपर बम्बई में है।

भ्रानुसूची ऋ० सं० ग्रं० ई० III/955/83-84 दिनांक जून 1983 को बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रारकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंक-III, क्षम्बई

**तारीख**: 9-2-1984

मोहर 🖫

د المعارف المناسبة ا

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुजना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जेंग रेंज-III, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेश सं० ग्र० ६०/III/2032/83-84—ग्रतः मुझे, ग्र० लहीरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, प्लाट नं० 101, है तथा जो देवपुरी कोश्राप० सोसायटी, गरोदया नगर, घाटकोपर बंबई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी किया है तारीख 9 जन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरित (अन्तरितयारें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्सिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से शुर्भ किसी जाय की वाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

1. श्रीमती उषा भार जोशी।

(मन्तरक)

2. त्री यतीश कुमार हिमतलाल मोरा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्धों आरि पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लैंट नं० 9, प्लाट नं० 101, भारती बिल्डिंग, देवपुरी को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, लि० घाटकोपर बंबई।

श्रानुसूची जैता को कि संब श्राई० III/967/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जून 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० ल**हीरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरो**क्षण**) श्रजैन रॅज-III, **बम्बई**

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप मार्च टी. एक एस, -----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-में (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अाकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज- , बंबई

बंबई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्र० ई० $/\Pi\Pi/1962/83$ -84--श्रत: मुझे, **श्र०** लहीरी.

*बायकर ब*र्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास **ा कारण है कि** स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है<sup>4</sup> श्रीर जिसकी सं० प्रवेट नं० 27., 2रा माला, कैलाश पर्वत को० ग्राप० सोसायटी ली० सांनाकुत बंबई में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), द्धीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन वंबई स्थित सक्षम प्राधिक। शी के कःयलिय में रजिस्ट्री किया है, बस्बई तारीख 9 जुन 1983 को पूर्वेक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या यान कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित त्यक्तियों, अधीत् :--- 22--506GI/83

1. भी एन० जी० मैं हि।

(प्रन्तरक)

2 श्रीमती शास्त्रा बैगम हमनभ्रली।

(ग्रन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पतित को अर्जन को सम्बन्ध मा कार्ष भी गक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण भें प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्पथ्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत कथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में दिया सगा है।

### अनुसूची

पर्लैट नं० 27, 2रा माला. कैलाण पर्वत को० श्राप० सोसायटी, ली० विधा नगर रोड, बंबई-400098 में स्थित है।

अनुसूची जैना की ६० सं अई० /Ш/966/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 9 जून 1983 को रिजस्टई किया गया है।

> श्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी गन्मक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्र III-बम्बई

तारीख: 9-2-1984

मोहरः

## प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यातव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज-3, बम्बर्ट

बंबई, दिनाक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०/III/2048/83-84---ग्रनः **मुझे,** ग्र० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० णाप नं० 2, मयूर महल, एम० जी० रोड़ मूलंड यंबर्ड-80 में रियत है (ग्रीर इसरे उपाबद्ध प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारतामा ग्रासकर ग्रविनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बंबर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया है तारीख 9 जुन 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-निवस के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें सचने में सृष्टिभा के निये; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री ललीतकुमार के० ठक्कर।

(भ्रानारक)

2. मैसर्स ग्रम्बे बुक हाउस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुए।

**उक्त सम्प**रित के मर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी नाश्रीय** :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं बें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्सूची

शाप नं० 2, मयूर महल, महात्मा गांधी रोड, मूलूंड (पश्चिम) बंबई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र० ई०/III/956/83-84 दिनांक 9-6-1983 को बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० लहीरी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन-3, बंबई

तारीख: 13-2-1984

भोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायक र मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बंबई

बम्बर्ध, दिनाक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्राई०-1/37ईई/467/83-84—ग्रतः मुझे, श्रार० के बकाया,

आयकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 47 2री मंजिल ताइदेव एग्रर-कंडिशन्ड मार्केट, ताइदेव हैं तथा जो बम्बई-400034 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका कारारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी किया है तारीख 23 जुन 1983

को पृषेक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेश के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्ति सम्पित्त का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिंध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन अन्य शस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अयः अयः, उवन अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त सिंधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निकिस स्पृतिकारी स्पूर्ण :—

- कुमारी रेबेका जोसेफ संमसम।
   (ग्रन्तरक)
- (1) श्री यूसूफ इक्चाहिम गोरीयावाला। (ग्रन्तरिती)
- अन्तरितियों।
   (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्रॉफिस नं० 47. 2री मंजिल, एग्रर-कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव, बम्बई-400034 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई०-1/157/83-81 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भ्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जीत रेंज-।, बाजई

निर्मिख: 13-2-1984

## मक्स. नार्च, डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्र\$0-2/37\$\$1/86/83-84--श्रत: मुझे, श्रार० के० बकाया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 है, तथा जो तल माला, शान्ती कुंज को० ग्राँपरेटिव हार्जिंग सोमायटी लिमिटेड, सायन (पूर्व), बस्बई-400022 में स्थित है (प्रोर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 21 जन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण भ, भ, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसन व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती नलीनी बी० रगडे।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती बी० एस० सिथालक्ष्मी स्रमल।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु—।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 6, तलमाला प्लाट नं० 279, शान्ती कुंज. को० श्राँपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, रोड नं० 31, सायन (पूर्व), बम्बई-400022 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-1/418/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1983 को रजिस्टई किया गया है।

म्रार० के० बकाया गक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖫

## प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

# प्रायहर निविषय 1961 (1961 का 43)की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई ब≮बई. दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० १०६०-१/३७६६/६०१/६८-६८--१८तः **मुझे**र श्रा**र०** के० दकाया,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके परवात् 'उनत त्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीत सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार प्रार 25,000/- छापे से प्रधिक है और जिसकी संज नंज 37, 2री मंजिल, जवाहर मैन्शन, सीजारामा पोदार मार्ग, बम्बई-2 मे स्थित है (और इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21 जून 1983

का पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यान प्रतिकल के निर्भवनित्त की गई है और मुखे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पद्रह प्रतिमत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पान गा प्रतिफल, निष्नलिखिष्ट उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ज) त्वी कितो प्राय ता किसी धा या प्रस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धत-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त भिधितियम की धारा 269का के भनुनरण में, में, जक्त श्रीधितियम की धारा 69क की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. (1) श्री हर्षदराय छगनलाल लाखानी।
  - (2) श्रीमती प्रेमिया हर्षदराय नाखानी। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमतो नाराबेन शिकालाल शहा।
  - (2) श्री योमेश नटवरलाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

प्रकृत सम्पत्ति है प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समापत होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सुनता के राजान में प्रकाणन की तारीण में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशेहस्ताक्षरी के पास सिण्यित में किये जा सकेंगे।

स्यश्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त प्रकार प्रीर पत्री हा, जा उक्त प्रक्रि-नियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित है, यहा प्रयाहीना, जी उन प्रकार में का ना है ।

### अनुसूची

रूम नं० 37, 2 री मंजिल, जवाहर मैन्शन, सिताराम पोद्दार मार्ग, ठाकुरद्वार, रोड बम्बई-400002 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि क० सं० अई०-1/492/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक 21-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्रार० के० वकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारी**ख**: 13-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बंबई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देण सं० श्राई०-1/37ईई/500/83-84—श्रतः, मुझे, श्रार० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिसकी सं० साउथर्न पोर्शन श्रान 3री मंजिल है, तथा जो फाऊंग्रेशन चेम्बर्स, नानाभांय लेन, फोर्ट, बम्बर्ध-23 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर, अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 20 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) शृत्तारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त श्रीभिनियम् के अभीन कर दोने के शृन्तरक के श्रीमत्थ् में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आसकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

ा. श्री ललीत गोपाल बैरी।

(अन्तरक)

2. मैसमं पुष्पा जे० दादलानी।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वृर्वन के दिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्**ची

साउथनं पोर्शन ग्रान 3री मंजिल, फाऊंडेशन वेंबर्स नानाभाय लेन, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं ग्रई०-1/469/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्रार०के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वस्बर्ध

जतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ं नारीख: 10-2-1984

मोहरु 🗓

प्ररूप. आर्ह. टी. एन. एस. - - - -

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

### भारत् सरुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनाक ६ फप्चपी 1984

निदेश सं ० ए०श्रार०-2/37ईई/2505/83-84--श्रतः, मुझे, एस० एच० श्रद्धास श्रद्धिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार सूल्य 25,000/न्तः से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो एफ० नं० 839, टी० पी० एग०-4 (माहिम विभाग) में बनने वाली इमारत हे तल माला पर, कालेज लंग, श्रमर बाजार, वम्बई-400028 में स्थित है (श्रीर इसमें उपायक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 13 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशिवत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत , उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के वृन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वच्ने शें सृविधा औं सिए; औरु∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्टिपाने में मृदिधा को निग्;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स बी० ए० नेशरकर एण्ड ए० एस० ख्याजा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शिल्पा गरव कारन्डे।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पव्होकरण :—-इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, तल माला, (एफ०नं० 839 टी० पी० एस० 4, पर बनने वाली इमारत में), कॉलेज लेन, श्रगर बाजार, बम्बई-400028 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क० सं० ए० श्रार-2/2505/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 जून 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1984

## प्रक्य नाह्". टी. एन. एस.------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

## धारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० प्रार०-11/37ईई/2642/83-84—प्रतः, मुझे, एस० एच० प्रब्वास प्रविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० फ्लंट नं० 9 हैं नथा जो 2री गंजिल, विजय सभ निवास को० सापरिटव हार्डीसम सोसायटी, 2री पान्स्या लेन, जूह तारा रोड़, बम्बई-400049 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है तारीख 13 जून 1983

को प्वेंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रवयमान प्रतिफल में, एसे रवयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निस्तित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, स्थिपने में सुविधा से लिए:

जत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातुः;⊸~ श्रीमनी रेजुना रणुनायन।

(अन्तरक)

श्री बाप्पी गोन्माल्बीस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (स) इ.स. स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस-क्व्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 9, 2री मंजिल. विजय शुभ निवास को० श्रापरेटिव हार्जिमा सोसायटी, 2री पंड्या लेन, जुहू नारा रोड, बम्बई-400049 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ए०श्रार-2/2642/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी,  $\pi^{-}x^{2}$  द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रव्यास श्रविदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण)
ग्रजन रंज-2, वस्वई

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आहे. दी. एन. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-II, बम्बई 1984
बंबई, दिनांक 10 फरवरी 1984
निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/2555/83-84---भ्रतः मुझे, एस० एच० भ्रवास भ्रबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य ?5,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफि प्रीमिसेस है तथा जो नं 22, 2री मंजिल, विना बीना शापिंग सेंटर, सी वित एस नं एफ / 1361-सी, टर्नर रोड, बांद्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है (श्रौर जिसमे उपागढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) श्रौर जिसका कारारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-6-983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्रयमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, दिल्पान में मुश्रिध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अशीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 23 —506GI/83 (1) संगीता कन्स्ट्रेक्शन कंपनी

(ग्रन्सरक)

(2) एवरणाईन बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है) की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**त्र्यो

श्राफिस श्रीमायसेस नं० 22, 2री मंजिल, विना बिना शापिंग मेंटर, सी० टी० एस० नं० एफ०/1361-सी, टर्नर रोड, बान्ब्रा (प०), बम्बई 400 050 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० 37ईई/2555/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 6-6-1984 को रिजस्ट के किया गया है।

एस० ए**ष**० ग्रब्बास ग्राबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रजंन रेंज-2, बम्ब**ई** 

दिनांक: 10-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृषना (1) श्री भ्रशोक टी० गाबा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रंगारा पूजारी

(ग्रन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/2794/83-84—ग्रतः मुझे, एस० एच० श्रव्बाम ग्रविदो,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-2 है तथा जो तलमाला, सहीती को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड (शिल श्रपार्टमेंटस), प्लाट नं० 598 श्रीर 599, 16वा रास्ता, बान्द्रा, बम्बई-400050 है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करन या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

फ्लैट नं० सी-2 तलमाला, साहिती को-श्रापरेटिव हाउ-सिंग सोसाईटी लिमिटेड (शील श्रपार्टमेंटस), प्लॉट नं० 98-99, 16वां रास्ता का कॉर्नर, बान्द्रा, बम्बई 400 060 में स्थित ।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई०-2/2794/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्ब**ई** 

दिनांक 9-2-1984 मोहर: प्रकृष अही हो एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न्न (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० अर्ह-2/37ईई/3265/8384——अतः मुझे, एस० एच० प्रज्वास श्राविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, 4थी मंजिल, श्रेको ग्रपार्ट-मेंटस. कृपा नगर रोड, ईर्ला, बिलेपार्ले (प), बम्बई-56 है तथा जो फ्लेट नं० 402, 4 थी मंज्ञिल, श्रेको अपार्टमेंटस्, कृपा नगर रोड, इला, बिलेपाले (प) बम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सन्नम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, विम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अंतरण लिक्ति में वास्तिक रूप से करिय से से क्रिं से क्रिं से से क्रिं से से क्रिं से से क्रिं से

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत.. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सुदिधा के लिए,

अतः अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) शेको कन्स्ट्रङ्शन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति पूष्पा डी० ग्रज्जानी।

(भन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की संबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त स्रोती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए था सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ द्योगा जो उस अध्याय में दिया सवाही।

## अनुसूची

प्लीट नं० 402, 4थी मंजिल, शैकी अपार्टमेंटस, कृपा नगर रोड, ईली, विलेपार्ले (प०), बम्बई-56 में स्थित। श्रनुसूत्री जैमा कि क० सं० श्रई-2/3265/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> एस० एच० श्रज्बास श्राबिदी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 3-2-1984

प्ररूप आहु .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन त्चना

### भारत सहकार

# कार्यातय, सङ्गयक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेश सं० घ्र० ई०/III/1954/83-84---यतः, मुझे, घ्र० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित गाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं प्लैट नं 14 है तथा जो मधुरेण को आप सोसाइटी लि बाबा पदमनुसिंग आस रोड नं 1 मुलुंड बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है बम्बई, दिनांक 9 जून 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए; बीड/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्री बी० एस० रामचंद्रन

(म्रन्तरक)

(2) श्री कें० वी० विनायक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ्र---

- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

लाक्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, था उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा क्या हैं।

### अनुसूची

फ्लैट र्रेनं० 14, मथुरंश को० भ्राप० र्रेसोसाइटी लि० बाबा पदुमनिसंग कास रोड नं० 1 मूलूंड बंबई में स्थित है। श्रृतमूची जैसा कि क्र० सं० भ्रई (III/963/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जून 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भ्र० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-[[[ अम्बई

दिनांक : 9-2-1984

मोहर ः

प्रक्रम् आइर्.टी.एन्.एस.्------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269- ज (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई 1983

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० म्र० ई०/III 79/83-84---म्रत:, मुझे. म्र० लहिरी,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 602, पूजी बिल्डिंग है तथा जो माहुल रोड नेम्बूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है बम्बई दिनांक 1-6-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्शित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्त निक्ता उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की वाबत, उक्त क्रिंपिनयम के क्रधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मृविभा के लिए; बॉर्/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) नाहर एसोसिएटस ।

(भन्तरक)

(2) श्री चंद्रबन सी० राहेरा

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रां क्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यगाहियां करता हुं।

### जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबब्ध किसी अन्य अयिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वों का, वो उपक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### भगस ची

फ्लैट नं० 602, पूजा में उठा माला, माहुल रोड चेम्बूर बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ई-III/961/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> **ध**० लहिरी**,** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-2-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० प्रर्ड-2/37ईई/2519/83-84--- प्रतः मुझे एस० एच० ग्रब्बास ग्राबिदी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- हुट. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 702 है तथा जो ए-वीग, 7वीं मंजिल, "जार्जीना" सी० टी० ऐस० नं० 1308, 1283, 1284, श्रौर 1304, शैंली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13-6-1983

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिनहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हेमराज एस० भाटिया

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित मृद्ला जयसिंग भाटिया

(प्रन्तरिती)

(4) ग्रन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांर्ड भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 702. ए-वींग, 7वी मंजिल, जार्जीना, शैर्ली राजन रोड, बान्द्रा बम्बई 400 050 में स्थित । श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/2519/83-84 श्रौर रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास श्राबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 बम्बई

विनांक 10-2-1984 मोहर्

### प्रस्य बाह्री, दी , एव , एस :; -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-II, बम्बई बम्बई 2, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/3025/83-84---- प्रतः मुझे, एम एच० श्रब्बाम श्रबिदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 1 है तथा जो श्ररेबीयन श्रपार्ट-मेंट, पिताम्बर लेन, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); श्रीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकाँ) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रदि-फल निम्नीसीवत उद्वोदय से उचत बंतरण सिवित में बास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण ते हुई किती शाव की बाबत उक्त अधि-निथम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या जममे क्याने में मृषिधा के निया बीप/का
- (ब) एती किसी आप या जिसी भन या जन्य आस्तिबों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्ट:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अन्सरण** में, में, उक्त अधिनियग की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री विजय गूल जेसानी

(म्रन्तरक)

(2) मुख्तार मुलतान मानेकीया श्रौर श्रीमित एम० मानेकिया

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह कृष्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षिक्षकाः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्सूची

दुकान नं० 1, अरेबीयन अपार्टमेंट, पिताम्बर लेन, माहिम, बम्बई 400 016 में स्थित ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/3025/83— 83 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज 2, बम्बई

दिनांक 10-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) -श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० 5 अई/III/2033/83-84—श्रतः मुझे श्र० लिंडरी

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक फ्लैट ए बिल्डिंग में है तथा जो नवजीवन को० ग्राप० सोमायटी चेम्बूर बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसकी करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई दिनांक 9-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियारें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं---

- (क) जंतरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के मंतरक के बायित्य में कमी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने को सविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उभ्रत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीष, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्रीमती एस० ग्रार० मोटवानी

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती पूजा श्रार० स्रमीचंदानी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण क्या प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

एक फ्लैट बिल्डिंग नं० 8 ए में स्थित है, नवजीवन को० श्राप० सोसायटी ली० चैस्बुर में स्थित है ।

श्रनुसूची जैमा कि कि सं श्रई ाा1/953/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9683 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० सहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-III, बम्बर्फ्

विनांक: 9-2-84

मोहर 🖫

प्ररूप मार्च.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2६२-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984 निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/2660/83--84--श्रतः मुझे एस० एच श्रव्वाम श्रविदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं प्लाट नं 27 में 1/3 हिस्सा; जो II नार्थ/हाउस रोड, जे वी पी डी स्कीम है तथा जो बम्बई 4000056 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूत्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कब के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक, 6-6-83

को पृषेक्ति सम्परित के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निभिन्नियम के निभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा क लिए; नौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वब , उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—— 24—506GI/83 (1) श्री सुभाष रणछोष्ठ लाल शाह ।

(भन्तरक)

(2) श्री जुगल किशोर बी० अगरवाल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सं अंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किये जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

प्लान नं० 27 में 1/3 हिस्सा जो 11 वा नॉर्थ/साउथ रास्ता, जुहु विलेपार्ले डेवलपमेंट स्लीम, बम्बई 400056 में स्थित । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-2/37ईई/2660/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई हारा दिनांक 6-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एच० ग्रब्बास श्रबिदि, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 9-2-1984 :

प्रकृष भाइ .टी. एन. एस. ------

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II बम्बई

बम्बई दिनांक 2 फरवरी 1984

निर्वेश सं० ग्रई-2/37/ईई/2387/83-84----- प्रतः मुझे एस० एच० श्रब्बास अबिदी

अपन कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी फ्लैट नं० 27 है तथा जो 6वीं मंजिल, बुर्गा स्ट्रीट, प्लाट नं० 1371, टी० पी० एस० 2, माहिम विभाग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है (भौर इससे उपाबब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रिविनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-6-83

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्धह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त जीभनियम के अभीन कर बोनें के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उसते अधने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुत्रिधा के विष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स होम मेकर्स

(मन्तरक)

(2) श्री उमर काबीली श्रीर श्रीमित मेहकुनिसा काबीली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ममस्ची

फ्लाट नं० 27, 6वीं मंजिल, दर्जा स्ट्रीट, प्लाट न० 1371, टी॰ पी॰ एस०-2 माहिम डिवीजन, माहिम, बम्बई 400 016 में स्थित ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/2387/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रजि-स्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० म्रब्बास म्रविधी सक्षम प्राधिकारी यद्यायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज 2, बम्बई

विमांक: 2-2-1983

### प्ररूप आहं. टी. एत. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त शायुक्त (निरीक्षण)

म्राजन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेण सं० श्रई-2/37ईई/2661/83-84--श्रतः मुझे, एस० एख० श्रब्धास श्रबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 27 में 1/3 हिस्सा जो 11 वां नार्थ साउथ रोड, जे० वी० पी० डी० स्कीम, हैं सथा जो बम्बई 400 056 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ड्री है, दिनांक 1-6-1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वोदयों से उक्त अंतरण लिखित में मास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भार 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री शिरीषरणछोड़लाल शाह ।

(मन्तरक)

(2) श्री बजरंगलास बी० ध्रगरवास ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — हसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

प्लाट नं० 27 का 1/3 हिस्सा 11वां नार्थं/साउथ रोड, जुहु विलेपार्ले डेवलपमेंट स्कीम, बम्बई 400 056 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० स० धर्द-2/2661/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रद्धास श्रविदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज-2, बस्बई

विनांक: 9-2-1984

मोहर ः

प्रकप् आर्द्दः टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आय<del>ुक्त</del> (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 2 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्र०ई०/37ईई/2158/83-84---श्रतः मुझे एस० एच० श्रब्बास अक्षिती

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारः 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी फ्लैट सं० 14 है तथा जो 3री मंजिल, दर्घा स्ट्रीट, प्लाट नं० 1371, टी० पी० एस०-2, माहिम डिवीजन, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध-भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत ह) और जिसकी करार-नामा भ्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उभित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उाचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने मे सिक्धा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थातः :—- (1) मैसर्स होम मेकर्स ।

(प्रन्तरक)

(2) गुलजार ए० एस० बलोलीया ।

(भ्रन्तरिती

को यह सुमना जारी कारके पूर्नोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यक्षाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में किसे वा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण :--इ.समें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ए<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ती

प्रलैट न ० 14, 3री मंजिल, दर्घा स्ट्रीट, प्लाट नं ० 1371, टी० पी० एस०-2, माहिम डिवीजन, माहिम, बम्बई 400 016 में स्थित ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्र\$2/2158/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब\$ द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रिजस्ट है किया गया है।

एस० एच० ग्रब्बास भविदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2, बस्बई

विसांक 2-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आवंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 12 फरतरी 1984

निर्देश स० श्रई०-2/37ईई/2817/83-84--श्रत. मुझे, एस० एच० श्रद्धास अविदी,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी फ्लैट नं ० 18 है तथा जो 3री मजिल, हिलकेस्ट को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 16वां रास्ता, टी० पी० एस०-3, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिस में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवस, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अनिस्तायों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उत्थतः अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्थतं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चन्द्रा एन० बदलानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तनवीर हुसैन एच० मर्चेंट

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं ० 18, 3री मंजिल, हिलक्रेस्ट हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 16वां रास्ता टी० पी० एस० 3, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित हैं ।

भ्रनुसूची जैसा कि क० स० भ्रई-2/2817/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनांक 20-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 10-2-1984

### प्ररूप गाइ . टी. एन. एस. - - - ----

# भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भंभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्बई बस्बई, दिनांक 13 फरवरी 1983

बम्बइ, ावनाक 13 फरवरा 1983 निर्देश सं० भाई-2/37/ईई/2410/83-84--भानः सुप्ते,

एस० एच० भ्रब्बास भ्राबिदी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/-रा. से **अधिक ह**ै

श्रीर जिसकी दुकान सं० 13 हैं तथा जो तमाला शालीमार श्रपार्टमेंट, टी० टी० एस०-2, टगोर रोड एस० टी० रोड सान्ताक्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्क्र

है दिनांक 6-6-1983
को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखिय उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याण प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में,, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) । को जभीन निस्नीसिक्त स्थितियों, नर्थात् ध--- (1) वीनस क्रेबलपमेंट कारपोरेशन।

(ग्रन्सरक)

(2) दिवाणचन्द हरदासमल चूघ और विषक दिवाणचन्द चुघ ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभीग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करकं पृत्रवित सर्पात्त क अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा सधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं 13, तल माला, बालीमार श्रपार्ट मेंट, प्लाट नं 20, 2बी, 2डी, श्राफ टी पि० एस०-2, सी० एस० नं जो 40 से 46 तक श्रीर जी० 48, टगोर रोड एस० टी॰ रोड, सीताकृज (प), बम्बई 400 054 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० भई०-2/37/ईई/2410/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-1983 को रजिस्टई किया गया है।

एस० एच० भ्रब्बास श्राबिधी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 13-2-1984

मोहर 🤃

### प्रकष् आईं ,दी , इन् , एव , -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्पना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, विनांक 10 फरवरी 1984 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/2326/83-84--ग्रतः मुझे, एस० एच० श्रब्बास श्राबिदी,

नायकर निधिनमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11 है तथा जो 3री मंजिल, 60 बी, लिकीग रोड, सांताऋूज (प), बम्बई-400054 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है दिनांक 2-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रनिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बरि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा के निष्:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दिलीप ठाकरसी भागर।

(श्रन्सरक)

(2) श्री दिनेण रमणीकलाल णाह्

(श्रन्तरितीं)

को सङ्ग्रहमा जापी करको प्वामित सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उनत सम्परित् के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप १:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की सारीच से 45 विन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध स्वना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थावस्यों में से किसी स्थावित व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्यक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### ममुसुची

फ्लैट नं 0 11, 3री मंजिल, 60 बी, शिकींग रोड, सांता-क्रज, (प) बम्बई 400 054 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० **ग्रई**-2/2326/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास श्राबिवी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 10-2-1983

मोहर 🖫

### प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्रई-1/4926/83-84--- ग्रतः मुझे, ग्रार० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 805, प्राफ दादर माटुंगा स्टेट ऐंड सी० एस० नं० 517/10 ग्राफ माटुंगा डिबीजन दादर, बम्बई में स्थित है सथा जो दादर में स्थित है (श्रौर इससे उपा- धद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-6-1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वदेशों से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क्ष) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मेसर्स भी कृपा

(अन्तरक)

(2) धेमी टेरेस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमि-टेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मेम्बर्स आफ दी सोसायटी । (यह स्थाविस, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जस्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूर्य

ध्रमुसूची जैसा कि विलेख नं० बाम 941/81 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार, बस्बई, द्वारा दिनांक 18-7-1983 को रजिस्टर किया गया है।

> ग्नार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिसांक: 13-2-1984

मोहर 🛭

### प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-स (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश मं० म्रई- $1/\xi\xi/719/83~84$ ----श्रतः मुझे, श्रार० 37 के० बकाया.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 41, 3री मंजिल, 'नथरोज मनोर' दि इस्मालिया को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 44, क्लिश्चर रोड भायखाला, बम्बई-8 में स्थित है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में, श्रायकर

ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16 के श्रधीन दिनांक 23-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विच्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1) श्रीमति झरीना सुलतानग्रली लालानी

(मन्तरक)

(2) श्री गुलाबदिन भेधजी गिलानी

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिश्रिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं० 41, 3री मंजिल, 'नवरोज मनोर' दि इस्मा• लिया को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 44, क्लियर रोड, भायखाला, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/461/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

म्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-2-1984

मोहर :

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—506GL/83

प्ररूप आर्ह. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैंन रेंज-I, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेश सं० ग्रई-1/37/ईई/515/83-84—श्रतः मुझे, ग्रार० के० बकायाः

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1) मेसर्स गुडेचा इंटरप्राइसेस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोइज फिवाग्रली प्रतापगडवाला ग्रीर मोहमदी फिवाग्रली प्रतापगडवाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 10, 2री मंजिल, मीना ग्रपार्टमेंट, सी विंग, मातारपाखाडी रोड़, माझगांव, बम्बई 400010 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्जन रेंज-1470/83-84 ग्रीर जो सुक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 23-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-1, बम्बई

दिनाँक : 13-2-1983

प्रकल बाहाँ. टी. एन. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वना

(1) श्रीपी० एस० चावसा

(अन्तरक)

(2) श्री डी० एन० परामू।

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[1], बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश मं० अ० ई०/111/2196/83-84--अतः मुझे, अ० लहिरी,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहागया है'). की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्यु ?5,000 /-रुः. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० प्लैट नं० 32, आदवानी अपार्टमेट को० आप० सोसायटी, लि० मुलूंड (पश्चिमी) बंबई है तथा जो बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बंबई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो किया है दिनांक 9 जून 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उम्रित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कुधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबस, अधिनियम के अधीन कप पने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; गौर/या
- (श) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाही शुरू कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्<del>चना के राजपत्र में</del> प्रकाशन की तारीं<del>ख सै</del> 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्को।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

फ्लैट नं० 32, अदवानी अगार्टमेंटस, को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि॰ मुलुंड बंबई में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि ऋ० सं० धा/951/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जून 1983 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, बम्बई

अप्तः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-ग के अनुसरण , मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---

विनांक 9-2-1984 मोहर 🖺

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1984

निर्वेश सं० अ० ई० III/1739/83-84--अतः सुझे, अ०लहरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं क्लैट नं 17, तल मंजला, भागनीरी को अप को संसायटी चूनाभटी सायन है तथा जो बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रजिस्टी कृत किया है बंबई दिनांक 3-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेद्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमनि कांटा एस० मेहता

(अन्तरक)

(2) श्रीमति एच पी० बिंदे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अमृस्ची

पत्रैट नं 17, तल मंजता, भागतीरी को आप हाउ-सिंग सोसाइटी चुनाभटी सायन बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई III/978/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1983 को रिषस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, बंबई

दिनांक 21-1-1984 मोहर ः। प्ररूप आहा. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, बंबई

बंबई-3, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० 5 अ० ई०/ $I_1I/1902/83-84$ —अतः मझे, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 422, 4 धामाली भारतीय, अमृत नगर, ए० बी० एस० मार्ग घाटकोपर में स्थित है तथा जो बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है और सिका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है बंबई दिनांक 9-6-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिएकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रकोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— (1) मैं० सेठ इंटरप्राईसेस

(अन्तरक)

(2) श्री ऐ० पी० एस० नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसुची

फ्लैट नं० 422, 4था माला, "भारती" अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर बंबई में स्थित है। अनुसूची जैसा की क० सं० अई III/993/83-84 और

जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रिजस्टर्डकियागयाहै।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बंबई

दिनांकः 9-2-1984 मोहर : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-III, बंबई

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी 1984

ि निर्देश सं० अ० ६० /1722/83-84--अतः मुझे<sup>,</sup> अनिहर<sup>्</sup>,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ओर जिसकी सं 3383 पंट नगर, है तथा जो घाटकोपर बंबई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिलका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन वंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है बंबई दिनांक 3-6-1983

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बातत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगदीश पालसिंग चठा

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पी० जैन

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन<u>ुस</u>धी

फ्लैट नं० 3383 बिल्डिंग नं० 116, पंट नगर, घाटकोपर बंबई

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई III/977/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बंबई

दनांक 21-1-84 मोहर: प्ररूप कार्द. टी. एन. एस.------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, अम्बई

बम्बई, दिनांक १ फरवरी 1984

निर्देश सं० अ० ई०/III/1861/83-84——अनः मुझे, अ० लहिरो,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 425, 4था माला, भारती अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बंबई है तथा जो बंबई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है कार्यालय बंबई दिनांक 9-6-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पट्टा प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सुनिधा के सिए;

अतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं० सेठ इंटरप्राईसेज

(अन्तरकः)

(2) श्री के० जी० कृष्ण कुरुप

(अन्तरिती)

की कहें भूकता कारने करके पूर्वीवस सम्पत्ति के वर्णन के लिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्वी

पलैंट नं० 425, भारती "अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० मं० अ० ई० III/90/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बंबई

दिनांक 9-2-1984 मोहरः

## प्रकल नाहरं. टी. एव. एव.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1983

निर्वेश सं० अ० ई०/ $I^{I}I/1815/83-84$ —-अतः मुझे, अ० लहिरी,

कायकर अभिनित्म , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उक्त अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी सं० 1012/बी 10, सुदामा सदन, आर० आर० पी० रोड मुलंड बंबई में स्थित है (और इससे उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1061 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में दिनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काम्तविक स्थ में कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री श्रीनिवास कस्तूरी

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सोनू रमेण लाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वम्स्ची

1012/बो-10 सुवामा सदन, आर० पी० रोड़, मूलूंड (पश्चिमी) दंबई

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-III/988/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 9-6-83 को रजिस्टर किया गया है।

अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III<sub>,</sub> बंब**ई** 

दिनांक 9,-2-1984 मोहर 🖫

प्रक्रम, बाद्द', टी. एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहरू अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4 बंबई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निवेश मं० अर्ड-4/37**६६**/1822/83-84---अतः म्हो, अ० घहिरी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण 🕏 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट ऋ० 2, 4था माला, तीरूपति "अ" बिल्डिंग, वकीला सांताकृष (पु०) बंबई में स्थित है और इससे उपायद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-6-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उत्तित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिसित उद्योदय से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में मुविधा कं लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957** का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गयाः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा के निए;

**जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 26**9-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) 🕏 अधीनः, निम्नसिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् ः----26-506GL/83

(1) मैं० हरी सिद्ध कार्प

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मराठा पिट्री

(अन्तरिती)

को यह सचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त र्व्याक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवस्ति द्वारा, अधाष्ट्रस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आदि पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट ऋ० 2, 4था माला, निरूपनि (अ) बिल्डिंग वकोला सोताक्ज बंबई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अ० इ० III/1970/83-84 को मक्षम प्राधिकारी वंबई द्वारा र्जिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी. सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज, बंबई

दिनांक: 9-2-1984

मोहर 🕧

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेण सं० अ० ई० III/2011/83-84--अतः मुझे, अ० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 122, 1ला माला, भारती अमृत नगर एल० बी— एस० मार्ग भांडुप बबंई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में दिनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकाश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित' उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत. जिस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के ताथिक में कमी करने मा असम्ये कचन ए स्थित भीति. और था.
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) सेठ इंटरप्राहस्स

(अन्तरक)

(2) श्री खान मोहमद वसीन और खान रहमतली (अन्तरती)

भ्यं यह सुभना जारी करकं प्वाँक्त सम्पन्ति के कार्यन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अभियान तरमध्यानी अयिक्तयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तान में किए जा पर्केंगे।

ाष्ट्रीकरण—— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वमृत्ची

पलैट नं ० 122, पहला माला "भारती" अमृत नगर भांडुप बंबई में स्थित है ।

अनुमूत्री जैसा की ऋ० सं० कृ० ई० III/991/83-84और जो सभम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रें**ज-**III, बंबई

दिनांक 9-2-1984 मोहर: प्ररूप आई .टी. एन . एस ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्वेग सं० अ०६०-2/37६६/2678/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अञ्चास आबिदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० पर्नेट नं० 3 है तथा जो पहली मंजिल, अनु-राग अपार्टमेंटस, जुहू रोड, बम्बई-405039 में स्थित है (और इससे उपाधाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतिरती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुद्दें किसी आय की बाबत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/एए
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीके० आर० रघुनंदन।

(अन्तरक)

(2) सतपाल सिंग मान और प्रकाश कौर मान्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अध्देस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मनुसूची

फ्लैट नं० 3, पहलो मंजिल, अनुराग अवार्टमेंटस, जुट्ट रोड, बम्बई-400 049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क सं० अ० ई०-2/2678/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बंबई

दिनांक: 6-2-1984

अ० सहिरी

### श्रुक्ष् बाइ. टी. एन. एस. ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, विनांक 21 जनवरी 1984 निर्देण सं० अर्व्ह० 3/1805/83-84---अत: मुझे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियत्र' कहा गया है'), की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गाला नं० 5, शाह इन्ड० इस्टेट है तथा जो प्लाट नं० 10 ब, सर्बवन स्कीम, ट्राम्बे नार्थ ईस्ट, सर्वे नं० 26 (हिस्सा) देवनार बंबई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्णरूप से बर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, तारीख 6/6/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन्न के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बस्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आहिस्तयों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः जब उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) टेकनीस इंडस्ट्रीज

(अन्तरक)

(2) मै० बेस्ट्रन इंजीनियरिंग्स

(अन्तरिती)

कां यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्सा सम्पातित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गाला नं० 5, तल माला, ए० बिल्डिंग, शाह इंडस्ट्रियल एस्टेंट प्लाट नं० 10-बी, सर्बंबन स्कीम नं० 11, देवनार बंबई 88 में स्थित है।

अनसूची जैसाकि कम संख्या अई० 3/976/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/6/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्न० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिसांक : 21/1/84

### प्रकप आहे. टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीव सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० अ०ई०/2046/83-84—अतः मुझे, अ० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, तल मजला, भागनारी का-प्राप० सोसायटी लि० चूनाभट्टी स्टेशन के नजदीक बंबई 22 है तथा जो बंबई में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है तारीख 9 जून, 83

करें पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निलिश्ति उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिश्ति में बास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखत व्यक्तियों, अर्थीत् :—

(1) श्री हरीराम सेवाराम भगनानी

(अन्सरक)

(2) श्रीमती भारती विरेंद्र गोशर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: --इसमें प्रयक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गवा हैं।

### अनुसूची

फ्लैट नं 3, तन मजना भागनारी को आप सोसायटी लिं चूनाभट्टी स्टेशन के नजवीक, बंबई 22 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क्रम संख्या आई० 3/964/83-84 क्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जून, 83 को रिजस्टिई किया गया है।

अ० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक: 9/2/1984.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देण सं० अई०/3/1862/83-84—अत: मुझे, अ० लाहिरी

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  $25,000/\sqrt{50}$ . से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 225, 2रा माला, भारती अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर बंबई है तथा जो बंबई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/6/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अर्ब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--- (1) सेठ इंटरप्राइजेस,

(अन्तरक)

(2) श्री दुसैन मोहम्मद बंदूका,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

प्लैट नं० 225, ''भारती'' अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर बंबई।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई० 3/992/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/6/83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्र० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 9/2/84

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत दरका

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 84

निर्वेश सं० आई०/III/1868/83-84--अतः मुझे, श्र० लहिरी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 709, डी ब्लाक, न्यू उपानगर, भांडूप बंबई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत अनुसूची में श्रौर पूर्णक्प में विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, नारीख 8/6/83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूपमान प्रतिफल से एसे दूपमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आग या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सविभा के सिए;

(1) श्रीमती श्यामला राव,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारवा परमेश्वरन,

(अन्तरिती)

का यह सुवाना वारी करके पूर्वोक्त नम्परित के वर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, को उसक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरम ह

#### जनसमी

फ्लैट नं० 709, डी ब्लाक न्यू उषानगर, भांडूप बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०/III/969/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8/6/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेज-III, बम्ब**ई**

अतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 9-2-1983

प्रकथ काहे. ही. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० अई०/3/2029/83~84—अम: मुझे, अ० लहिरी,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसप्रे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, लक्ष्मी निवास, कस्तूरबा, रोड, मूक्षुंड बंबई 80 है तथा जो बंबई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/6/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि लिएत य

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में क्यी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/मा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सिवधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री कृम्बला बिष्णु नायक

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीण कुमार दोशी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

प्लैंट नं० 12, लक्ष्मी निवास, कस्तुरबा रोइ, मूलूंड बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई० 3/989/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/6/83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बई

दिनांक: 9/2/1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, सम्बद्धः
सम्बद्धः, दिनांकः 21 जनवरी 84
निर्देशः सं० अर्द०-JII/1819/83-84—अतः मुझे, घ०
लहिरीः,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक है

मीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 15, प्लाट नं० 2, यमुना नवा श्रीनगर हाउसिंग सोसायटी लि० चेम्बूर बंबई 89 है तथा जो बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से थिंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री किया है, तारीख 6/6/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्रायमान

- (क) अन्तर्भ संहृह किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बीर्/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . किम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 27—506GI/83

(1) श्री एन० रामिसरतम, (श्री आर० रामास्वामी का पावर आफ अटोरनी होस्डर)।

(अन्तरक)

(2) श्री औ० जी० शिणाय

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्री

फ्लैट नं० 15, प्लाट नं० 2, यमुना नवा श्रीनगर को० आप० हाउसिंग सीसायटी लिमिटेड चेम्बूर बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई०-III/979/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/6/83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-∏ं. बन्बई

ं दिनोंक 21/1/1984. मोहर ध प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संग्कार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 13 फरवरी 1984 निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2310--अत: मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रक्रियकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

धौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो केक ही में में स्थित है (भ्रौर इस उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, केकड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विहवास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित प्राजार मूल्य, उसके रहसमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पन्दह भित्रित से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कभी करने या उससे वचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन दिस्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मै० शत्रुज्या मापक फेक्ट्री, प्राइवेट लिमिटेड, केकड़ी

(अन्तरक

(2) मै॰ कटारिया स्पिनिंग मिल्स, केकड़ी

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो आह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में रि गया है।

#### सम्ब

अजमेर रोड, केकड़ी पर स्थित अचल सम्पत्ति उप पंजियक, केकड़ी द्वारा क्रम संख्या 809/83 विनाः 2 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में डौर विस्तृत् रूप विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनोक: 13 फरवरी, 1984

### प्ररूप बार्ड्, दी पून् एस . ------

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 13 फरवरी 1984

आदेश संख्या: राज०/सहा० आ० अर्जन/2311---त: मुझे, मोहन सिंह,

पकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ..., परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 39-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का रण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2,000/- रहः से अधिक है

ार जिसकी सं० अचल सम्पत्ति है तथा जो केकड़ी में स्था है (ग्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, केकाड़ी रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ोन तारीख 1 जून, 1983

ं पूर्वोक्त सम्परित का जिल्त बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास े का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जिल्त बाजार य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जिर्ति (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण खित में वास्तिक रूप से किंभत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्निसिख्त व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) मैं शतुज्यां मापक फेक्ट्री, प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी, अजमेर रोड, केकड़ी जिला अजमेर।

(अन्तरक)

(2) मै० कटारिया स्पीनिंग मिल्स, केकड़ी, जिला अजमेर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्षत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

अचल सम्पत्ति स्थित अजमेर रोड, केकड़ी जिला अजमेर जो उप पंजियक, केकड़ी द्वारा कम संख्या 803/83 दिनांक 1 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप विवरणित है।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15/2/84

त्र<del>क्ष्यु आह्र<sup>1</sup>. टी. एन. एस.-----</del>

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 1984
निर्वेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2312--श्रतः
मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000'- रुपये से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० है तथा जो केकड़ी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय केकड़ी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरफ सिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने या उत्तरों वचने में सूविभा के शिवप; और/या
- (का) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 195? (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स शत्नुज्या मानक फैक्टरी, प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी, श्रजभेर रोड़, केकड़ी।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भ्रानन्द राईस मिल, केकड़ी द्वारा, भागीवार श्रीमती शान्ति देवी पत्नि, श्री मोहनलाल कटारिया, केकडी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उम्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्त्ची

प्लाट स्थित ग्रजमेर रोड़, केकड़ी जो उप पंजियक, केकड़ी द्वारा कम संख्या 810/83 विनांक 2 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक 13/2/84. मोहर इ

### प्रक्रम नाइ. डी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 84

भादेश सं०: राज०/सहा० भा० भर्जन/2313---भत: मुझे, मोहन सिंह,

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 205-206 है तथा जो जोधपुर में हैं स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10 जून, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— जबरी लाल पुत्र,
 श्री भागीरथ,
 सिकांची गेंट के भ्रन्यर,
 जोधपुर ।

(बन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्दर देवी पत्नी, श्री धनराज जी, चौपासनी रोड़, प्लाट नं० 85, जोधपुर।

(भ्रन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय कें है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय कें दिया गया है।

### जन्स्ची

प्लाट नं० 205-208 बछराज जी का बाग, जोधपुर में स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1796 दिनोक 10/6/83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13 फरवरी 84

### **धारम् आर्ड्' द**्रि हुन्, पुस<sub>र</sub>- - - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर दिनांक 13 फरवरी, 1984

भ्रादेश सं०: राज०/सहा० म्रा० भ्रर्जन/2314---भ्रत: मुझे, मोहन सिंह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 205-206 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10 जून, 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने ये ब्विभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् ४—— (1) श्री जनारी लाल पुत्र, श्री भागीरण, सिवांची गेट के ग्रन्दर, जोधपुर ।

(भन्तरक)

(2) श्री धनराज पुत्न, श्री सेवारामजी, द्वारा, मैसर्स सोनी ग्राटोमोबाईल्स, रेजिडेन्सी रोड, जोभ्रपुर ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरु करता हैं।

उस्त सम्पत्ति के नर्जन में सम्बन्ध में कोई भी बाबोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (च) इस सूचना के राज्यप्रमं प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताकरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहां हैं।

### नगुसूची

प्लाट नं० 205-206, बछराज जी का बाग, जोधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1797 विनांक 10 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपूर

तारीख: 13-2-84

मोहर 🥫

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. ------

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 13 फरवरी, 1984

म्रादेश संख्या: राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2315--म्रत:

मुझे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 205-206 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 10 जून, 83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरक ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-म भी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जबरी लाल पुत्र,
 श्री भागीरथ,
 सिवांची गेट के ग्रन्बर,
 जोधपुर

(श्रन्तरक)

(2) श्री रामविलास पुत्न, श्री धनराज सोनी, द्वारा, सोनी श्राटोमोबाईल्स, रेजिडेन्सी रोङ, जोधपूर,

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्स्यो

प्लाट नं० 205-206, बछराज जी का बाग, जोधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1798 दिनांक 10 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जयपुर

सारी**ख**ः 13-2-84

### प्रकार बार्ड . टी . एव . एव .; ------

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के स्थीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायक र जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

अादेश संख्या: राज॰/सहा॰ आ॰ अर्जन/2316-अतः

मुझे, मोहन सिंह

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की आरा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ख० नं० 967 है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 21 जून, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिहत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्निजित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिवित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरम से हुव किसी बाय की बायर , उनस् अभिनियन के नभीन कर योगे के नन्तरक के बादिएम में कभी करने या उनसे यजने में स्थिश के जिल्हा और/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियां को, विक्हें भारतीय बाय-कर बिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनयम, या भनकर बिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा वाया किया जाना बाहिए था कियाने में सुविधा के बिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भें, भैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——- (1) श्रीमती अपची बेवा हिस्मताजी व गणेशराम, पुत्र नथमलजी, श्राची, पलीवालीं का बाग, पाली,

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञानचन्द पुत्र, श्री रूपचन्द जी ओसवाल धारीवाल, निवासी, पाली (आदि)

को बहु सुधना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित् के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्पित्तयों में से किसी स्पिक्त बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \* 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रमुक्त धन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नपृस्ची

चक नं० 1 में स्थित खसरा नं० 967 में रक्ता में से 11 बोधा 10 बिस्ता कुषि भूमि जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम सं० 1122 दिनांक 21 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-2-1984.

मोहर 🕉

# 

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर दिनांक 13 फरवरी 1984

आदेश सं०: राज०/सहा० आ० अर्जन/2317---अत: मुझे, मोहन सिंह,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-फ. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 74 है तथा जो जोधपुर में, स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखा 15 जून, 1983-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सै कम के इङ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकसः, निम्नसिवित उददेश्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तुविक कप से करिशत नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त आधि-नियम के अर्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर∕या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हां भारतीय मायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के सिए:

मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1): के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

28 --- 506GE/83

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

(1) श्री रतन लाल पुत्र, श्री अजयराग सन, 32. महेन्द्राक्ज, पाल रोइ, जोधपूर,

(अन्तरकः)

(2) श्री महेन्द्र प्रकाश. पुत्र थी रतन लाल, द्वारा, ओ० एन० जी० सी०. जोधपूर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकरी।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा 🐉 🗓

## अनुसूची

प्लाट नं० 74, सैंक्शन 4, सैंक्टर एच० शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजियक जोधपुर द्वारा ऋम मं० 16/1846 दिनांक 15 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकथ पथ में श्रोर विस्तृत रूप से त्रिवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13 फरवरी 1984

मोहर ∄

# प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 260-प (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 84

आदेश मं०: राज॰/महा० आ॰ अर्जन/2318-- प्रतः

मुझे, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रा. से अभिक **हैं** 

श्रौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनमुची में और पूर्णस्प से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2/6/83

'को पर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क**े पर्**यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; बीर∕वा
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्टियों को. जिन्ह<sup>5</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री मोहम्मद उमर, धाट दरवाजा, चौकडी-तोपखाना, हुजुरी, जयपुर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मरियम कासिम, मुख्य कोठी, मुमतात बाग, चमेली वाला मार्केट, जयपूर,

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

# अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित चमेली वाला मार्केट, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर धारा कम संख्या 1284 दिनांक 2 जून, 1983 पर पंजिबद्ध निक्रय पत्न में छोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर.

तारीख: 13 फरवरी 1984

मोहर ः

प्रकृप बाइ". टी. एन. एस. ---------

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सङ्घायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 1984 आदेश संख्या : राष/सहा० श्रा० अर्जन/2319—श्रतः

मुझे, मोहन सिंह,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 70 हैं, तथा जो जोधपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख 14 जून, 1983

को पृत्रोंक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बायत, उथक अभिनियम के अधीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्स में कमी करने या उसमें बचने से सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिष्;

कतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्री ंतुलसीराम पुतः. श्री जगन्नाथ गर्मा, द्वारा सेन्द्रल ऐयङ, जोन रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनिवास श्रीमा, पुत्र श्री राम पाल औमा, द्वारा मै० लक्ष्मी उद्योग, औद्योगिक एरिया, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरित के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं
  45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामी र से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य अधिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाद सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मन्स्ची

प्लाट नं० 70, सैक्टर 4, सैक्शत बी, मसूरियसु, जोधपुर जो जा पंजियक, जोशपुर द्वारा कम संख्या 394/1831 दिनांक 14 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर ।

तारी**ख:** 13/2/1984

मोहर ध

प्ररूप् आईं.टी.एन.एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- जु (1) के मुभीन सुभाग

#### बाउव ब्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 13 फरवरी 84

आदेश संख्या: राज०/सहा० आ० अर्जन/2320--म्रत: मुझे, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,,000/- हु. से माधिक है

और जिसकी सं० प्लाट तं० 70 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख 14 जून, 1983.

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बर्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उस्तु वृष्णे में सुविधा के सिए; जीड/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधार (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री तुलसीराम पुत्न, श्री जगन्नाथ शर्मा, द्वारा सेन्द्रल ऐयर्ड, जोन रिसर्च इंस्टिट्यूट, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री धनश्याम औक्षा पुत्न, श्री राम पाल औक्षा, हारा, लक्ष्मी उद्योग, इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपद्धित में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया ग्या है।

#### **जन्**स्ची

प्लाट नं० 70, मैक्टर 4, सैक्णन बी, मसूरिया, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम मंख्या 70/1832 विनांक 14 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जमपुर

तरीख: 13 फरवरी 1984

मोहरः

प्रकथ बाइ. टी. एन. एस. -----

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-व (1) के बधीन सुब्ता

#### भारत सुरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

श्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2321-स्रतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो मांभर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सांभर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६६थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किस निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तर्ण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के निए;

जतः। अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री हनुमान प्रसाद श्रोसवाल निवासी—सुभाष चौक, नरायण जिला—जयपुर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री नोतन दास सिंधी निवासी—सुभाष चौक, नरायणा, जिला—जयपुर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ज्या है।

#### मन्स्ची

दुकानें स्थित सुभाष चीक, नरायणा सहसील सांभर जिला जयपुर जो उप पंजियक, सांभर जिला जयपुर द्वारा जून, 1983 में पंजिबद्ध विकय पत्न में थौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी उहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनाक : 13~2-1984

मोहर:

# प्ररूप आहें, टॉ. एन्. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत ब्रक्ट्

भायांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

श्रादेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/2322-यत: मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात (जिक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो सांभर तहसील में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्धश्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सांभर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को प्रवेशित सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिविक स्व से कियत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी शय की बाबत उक्त विध-नियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्से बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत न्याधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती युवारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए भा, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्य :--

(1) श्री हनुमान प्रसाद श्रोसवाल निवामी—सुभाष भौक, नरायण जिला—जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार सिधी निवासी—सुभाष चौक, नरायण तह० सांभर। जिला—जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृतांक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत तम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप्ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्तः होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यावता में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक स्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

मकान सम्पत्ति स्थित सुभाष चौक, नरायण तह० साभर जिला जयपुर जो उप पंजियक, साभर जिला जयपुर में पंजिबद्ध विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप विवरणित है।

> मोहन सिहं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिगांक : 13-2-1984

मोहर:

प्ररूप आहर . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

भादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रिर्जन/2323—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 66-67 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 10 जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप में किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री गोविन्द सिंह चौहान, विजय चौक जोधपुर ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मुरेश चन्द पुत श्री सुखदेव जी महेश्वरी मोदी द्वारा मेसर्स जयनारायण मोदी एण्ड मन्य, चौपासनी रोड, जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बों भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बम्स्ची

रावत बिल्डिंग प्लाट नं० 66-67, बच्छराज जी का बाग, चौपासानी रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1807 दिनांक 10 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर ।

दिनांक : 13 फरवरी, 1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

स्रादेश सं० : राज०/महा० स्रा० स्रर्जन/2324—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० खमरा नं० 967 है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णम्प मे वर्णित है), रजिट्टी-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 21 जून, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनिवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किमी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती श्रणची बेवा हिमताजी व गणेण राम पुत नथमल जी घांची, पलीवालों का बास, पाली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नि बाबूभाई पोरवाल पाली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

चक नं० 1 में स्थित खसरा नं० 967 में रकबा 10 बीघा 5 बिस्वा 10 बिस्वांसी जो उप पंजियक, पाली द्वारा ऋम संख्या 1121 दिनांक 21 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में भीर विश्वरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 13-2-1984

मोहर:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपूर, दिनांक 13 फरवरी 1984

श्रादेश सं०: राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2325—यत:, मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 41-बी है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 9 जून, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल में एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ध्यांक्तयों, अर्थातः :—— 29—506GL 83

(1) श्री कल्टैबापाल पुत्र श्री छगनी राम विवेदी गोजनी भेट के जातर, नोजपुर ।

(ग्रन्सरक)

(2) डाक्ट्र युपसा ग्रंशांडा, नीक्चरर इन फिजिक्स, यूनिवर्मिटी श्राफ जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसभी

ज्लाट नं ० 41-बी०, स्थित सरदार क्लब स्कीम, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1753 दिनांक 9 जून 1983 को पंजियद्ध विकथ पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सप्रायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

दिन(क : 13-2-1984

मोहर:

प्ररूप आर्ड्ः, टी. एन. एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायंक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 1984

श्रादेश सं० : राज०/गहा० स्रा० श्रर्जन/2326—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपयें में अधिक है

श्रौर िशाकी सं े कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीयकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6 जुन, 1983,

को पूर्योका सम्पत्ति के उचिया बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रीत्मक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दुरियक में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

(1) श्री राम किशोर पुत्र श्री भगवतीलाल गुप्ता, यहाबोर द्वार्दम फैक्ट्री, फालगा जिला पाली ।

(श्रन्तरक)

(2) लक्ष्मी ग्रौद्योगिक सम्पदा सहकारी समिति, ग्राम जबड़िया, पाली जरिए वेयरमैन श्रीमोगागमल जैन ई-2, ग्रार० एस० ई० बी० कालोनी, पाली । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 कि के भीतर उत्कत स्थायर सम्मित में हितबद्ध कि सी व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि 56 बीघा 8 बिस्वा स्थित ग्राम जबिड्या निकट पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 1045 दिनांक 6 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनोक : 13-2-1984

मोहर :

# प्रकृत नाहरी, दर्जिन हुनानु हुनान के के के करान

# नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपूर, दिनांक 13 फरवरी 1984

श्रादेण सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2327—-यत, मुझे, मोहन सिह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उदत अन्तरण सिबित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अभिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अम्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था क्रियान में सुविधा के निए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ३—— (1) श्री भागीरथ राय पुत्र श्री रावल राम ग्रग्नवाल निवासी—हन्भानगढ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरेश कुमार पुत्र श्री मुख राम, 84 धान मण्डी, हनुमान गढ़ जिला—श्री गंगानगर ।

(मन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यगाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्परकोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं ० ८४, धान मण्डी, हनुमानगढ़ का 1/6 भाग जो उप पंजियक, हनुमानगढ द्वारा क्रमसंख्या 1199 दिनांक 7 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न मे श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह् सक्षम [प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त [(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक : 13-2-1984

मोहर 🔃

प्ररूप बाई. ट्री. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 1984

श्रादेण सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2328---यतः, मुझे मोहन सिट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 84 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 जून, 1983.

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलित में वाम्सविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त स्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को बनुमरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भागीरथ पुत्र श्री रावल राम श्रग्रवाल, निवासी—हन्मानगढ़।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुरेण कुमार पुत्र श्री मुखराम, 84 धान, मण्डी, हनुमानगढ़ जिला श्रीगंगानगर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना अति करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृसूची

दुकान नं० 84, धान मंडी, हनुमानगढ़ जो उप पंजियक हनुमानगढ़ ढारा ऋम संख्या 1188 दिनांक 7 जून, 1983 पर पंजियत विक्रय पत्र में घ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी ृसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 13-2-1984

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 1984

श्रादेश सं० : राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2329—यतः मुझे, भोहन सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बा या खरण भास्तियों को, जिस्हें भारतीय भ्रायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्किनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुलतान चन्द पुत्र श्री रामनारायण, हनमान गढ जंगशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरदारी लाल पुत्र श्री पंजूराम श्ररोड़ा, निवासी—हनुमानगढ़ जंक्शन । (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसर्वा

प्लाट नं० 10, सेक्टर नं० 9/2, मण्डी हनुमानगढ़ जंक्शन का भाग जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा ऋम संख्या 1168 दिनांक 3 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विश्वरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रेंज, जयपूर

विनांक : 13-2-1984

मोहर :

# प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

# शायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

धादेश सं० : राज०/सहा० स्रा० श्रर्जन/2330---यतः मुझे, मोहन सिह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का ग्रारण हैं कि स्थावार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बुकान नं० 84 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 7 जून, 1983.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; अर्दि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अष्यु आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भागीरथ राय पुत्र श्री रावलराम अग्रवाल नियासी—हतुमानगढ्ड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरि सिंह पुत्र श्री भागीरथ 84, धान मण्डी, हनुमानगढ़ जिला--श्रीगंगानगर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी माक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 84, हनुमानगढ़ (धानमण्डी), का 1/6 भाग जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा क्रम संख्या 1189/दिनांक 7-6-83 परपंजिबद्ध विकथ पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक : 13-2-1984

मोहर:

# प्रकष-आर्दः टी. एन. एस. ------

**गायकर ग**िभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

श्रादेश सं० : राज०/सहा० आ० श्रर्जन/2331—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० प्लाट नं० 10 है तथा जो हनुमानगढ़ जंक्णन में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सन्सूची में स्रोर पूर्णान्य में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालग, हनुमानगढ़ में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाक 3 जून, 1983,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में वाम के रश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, इस रश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिसिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-निक क्षा से काथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिखिल व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री मुलतानवन्द पुत्र श्री रामनारायण महेरवरी निवासी--हनुमानगढ़ जंक्शन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुरारीलाल पुत्र श्री पन्जूराम श्ररोड़ा हनुमानगढ़ जंक्शन ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिष्ठ के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनस्ची

प्लाट नं 0 10, सैक्टर नं 0 9/2, मण्डी हनुमानगढ़ जंक्शन का भाग जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा ऋम संख्या 1167 दिनांक 3 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विऋय पदा में स्रौर विस्तृत रूप से विवरणित ।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर ।

विनांक : 13-2-1984

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1361 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

स्रादेश सं०: राज०/सहा० श्रा० स्रजेन/2332—यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं ॰ दुकान नं ० 8 1 है तथा जो हन्मानगढ़ में स्थित है, (श्रीर इससे उपावब श्रनुमूची भें श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हन्मानगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन दिनांक 7 जून, 1983.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य संक्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय एया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त्वत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---

- (1) श्री भागीरय पुत्र राषण राम लयनान निवासी--हन्गानगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मृखराग पुत्त श्री रामधनाप निवासी 84, धान मण्डी, हनुमानगढ़ । जिला—श्रीगंगानगर । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन को तारी का में 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी क्यें क्तियां पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास > लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो रायस अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं 84. धान मण्डी, हनुमानगढ़ का 1/6 भाग जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा दिनांक 7-6-83 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में श्रीर विस्तृत का ने विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीत रेंज, जयपुर

दिनांक: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाह<sup>र</sup>. टी. एन्<u>.</u> एस.;-----

# नास्कर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वु (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 फ़रवरी, 1984

आदेश सं०: राज०,सेहा० आ० अर्जन, 2333-यतः मुझे मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नमें 84 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, और इससे उपाद्यद्व अनुसूची में और पूणक्ष में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया शतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त जीभ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे ब्बने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 30—506GI/83

- (1) श्री भागीरथ पुत्र श्री रावल राम अग्रवाल निवासी हनुमानगढ़ (अन्तरक)
- (2) श्री मुखराम पुत्न राम प्रताप, 84, धानमण्डी, हनुमानगढ़। जिला—श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोचत सम्पृत्ति के मुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिट्रणः — इसमें प्रयुक्त लब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

## वन्त्यी

दुकान नं० 84, धान मण्डी, हनुमानगढ़ का 1/6, भाग जो उप-पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा कम संख्या 1190 दिनांक 7 जून, 1983 पर पंजिबद्ध विकी पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सि**ह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गन रोज, जयपुर

दिनांक : 13-2-1983

मोहर ः

# प्रकम् आइ<sup>द</sup>् टी. एन. एस. ------

बायंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीत स्चना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश मं० मोनीपत/5/83-84--अतः मुझे, आर.० के० भंगाना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- हा से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 11 कनाल बिल्डिंग सहित है तथा जो कुण्डली सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्णेरूप में बेणिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दियमान प्रतिफल से एसे दियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत, उपल अधिनियम के जधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के निए; आंट्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) मैं० ए० आए० यन एण्ड मन्स, अली(पुर रोड, बेह्ली द्वारा श्री अज्ञा राम दत्त पुत्र चौ० आनन्द राम दत्त नि०—24 मल्का गंज रोड, जवाहर नगर देहली, गोपाल कृष्ण दत्त व सनपाल, दत्त पुत्रान अज्ञा राम दत्त (अन्तरक)
- (2) मैं० कलास कैमिक्स एण्ड टैक्सटाइलस मिल्स लि०, कैथल रोड, पेहबा जिला कुरुक्षेत्र द्वारा श्री प्रेम कुमार गोयल ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कारके पृशांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाजांप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की जबीं मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुषारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टोक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिमिनयम, को जध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया ग्या है।

# ममृसुची

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल विल्डिंग के साथ कुण्डली, सोनीपत में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्री मंख्या 866 दिनांक 1-6-83 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🗧

प्ररूप आहर् . टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं (1) को अभीन सूचना

#### भारत् धुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 फरवरी 1984

आदेश मं०: राज० सहा० ग्रांज श्रंजन/2334-यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसको मं० दुकान नं० 84 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भागीरथ राम पुत्र श्री रावल राम अग्रयाल हनुमानगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री भागीरथ निवासीः---84, धानमण्डी, हनुमानगढ़।

(अन्तरिर्दा)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (ण) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्त्र्यी

दुकान नं० 89, धान मण्डी, हनुमानगढ़ का 16, भाग जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा क्रम संख्या 1191 दिनांक 7 जून, 1983 पर पंजिबढ़ विकथ पत्र सें और विस्तृत रूप से विवरणिक्ष है ।

> मोहन सिंह राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जयपुर

दिनांग : 13-2-1984

मोहर :

# प्रकथ साई• सी• एन• एस• ' ' ' '

# नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धनीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 फरवरी 1984

निदेश सं जींद/5/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बीघे 8 बिस्वे है तथा जो अहीरका त० जींद में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जींद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविभा के निष्ए; और/ग
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) सर्व श्री मांगे राम, मनी राम, सत नारायण, जमना बलवान पुतान श्री सुखी राम पुत्र फत्तु, रमेश-नरेश, पुतान सुखीराम पुत्र फत्तु निवासी-अहीरका त० जींद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाप चन्द्र पुत्र शम्भु दयाल पुत्र रामजी लाल नि० जींद श्री निरन्जन गुप्ता पुत्र कुन्दन लाल पुत्र श्री परस राम । निवासी—जींद ।

(अम्तरिती)

- (3) वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)
- (4) श्री सुणील कुमार पुत्न श्री ओम प्रकाण निवासी—जींद । (वह व्यक्ति, जिसके बारे सें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपनेर :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रफाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्थारेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृधे होगा, जो उस वृध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 बीघे 2 बिस्वे अहीरका त० जींद में स्थित है जिसका अधिक विघरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जींद में, रजिस्ट्री संख्या 928 दिनांक 1~6~83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनांक : 13-2-1984

मोहर 🛭

## हरूप वार्ष, टी. एन. एस..------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० जींद/6/83-84—अतः मुझे, आर० के० भयाना, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं भूमि 3 बीचे 8 बिस्वे है तथा जो अहीरका, त० जींद में स्थित है (ग्रीर इससे , उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जींद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वे कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक स्प से किथा नहीं किया गया हैं —

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाव की बाब्त, उक्त अधि-णियम के ब्यान कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; बीट्√या
- (स) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) सर्व श्री मांगे राम, मनी राम, सतनारायण, जमना बलवान पुलान श्री सुखीराम पुत्र फत्तू निवासी—अहीरका तह० जिंद है। रमेण-नरेश पुवान सुखी राम पुत्र फत्तू निवासी अहीरका तह० जीद।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीण राम पुत्र लाला कुन्दन लाल पुत्र श्री परस राम निवासी जीद । श्री मोहनलाल पुत्र शम्भू दयाल पुत्र श्री रामजीलाल निवासी जींद ।

(अन्तरिती)

(4) श्री सुशीलकुमार पुत्र श्री श्रोम प्रकाश निवासी जींद । (वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूबना जारी करके पूजांकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकारियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविकासों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंडे. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहश्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण:---इसमें प्रयुक्त शास्त्रों और पदों का, जो जनत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति 3 बीथे 8 बिस्वे अहीरका तह० जींद में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जींद में, रिजस्ट्री सं० 924 दिनांक 1-6-1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

दिनांग्ह : 13-2-1984

मोहर:

जतः जय, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:-- प्ररूप आई<sup>1</sup>.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 को 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकता कलकत्ता, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० सी॰ 97/7 ज-1V/ कल0/1983-84-- यतः, मुझे, शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंन परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं है तथा जो बानारहाट, जलपाइ-गुड़ी में स्थित है (श्रौर इस सेउपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-6-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृध है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बाखा कर से कार्या नहीं किया ग्वा है दि—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाभ की बाबत उक्त अभि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) कोठारी प्लानटेशन्स इण्डस्ट्रीज लि०।

(अन्तरक)

(2) न्यू टि कम्पनी लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (थ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्र्यी

जमीन—टि गार्डेन का मकान पता—मीजा–बानारहाट, थाना—धुपगुड़ी, जिला— जलपाइगुड़ी नं० –

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

विनांक: 9-2-1984

मोहर:

प्ररूप मार्ड . टी . एम . एस . -----

National Control of the Control of t

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० सी० १६/रेज-4/कल०/1983-84--यनः मुझे, शंकर के० बैनर्जी,

षायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० जैमाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो आगरपाड़ा, थाना-खड़दह, 24-परगना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-6-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण निकृत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए: और/मा
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन भिम्मलिखित व्यक्तियों, अभित हि—-

- (1) वरिन्टाल मिशनरी सिविल कन्स्ट्रक्शन लि० । (अन्तरक)
- (2) टेकसमाको नि०। (अन्तरिती)

को यह सुपना चारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

नक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मरा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए था सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथ्-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन--35 बिधा 14 काठा 4 छटाक 43 स्को० फि० जमीन का साथ मकान । पता--मौजा-आगरपाड़ा, थाना-- खड्दह, जिला--24-परगना । नं० 1/37 इड/

णंकर के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकक्ता

दिनांक: 9-2-1984

मोहर 🕄

इक्प बाइ . टी. एवं .एस . -----

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलक्सा, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० सी० 95/रज-1/कल०/1983-84--यत: मुझे, शंकर के० श्रैनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है

तथा जो रामधन दास

लेन, हावड़ा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-1983

को पृशांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, इक्त निर्धातस्य के नभीत कर दोने के नन्तरक के बासिस्य में कमी कड़ने या सस्ते ब्यूनने में सुविधा के ख़िए; ख़ौड़/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती प्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- को उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शैंलेन्द्र सानतना, संजय, सुसमागनपती, कासिक, अतन्, सरस्वती, चोपा, अनुराधा भौधुरी, श्यामल, अनिल, मुनील, देव, मनोरंजन मुखर्जी ।

(अन्तरक)

(2) कलयानी, गोबिन्द चैटर्जी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके पूर्वों क्या सम्परित के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां कर्या हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोड़ भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हु ते 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंचे।

स्वस्टोकरणः — इस्में प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस नध्याय में दिशा नथा है।

#### अनत्तर्या

जमीन—8 काठा 15 छटाक जमीन। पता—22, रामधन दास लेन, थाना—शिवपुर, जिला—हावड़ा। दिलल सं०—1983 का 3453।

> शंकर के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकता

विनांक : 9-2-1984

मोहर 🏻

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० ए० सी० 94/रेज-4/कल०/1983-84--अतः मझे, शंकर के० वैनर्जी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा

है तथा जो सोनारपुर, 24-परगना

में स्थित है ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप

से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के आधीन, दिनांक 21-6-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिसयों, अधीत्:---

31 -- 506GI '83

(1) डॉमिनियन रत्रर कम्पनी प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) एस० पि० साइकेलस लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन--जमीन का साथ मकान । पता--मौजा---कुमराखाली, मदन मोहल्ला, थाना--सोनारपुर, जिला---24-परगना, दलिल सं०--1983 का 6044 ।

> शंकर के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, कलकत्ता

विनांक : 9-2-1984

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, दिनांक 3 फरवरी 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० आर०-212/एक्वी०--यनः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० म्यूनिसिपल नं० 552/314 (क्वार्टर नं० 27/2) है तथा जो चन्द्र नगर, आलमबाग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-6~1983

को पूर्विका सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री मयन मोहन लाल सङाना ।
  - 2. श्रीमती बिमला सङाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम नरायण बना ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी जुरुषे पृत्रीका संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत त्यिक्त योक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्वां का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झांगा जो जम अध्याय में दिया गया है।

#### **अंत्स्**ची

दो मंजिला भवन म्यूनिसिपल नं० 552/314 (क्बार्टर नं० 27/2), पैसाइणी 3760 वर्ग फिट स्थित चन्द्र नगर आलमनाग, लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 8124 में विणित है जिसका पंजीकरण सव-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, नश्चनऊ

दिनांक : 3-2-1984

मोहर :

#### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 23rd February 1984

No. F. 2/84-SCA(1)—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the February 9, 1984 and appointed them substantively to the post shown against each:

Sl. Name No.								Present Post held	Post in which confirmed
1 2			<del></del> -					3	4
I. Sh. R.C. Gandhi .		•			•			Offg. P.S. to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble
2. Sh. Y.P. Gupta .								Offg. Section Officer	Section Officer
3. Sh. Manohar Lal .								Offg. Section Officer	Section Officer
4. Sh. T.N. Sansi .	•			•		•		Offig. P.S to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'bl Judge
5. Sh. B.R. Gupta .								Offg, Court Master	Court Master
6. Mrs. Sharda Lowe								Offg. Section Officer	Section Officer
7. Sh. A.P. Jain .							•	Offg. P.S. to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge
8. Sh. Suresh Chandra	٠			٠	•			Offg. P. S. to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge
9. Sh. J.K. Sharma								Offg. Court Master	Court Master
0. Sh. Ramesh Sharma								Offg. Section Officer	Section Officer
1. Sh. H.D. Pathak .								Offg, Court Master	Court Master
2. Sh. V.K. Deora								Offg. Section Officer	Section Officer
3. Sh. M.L. Aneja .								Offg. Court Master	Court Master
4. Sh. P.S. Bhatnagar.								Offg. Section Officer	Section Officer
5. Sh. S.D. Sharda .								Offg. Court Master	Court Muster
6. Sh. B.S. Jain	4							Offg. Section Officer	Section Officer
7. Sh. A.M. Srivastava			,					Offg. Court Master	Court Master
8, Sh. R.C. Jain			,		i			Offg. Section Officer	Section Officer
9, Sh. Prem Sagar								Offg. Section Officer	Section Officer
20. Sh. A.L. Jain .				•				Offg. P.S. to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'bl Judge
J. Sh. C.L. Chawla .								Ofl'g, Court Master	Court Master
2. Sh. Darshan Singh					,			Offg. Section Officer	Section Officer
3. Sh. Jagan Nath .								Offg. Section Officer	Section Officer
4. Sh. J.S. Bahri .	•	•	•	•	•			Offg. P.S. to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge
5. Sh. D. Banerjee								Offg. Section Officer	Section Officer
6. Sh. Krishan Lal .								Offg. Court Master	Court Master
7. Sh. P.K. Basu						,		Offg. Court Master	Section Officer
8. Sh. K.C. Sethi .				•			,	Offg, P.S. to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge
9, Sh. R.P. Dua .	•	•		-			٠	Offg. P.S. to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'bl Judge
0. Mrs. Prem Madan								Offg. Section Officer	Section Officer
I. Sh. G.C. Lohani .								Offg. Section Officer	Section Officer
2. Sh. R.N. Verma								Offg. Court Master	Court Master

Deputy Registrar (Admn. J.)

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd February 1984

No. 2/8/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M, L. Juneja, a permanent Personal Assistant in this Commission, as Sr. Personal Assistant in an officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650—1040 with effect from 30th January 1984 to 28th April 1984 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy,
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi-11, the 25th February 1984

No. S-37/65-AD-V.—On attaining the age of superannuation, Shri Sardari Lal, Superintendent of Police, CIU(C)/

CBI/New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

No. S-37/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Sardari Lal, a retired Superintendent of Police, C.B.I., on re-employment as Superintendent of Police in the Central Burcau of Investigation, ClU(C), New Delhi for a period of 6 months with effect from 1st February 1984 to 31st July 1984 in accordance with the existing rules and regulations.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110003, the 24th February 1984

No. O. II-1247/75-Estt.—The services of Shri V. K. Sharma, Dy. S.P. of 3 Signal Bn., CRPF are placed at the

disposal of U.P. Govt., on deputation basis, with effect from 11th February 1984 (AN).

No. O. II-1764/82-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Bhabani Prasad Hazarika as Junior Medical Officer Grade-II in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd February, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

#### CORRIGENDUM

No. P. VII-5/83-Estt.I.—Date of taking over charge in respect of Shri George C Podipara as Commandant Selection Grade appearing at S. No. 37 of this Directorate Notification No. P. VII-5/83-Estt.l dated 19th January 1984 is amended to read as 26th October 1983 instead of 27th October 1983.

#### The 25th February 1984

- No. O. II-1896/83-Estt.I.—The President is pleased to appoint on deputation Shri O. P. Bhutani an IPS officer of UP State as Inspector General of Police in the CRPF.
- 2. Shri Bhutani took over charge of the post of IGP S/IV CRPF, Shillong on the foreroon of 14th February 1984.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 22nd February 1984

No. 10/17/82-Ad.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint, through direct recruitment, Shri Sudama Prasad Ahirwal, as Research Officer (Language) in the Office of the Registrar General, India (Language Division), Calcutta, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 28th January, 1984, until further orders.

2. His headquarters will be at Calcutta,

#### The 25th February 1984

No. 10/31/8/Ad.I.—In continuation of this Office's Notification of even number dated the 1st November 1983, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri M. L. Kumawat, a Senior Geographer in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, to the post of Research Officer (Drawing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, for a further period upto the 31st July, 1984 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. His Headquarters will be at New Delhi.

#### The 27th February 1984

No. 10/4/80-Ad. I—In continuation of this Office Notification of even number dated the 6-9-1983 the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the undormentioned Console Operators in the Office of the Registar General, India, New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office upto the 29-2-1984 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions:—

Si No.	Name		Headquarters					
1	2	· <b></b>				3		
1.	Shri R.L. Puri			,		New Delhi		
2,	Shri A.P. Gupta					New Delhi.		
3.	Shri Satya Prakash		,			New Delhi.		

V. S. VERMA, Rogistrar General, India

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 23rd February 1984

No. Estt./Entt./VI/10.3/226.—Smt. K. P. Rajamma, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Kerala

retired from service on superannuation on 31st Jan 1984 (AN).

No. Estt./Entt./V1/10.3/226.—Shri P. Murukiah, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation on 31st January 1984 (AN).

(Sd.) ILLEGIBLE Accountant General

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 18th February 1984

No. AN/II/2606/84. —The undermentioned Accounts officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation:

SI. No.	Name with Roster No,					Grad <del>e</del>	Date from which trans- ferred to pension Estt,	Organisation
1	2	 		-		3	4	5
S	/Shri.	 				1 <del>1</del>	·	······································
	gabilas Mukherjee (P/14)		•		•	Pt. Accounts Officer	31-10-83	Controller of Account (Fys) Calcutta,
2. Gu	rbuksh Singh Mehta (P/15)			-		Do.	31-10-83	Do.
3. V.	Narayanaswamy (P/25) .	•		•	1	Do.	31-10-83	Controller of Defence Ac- counts (Officers) Pune,
4. M.	Balasubramanian (P/123) .		•	٠		Do.	31-10-83	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras,

J 2			*****			· <del>-</del>	3	4	5
5. Nirmal Chand Chadda (P/12	28)		,		<u>-</u> -		Do.	31-10-83	Controller of Defence Ac- counts (Air Force) D'dun
6. Brij Raj Schgal (P/245) .	•	-	•	•			Do.	31-10-83	Controller of Defence Accounts (Air Force) D'dun.
7. G.C. Srivastava (P/98),		•	•	•	•	•	Do.	30-11-83	Controller of Defence Ac- counts (Pensions) Allahabad,
8, G.R. Saptarshi (RYA).						. '	Offg. Accounts O	officer 30-11-83	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune.

K. GHOSH, Dy. C.G.D.A. (Admin)

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD D. G. O. F. HQRS. CIVIL SERVICE Calcutta-69, the 17th February 1984

No. 5/84/A/E-1 (NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority, in grades and on dates shown against each:

1. Shri P.C. Chowdhury, Offg. Assisant

. Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)

From 30-1-84 until further

orders.

2. Shri. B.P. Gaur, Offg. Assistant.

Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)

Do.

3. Shri Narayan Ch. Biswas, Offg. Assistant.

. Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)

Do.

(2) The above promotions shall abide by the results of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.

(3) The officers mentioned at S. Nos. 1 & 2 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 30-1-84 Shri N.C. Biswas mentioned at SI No. 3 however assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 31-1-84.

> R. K. CHELLAM Member/Per. for Directer Ganeral, Ordnance Factorle

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 20th February 1984

No. 4/G/84.—The President is pleased of appoint the undermentioned officers as Offg W. M. with effect from the date shown against them :-

- (1) Shri R. Ramesh, AWM-30th Nov 1983.
- (2) Shri G. L., Siromani, AWM-30th Nov 1983,

No. 5/G/84.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Olfg AWM with effect from the date shown against him :--

Shri P. R. S. Mani, F/M-1st Aug 1983.

#### CORRIGENDUM

No. 6/G/84.—The following amendment is made to this office Gazette Notification No. 48/G/83, dated 25th October 1983 forwarded under this office letter No. 381/A/G, dated 25th October 1983/2nd November 1983:-

At serial No. 1.

FOR: Shri A. L. Dorairaj, Pt. F/M-10th June 1983.

READ: Shri L. Dorairaj, Pt F/M-10th June, 1983.

No. 7/G/84.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri D. P. Chakraborty, Offg Asstt Director (Supdt, & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st January, 1984 (A.N.).

No. 8/G/84.—On atfaining the age of superannuation (58 vears) Dr. Narendra Chandra Malakar, DDHS (Subst. & Permt. ADHS) retired from service with effect from 31st January, 1984 (AN).

No. 9/G/84.—Shri Ashok Chandra Gupta, Joint General Manager (substantive & permanent Manager/Sr. DADG) voluntarily retired from service with effect from 30th Nov 1983 (AN).

> K. MAHTA, Director (Estt.)

#### MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 20th February 1984 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(Establishment)

No. 1/16/83-ADMN(G)/1456.—The President is pleased to appoint Shri S. Kak, IRS (C&CE-68) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 6th January, 1984 until further orders.

> RAJINDER SINGH Jt. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the February 1984

No. 6/996/72-ADMN(G)/1390.—On attaining the of superannuation, Shri B. L. Tiku, Controller of Imports and Exports in this office is retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January 1984.

#### The 7th February 1984

No. 6/1016/74-ADMN(G)/1391.—On attaining the age of superannuation, Shri O P. Aggarwal, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chied Controller

of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

T. r== ;;== :==

#### The 17th February 1984

No. 6/439/56-ADMN(G)/1361.—Shri Takhat Ram, an onicer of Selection Grade of CSS and Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office retired from Government service with effect from 31st May 1983 (AN) on completion of extended period of service from 1st June 1981 to 31st May 1983.

#### The 26th February 1984

No. 6/1424/83-ADMN(G)/1471.—On attaining the age of superannuation, Shri M. M. Ghoshal, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December 1983.

SHANKAR CHAND Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

#### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 22nd February 1984

No. A 12025(ii)/3/80-Admn.III.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri M. N. Borkar, Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the afternoon of 19th November, 1983.

No. A-12025(iii)/3/83-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 24th January 1984 and until further orders Shri G. Somasekhar, Assistant Director Grade II (Non-Technical), in the National Handloom Design Centre-cum-National Handloom Museum (Weavers Service Centre), New Delhi,

#### The 24th February 1984

No. A-32013/1/83-Admn.llI.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st December, 1983 and until further orders, Shri N. V. Muchrikar, as Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Delhi.

M. P. PINTO

Additional Development Commissioner for Handlooms

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

#### New Delhi-1, the 21st February 1984

No. A-1/1(671).—The President is pleased to accept under F. R. 56(k) the notice dated 5-10-83 of voluntary retirement given by Shri P. S. Sindhoo, permanent Examiner of Stores and officiating Assistant Director of Supplies (Grade II) and permit him to retire from Government Service with effect from 1-11-83 (F/N).

2. This is in supersession of the Notification No. A-1/1(671) dated 31-10-83.

#### The 24th February 1984

No. A·1/1(670).—The President is pleased to accept under F. R. 56(k) the notice dated 13-9-1983 of voluntary retirement given by Shri B. S. Ahluwalia, Permanent Estimator and officiating Assistant Director of Supplies (Grade I) and permit him to retire from Government service with effect from the forenoon of 16-10-83.

This is in supergession of the Notification No. A-1/1(670) dt. 12-10-83.

S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Administration).

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 22nd February 1984

No. 1277B/A.19012(1-VKV)/83-19A.—Shri Vinod Kumar Vaishnav is appointed by the Director General, G.S.I. as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per months in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 27-12-83 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

# New Delhi, the 7th February 1984

#### CORRIGENDUM

No. 10/112/77-S.III.—In partial modification of this Directorate Gazette notification of even number dated 26-6-80 the date of acceptance of the resignation in respect of Shri D. Babu Assistant Engineer All India Radio Indore may be read as 7-4-80 (FN) instead of 31-3-1980 (A/N).

Y. VARMA

Deputy Director of Administration (E), for Director General.

New Delhi, the 21st February 1984

No. 10/91/61-SII.—Shri N. K. V. Pillai, AO, AIR, Calicut has retired voluntarily from service w.e.f. 1-2-1984. He has relinquished charge of the post of Administrative Officer w.e.f. 31-1-84 (A/N).

H. C. JAYAL

Dy. Director Administration

for Director General.

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 21st February 1984

No. A.12025/1/83-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri S. P. Gupta, officiating as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) on ud hoc basis in this Directorate, to the same post in the same organisation on a regular basis with effect from the forenoon of 2nd November, 1983, until further orders.

2. Shri Gupta will be on probation for a period of two years from the date of his regular appointment which may be extended at the discretion of the appointing authority.

G. S. P. SURI Jt. Director.

for Director of Advertising and Visual Publicity.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st February 1984

No. A. 19018/3/83-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim (Kum.) Kausar Parveen to the post of Unani Physician, in the Central Government Health Scheme, Delhi, on regular basis with effect from the 18th November, 1983, until further orders.

T. S. RAO, Dy. Director Admn. (CGHS.1)

# MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

# DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION QUARANTINE AND STORAGE

Faridabod, the 20th February 1984

No. 7-68/83-Adm.I(B).—Sh. Abhiraj Singh, Plant Quarantine Inspector of this Directorate is hereby appointed as Technical Officer (BC) at Parasite Multiplication Unit Bangalore with an initial basic pay of Rs. 650/- p.m., in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28th January, 1984.

K. D. PAHARIA, Plant Protection Adviser

#### DIRFCTORATE OF OILSEEDS DEVELOPMENT

Hyderabad-500 029, the 22nd February 1984

No. F.8-20/73-Fstt.(Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee for Group B posts, the Director, Dte. of Oilseeds Development, Hyd. is pleased to promote Shri D. Someshwar Rao, Senior Technical Assistant (A.D) to the post of Assistant Director (Development) (Group B—Gazetted) in the Directorate of Oilseeds Development, Hyd. on temporary basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from probation for a period of two years from 22-2-1984. He will draw pay and allowances as admissible under the rules.

M. D. WASNIK, Director.

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 23rd February 1984

No. A.19025/102/78.A-III.—The resignation tendered by Sh. Subrata Sarkar from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accepted with effect from 30-6-81 (A.N.).

G. S. SHUKLA, Agricultural Marketing Adviser.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 18th February 1984

No. PPFD/3(262)84-Fstt.I/1732.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S. A. Belhe, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 10, 1984 to the afternoon of March 12, 1984 vice Shri H. H. Shah, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer.

## REACTOR RESFARCH CENTRE

Kalpakkam, the 4th February 1984

No. RRC/A 32023/1/84/R-2389.—In continuation of this Centre's Notification of even number (18756) dated November 21, 1983, Director, Reactor Research Centre has extended the period of officiating promotion of Shri K. Javantheeswaran. a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer Grade III of this Research Centre as Assistant Administrative Officer in the same Centre from 19-1-84 to 2-3-84.

S. VENKATARAMAN Administrative Officer.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th Feb. 1984

No. A-32014/1/83-EC:—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-12001/ and to post them to the stations indicated against each:—

il. No.	Name						Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2			 	 	 	3	4	5
S/S	Shri			 	 	 	<del></del>	<del></del>	
1.	Tirath Singh						Delhi	Delhi	3-12-83 (AN)
2,	R.N. Banerjee		٠			٠.	Calcutta	Calcutta	27-1-84 (FN)
3.	Kaur Singh						Delhi	Delhi	22-1-84 (FN)
4.	J.N. Sana						Calcutta	Calcutta	4-2-84 (FN)
5.	N.K. Manshukha	ni					Delhi	Delhi	23-1-84 (FN)

G. B. LAL Assistant Director of Administration for Director General of Civial Aviation

New Delhi, the 22nd December 1983

tendent to officiate as Administrative Officer (Group 'B' post) on ad hoc basis, in the office of Regional Director, Bombay Region, Bombay Aitport, Bombay for a period of six months with effect from 17-11-1983 (F.N.).

No. A.32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. C. Mulchandani, Superin-

G. B. LAL, Assistant Director of Administration.

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 21st February 1984

No. 1/163/84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V, R. L. Narasimhan, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 15-9-1983 to 14-12-1983 (both days inclusive), against short-term vacancy, on ad hoc basis and as a local arrangement.

R. K. THAKKER, Dy. Director (Admn). for Director General.

#### Bombay, the 22nd February 1984

No. 12/9/84-EST.—The Director General, Overscas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Verma, Officinting Traffic Accounts Officer, as Traffic Accounts Officer in a substantive capacity, with effect from 1-1-1981.

V. D. KULKARNI, Director (Admn.). for Director General.

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 23rd February 1984

No. 2/84.—Sri Jogeswa<sup>7</sup> Bahidar, Superintendent Gr. 'B' of the Collectorate of Central Excise & Customs, Bhubaneswar has retired from Government Service on 31-1-1984 on superannuation.

C. SATAPATHY,
Deputy Collector (P&E).
Central Excise & Customs.
Bhubaneswar.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of\*
Karnad & Bellare Private Limited

Bombay-2, the 4th February 1984

No. 640/2778/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Karnad & Bellare Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Arcot Labs Private Limited

Cochin-682 011, the 23rd February 1984

No. 2809/Liq/560(3)/1946/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Arcot Labs Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Millions Real Estates Private Limited

Cochin-682 011, the 23rd February 1984

No. 3076/Liq/560(3)/1948/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Millions Real Estates Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Malabar Tanneries Limited

#### Cochin-682 011, the 23rd February 1984

No. 1549/Liq/560(3)/1992/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Malabar Tanneries Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M.J.M. Films Private Limited

Cochin-682 011, the 23rd February 1984

No. 1780/Liq/560(5)/1994/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the rame of M.J.M. Films Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Malabar Textiles Syndicate Private Limited

Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 1537/Liq/560(5)/1974/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Malabar Textile Syndicate Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Sree Vihar Private Limited

Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 1953/Liq/560(3)/1976/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sree Vihar Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Modern Electronic Gadgets Engineering Company Private Limited

Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 2712/Liq/560(3)/1968/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Modern Electronic Gadgets Engineering Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and in the matter of Aroor Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 69/Liq/560(3)/1991/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act. 1956 that at the expiry of three months from the

date hereof the name of Aroor Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Royal Granites Private Limited

#### Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 2756/Liq/560(3)/83-84.—Notice is hby n pursuant to Sub-Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Royal Granites Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Kaolin Products Private Limited

#### Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 1959/Liq/560(3)/1985/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Kaolin Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Himachits and Trades Private Limited

#### Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 2239/Liq/560(3)/1982/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Himachits and Trades Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Pioneer Chit Fund Private Limited

#### Cochin-682 011, the 24th February 1984

No. 963/Liq/560(5)/1975/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Pioneer Chit Fund Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Compenies Act, 1956, and of Mini Pumps & Equipments Private Limited

#### Calcutta, the 23rd February 1984

No. 29197/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956 that at he ixpiration of three months from the date hereof

the name of the Mini Pumps & Equipments Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Componies Act, 1956, and of Prize Chit & Savings Company Private Limited.

No. 30377/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956 that the εxpiration of the three months from the date hereof the name of the Prize Chit & Savings Company Private Lmited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Bose & Sons Private Limited

#### Calcutta, the 23rd February 1984

No. 9044/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956 that the expiration of the three months from the date hereof the name of the Bose & Sons Private Limited, unless cause is shown to the countrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Associated Motor & Electrical Works Private Limited

#### Calcutta, the 23rd February 1984

No. 24447/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956 that the expiration of the three months from the date hereof the name of the Associated Motor & Electrical Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Ghoshes Rubber Manufacturing Company Pvt. Ltd.

#### Calcutta, the 23rd February 1984

No. 26346/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 56() of the Companies Act, 1956, that the name of Ghosher Rubber Manufacturing Company Private Limited has this day been struck off the Registrar and he said company is dissolved.

In the matter of the Componies Act, 1956, and of A. K. Sarkar (Wood Works) Private Limited

## Calcutta, the 23rd February 1984

No. 12143/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of A. K. Sarkar (Wood Works) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA. Assistant Registrar of Companies, West Bengal

(Transferee)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5100.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

As per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering,

Officer at Jalandhar on June, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accord to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shrimati Amarjit Kaur Wife of Col. Joginder Singh R/o Topkhana Road, Patiala.

(Transferoi) Kulwinder (2) Shrimati Lakhbir Kaur Athwal W/o Singh

R/o V. Partap Pura Teh. Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property area 2 Kls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1564 of June 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84 Seal;

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5102.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908

(16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Shri Jagat Singh S/o Hari Singh through Mukhtiar-ai-am Sh. Ram Avtar S/o Bhagwan Dass R/o 8/19, Jalandhar Cantt.

  (Transferor)
- (2) Shri Ram Kishan S/o Bhag Ram
  R/o V. Chak Katan Teh. Nakodar Distt. Jalandhar.
  (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 12 Min. submod in V. Kingra and persons as mentioned in the expectation sale deed No. 1661 of June, 83 of the Registering exacts by, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspection Assessment Commissoiner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-81

Seal:

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5103.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ollice of the Registering

Officer at Jalandhar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Col. Joginder Singh S/o Gurdial Singh R/o Top Khanna Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Kulwinder Singh S/o Udham Singh R/o V. Partap Pura Teh. Jalandhar. (Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to (4) Any other be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property area 2 Kls, situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1733 of June 83 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Julandhar.

Date: 9-2-84

Seal:

### FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 9th Pebruary 1984

Ref. No. A.P. No./5104 -- Wherear, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing

No. As per schedule situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Acr 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jalandhar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Col. Gurmit Singh S/o Jaswant Singh R/o V. Boot Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Rantish Bhardwaj Woo Puran Singh R/o V. Badesro Tch. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 17 Mls. situated in V Boot and persons as mentione di nte registration sale deed No. 1783 of June 83 of the Registering Authority, Jalandfur.

> J. L, GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5105.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No. as per schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred nder the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jne 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Smt. Uma Malhotra W/o Madan Mohan R/o Mohalla Mohindru, Jalandhar through attorney Joginder Pal 192-Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferor) (2) Shri Surjit Singh S/o Mehanga Singh and Pardip Kaur W/o Dr. Surjit Singh R/o V. Khajurla Distt. Kapurathala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property plot No. 4 (4000) sq. ft.) situated in Hardial Nagar, Gualia and excepts as mentioned in the registration sale deed No. 1604 of Jane 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspection As estant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5106.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chanchel Singh S/o Bhan Singh R/o Pili Kothi, Garha Wahinda (Jalandhar). (Transferor)
- (2) Balwinder Singh S/o Nirmal Singh and Chanan Kaur W/o Nirmal Singh, 337/7, Central Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 10 Mls. situated in V. Garha and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1812 of June 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5107.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per schedule situated at Boot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which except to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the Trading Income-tex Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax A.t, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Col. Gurmit Singh S/o Jaswant Singh Reo Guiden Colony, near Model Town, Jalandhai (Transferor)

(2) Jaideep Singh S/o Gurcharan Singh and Devinder Singh & Narinder Singh Ss/o Santa Singh R/o 635, Model Town, Jalandhar, (Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 24 Mls. 153 S. ft situated in V. Boot and persons as mentioned in the registratio usale deed No. 1816 of June 83 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-84.

·-----

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Rcf. No. A.P. No./5108,---Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and

hearing No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar on June 83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent enosideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—506GI/83

 Ravi Katyal S/o Inder Sain R/o 455-Shaheed Bhagat Singh Nagar, Jalandhar and Auil Chopra S/o S/o Ram Chander C/o Shishu Model School, Nayya Bazar Jalandhar.

(2) Sewak Ram Sharma S/o Master Dev Raj V. & P.O Garhdiwala, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1822 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE** OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5109.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. As per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhur on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jagat Singh S/o Hari Singh through Mukhtiar-ai-am Sh. Rem Avtar S/o Bhagwan Dass R/o 8/29, Jalandhar Cantt.

(2) Mohinder Singh S/o Bhag Ram V. & P.O.

Chak Kalan, Tch. Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 12 M-67 S, ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1827 of June 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5110.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs, 25,000/- and

bearing No. As per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sohan Singh S/o Bhulla Singh R/o V. Kingra, Teh. Jalandhar through Attorney Charan Dass.

(Transferor)

(2) Maj. Hakim Singh and Sukhinder Kaur D/o Tarlok Singh R/o V. Hussain Shah Wala P.O. Khai Phimi Ki, Distt. Ferozepur.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferec)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsole property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1895 of June 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84.

### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5111.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. As per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Anil Chopra S/o Ram Chander & Sangeeta Mahajan D/o Sh. Dharam Pal R/o Nayya Bazar, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Gurbax Kaur W/o Baldev Singh R/o V, Bano Langer Distt. Kapurthala, (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

• -

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

on whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Property 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1907 of June 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-2-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. III-914/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rotu Lall Mitra

 Shri Sohan Singh S/o Bhulla Singh r/o V. Gingra Teh, Jalandhar through Mukhtiar Balwant Singh.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh Dusanj S/o Pritam r/o 39-L/A, Model House, Jalandhar.

(3) as S. No. 2 above

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. and 1 Kls and 21 Mls. 53 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 1938, 1985 & 2210 respectively of dated June, 83 of the Registration Authority, Jalandhar.

J. L. GİRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5115.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/, and bearing

No, as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Harbhajan Singh, Inderjit Singh r/o City of Sheikhu, Wadala Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Rajan Singh, Swaran Singh, Jasvinder Singh, Mohinder Singh ss/o Nahal Singh of Kapurthala City.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
4. Any other person interested in the property.

(Porson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 2 Kls. situated in City of Sheikhu, Wadala Road, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2001 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5116.—Whereas I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurvinder Singh s/o Hakam Singh r/o 288-Adarsh Nagar, Jalandhar through Mukhtiar Ashok Kumar.

(Transferor)

(2) Shrimati Asha Rani W/o Maharaj Kishan and Maharaj Kishan s/o Amar Nath r/o EC-68, Attari Bazar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 10350 Sq. ft. situated the Basti Pir Dad Khan, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2019 of Pune, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5117.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-

after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per scheduled situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Parblad Singh, Basheshar Singh, Om Prakash Singh, Shakti Singh ss/o Mastan Singh r/o V. Khurla Tch. Jalandhar, Through Prahlad Singh.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh,
Gurmit Singh,
Malkint Singh,
Kulbir Singh,
Piava Singh
ss/o Mehanga Singh
r/o V. Khurla Kingra,
Teh, Jalandhar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 49 Mis. 132 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2048 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5118.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and No as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar on June, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been training stated in the agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely 34-506GI/83

(1) Shri Pirthi Paul Singh Mukhtiar-ai-am Rajiv Banga s/o Kailash Chander Mukhtiar-ai-am Rajiv Banga r/o 438-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamini Banga D o Ram Saran Dass Khanna r/o 438-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said used hereip Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property area 1K-16 Mls, situated in V. Kingra asd persons as mentioned in the registration sale deed No. 2154 of June, 83 of the Registering Authority Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE /NCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5119.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per scheduled situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Parshotam Lal Kakkar s/o Ram Labhaya ER 23, Pucca Bagh, Jalandhar attorney of Prithi Paul Singh. (Transferor)

(2) Shri Narain Datt s/o Munshi Ram and Pawan Kumar s/o B. P. Goel 1./o Netaji Park, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 2 Kls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2155 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhan

Date: 9-2-1984

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5120,--Whereas I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per scheduled situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Rajinder Kumar Kakar s/o Parshotam Lal r/o ER, 22 Pucca Bagh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Tripta Goel W/o B. P. Goel and Summon Goel 8/0 B. P. Goel г/o 40, Netaji Park, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 1 K-12 Ml. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2182 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhas

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

Scal:

(1) Shri Rajiv Banga s/o Kailash Chander R/o 438-R, Model Town, Jalandhar Mukhtiar of Prithipal Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. C. Banga r/o 436-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

(3) As S. No. 2 above.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

(4) Any othe person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

(Person in occupation of the property)

Jalandhar, the 9th February 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. A. P. No./5121.—Whereas I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an dbearing

Rs. 25,000/- an dbearing
No as per schedule situated at V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property 1 K-16 Mls, situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2183 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5122.—Whereas 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No. as per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Offier at Jalandhar on Jnc 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Harnam Kaur D/o Radha Singh, 228-Adarsh Nagar, through Tarsem Lal.

(Transferor)

(2) Shrimati Kanta Chadha w/o Tarsem Lal r/o 411-Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 8000 Sq. ft. situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8193 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authoric
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

### FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ret. No. A. P. No./5123.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule at Basti Sheikh, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh s/o Gujjar Singh Self and Mukhtiar of Arjan Singh, Kartar Singh & Ajit Singh & Such Singh r/o Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jaranail Singh, Retd. Naib Tehsildar S/o Lahora Singh r/o 18-A, Model House, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 4 K-11M-105 S. ft. situated in Basti Sheikh, Jaandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2231 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5124-4125 and 5126.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaitu on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom eor any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforenaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Ratto w/o Bir Singh, r/o V. Raguana, Teh. Jaitu, Distt. Faridkot.

(Transferor)

 Shrimati Bachan Kaur w/o Mukhtiar Singh, r/o V. Bodde, Teh. Moga, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) as s, no. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property land 29 K-9 Mls. (each deed) situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 424, 439 and 513 of June, 83 of the Registering Authority.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5127.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. as per schedule situated at Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurcharan Singh s/o Jaswant Singh, r/o Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Puran Kaur Wd/o Paul Ram & Smt. Surrinder Kaur w/o Charan Dass, r/o V. Sidwan Dona, Distt. Kapurthala,

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property House No. 34, Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2011 of June, 1983 of the Registering authority Jalandhar.

J. I.. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Jalandhar

Date: 9-2-1984

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME\_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5151.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Wariana (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Chandan Singh s/o Chuhar Singh, r/o H. No. BXX-68, Govt. College Road, Ludhiana,

(Transferor)

(2) Shri Parminder Singh s/o Jagir Singh, r/o 511-New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 4 Kls. situated in V. Warlana and persons mentioned in the registration sale deed 2052 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-35—506GI/83

Date: 13-2-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5152.—Wheras, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Budhlada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Asthority

Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kewal Krishan s//o Roshan Lal, r/o Budhlada Teh. Mansa, Distt, Bhatinda,

(Transfeor)

(2) Shri Bir Bhan s/o Shambu Ram and Romesh Kumar s/o Bir Bhan, r/o House No. 289, Ward No. 2, Budhlada tehsil Mansa, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) as s, no. 2 above,

[Person in occupation of the property]

(4) any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property House No. 289 situated in Budhlada and persons as mentioned in the registration sale deed No. 710 of June, 83 of the Registering Authority, Budhlada.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 13-2-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5153.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per scheduled situated at Basti Nau, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harish Kumar & Surinder Kumar ss/o Gobind Ram, r/o E.A. 215, Lal Bazar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Meena Bansal d/o Harbans Lal Bansal, c/o New York Rubber Industries, New Colony, Tanda Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property land 11 Mls, situated in Basti Nau, Jalandhar and persons as mentioned in the egistration sale deed No. 1610 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 13-2-1984

Scal:

### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5154.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Basa Khel, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dalip Singh s/o Harnam Singh, r/o Basti Baba Khel.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Singh s/o Sardar Singh and Sardam Singh, s/o Hazara Singh, r/o V, Jamal Pur, Teh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

roperty and 1 K-6 situated in Basti Baba Khel, Ialandhar and persons as mentioned in the registered sale died No. 1882 of June, 8 of the registering Authority, Ialandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5155.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Urban Estates, Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(I) Shri Darshan Singh Pental s/o Sh. S. S. Jagjodh Singh, c/o Ceat Tyre of India, G. T. Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh s/o Bhag Singh, r/o 186-Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) any other person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Property pot No. 675-Phase No. I, situated in Urban Estates, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2163 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No. 5156 and 5157.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the IT Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1983 Jalandhar on June, 1983

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the tri wferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal Bakshi s/o Sham Dass r/o EI-191 Chahar Bagh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal s/o Dewan Chand, r/o E.F. 252, Mandi Road, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) as s. no. 2 above. [Person in occupation of the property.
- (4) any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer<sup>®</sup> able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property House No. E.G. 872 situated in Mohalla Gobind Garh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos, 2086 of June, 83 and 2435 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income\_tax\*
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A.P. No./5158.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

To as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1983 at Jalandhar on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atomisaid property by the issue of this notice under substitute (1) of Section 269D of the said Act, to the following pettons, namely:—

 Shri Tarlok Chand s/o Shri Kirpa Ram r/o Kishan Pura. Jalandhar through Mukhtiur-Khas Ashok Kumar Thaker.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal s/o Shri Chanan Ram r/o FS-381, Abad Pura, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property House No. 76 (area 8 M-174 Sft.) situated in Link Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1478 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13/2/84

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A.P. No./5159.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Tarlok Chand s/o Shri Kirpa Ram r/o Kishanpura, Jalandhar through Mukhtiar Khas Harbans Singh, EP-89, Saidan Gate, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur w/o Shrl Harbans Singh, R/o EP-89, Seidan Gate,

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from<sup>4</sup> the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 5 M-90 Sq. ft. situated in Link Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1602 of June, 83 of the Registering Authority Julandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A.P. No./5160.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Basti Danishmandan Jalandhar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:——
36—506GI/83

 Shri Bawa Singh r/o Avtar Nagar, Jalandhar Mukhtiar Khas Jagat Singh s/o Devi Chand Basti Banishmandan, Julandhar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar S/o Shri Jagat Ram r/o Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 27 Mls. situated in Basti Danishmandan, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1615 of Iune, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I.. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13/2/84

### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A.P. No./5161.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Abadpura Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shr Sunder Narain s/o Jagan Nath through Mukhtiar Sunder Gopal s/o Jagan Nath, W-G-259, Islamabad, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal Singh s/o Assa Singh r/o N. M. 124, Mohalla Qarar Khan, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property plota 1-Kl. situated in Mohalla Abadpura Jalandhar and persons as mentioned in the registered side deed No. 2037 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13/2/84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A.P. No./5162.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on June,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satnam Jodhka s/o Jagan Nath through Mukhtiar Sunder Gopal Jodhka r/o W. G. 259, Islamabad, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Atinder Kaur w/o Shri Sat Pal Singh r/o N. M. 124, Mohalla Qarar Khan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property plot 1 kl. situated in mohalla Abadpura, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2038 of June, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE JALANDHAR**

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A.P. No./5163.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar,

of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Vidya Wati w/o Shri Vaij Nath r/o NL-56, Kucha Bhadur Kali, Bazar Kalan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi w/o Shri Nathu Ram and Raj Rani w/o Prem Nath, Santosh Kumari, w/o Kishan Lal, Romesh Rani w/o Subhash Chander, r/o NL-56, Kucha Bhadur Kali, Bazar, Kalan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. NL-56 Kucha Bahdur Kali, Bazar Kalan, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2067 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A.P. No./5164.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Harnam Kaur d/o Radha Singh, 228, Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Antte Chadha w/o Shri Ashwani Kumar Chadha r/o 411-Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 8000 sq. ft. situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2018 of June, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5096.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Sultanpur Lodhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Prem Chand Bhandari
 Sho Sh. Durga Dutt Bhandari
 Sultanpur Lodhi

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Lata W/o Prem Chand Bhandari, Mohalla Bhandarian, Sultanpur Lodhi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 399 of June, 1983 of the Registering Authority, Sultanpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

Seal;

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5128.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269°D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable oroperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhucho Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kahan Singh, Dhan Singh Ss/o Sh. Nikha Singh R/o Bhucho Kalan, Teh. Nathana.

(Transferor)

 (2) Shri Mella Singh, Bhadur Singh Ss/o Nidhan Singh
 R/o Bhucho Kalau, Teh. Nathana.

(Transferce)

(3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 628 of June, 1983 of the Registering Authority, Nathana.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

### FORM ITN9

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5129.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kamaljit, Raj Kumai SS/s Sh. Bihari Lal R/o House No. 1161, Gali No. 5, Mandi Abohar. (Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar S/o Mahabir Prasad Gati No. 2, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be inte-

rested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 832 of June, 1983 of the Registering Authority. Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5130.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

37-506GI/83

(1) Shri Om Prakash, Amarjit SS/o Bihari Lal R/o House No. 1161. Gali No. 5, Abohar Mandi. (Transferor)

(2) Shri Naresh KumarS/o Mahabir PrasadR/o Gali No 2, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 896 of June, 1983 of the Registering Authority, Abohar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

#### FORM ITNS----

(1) Shri Bhulla S/o Chhajju V. Kandhala Jattan Tch. Dasuya Distt. Hoshiarpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tarsem Singh S/o Waryam Singh V. Kandhala Jattan. Teh. Dasuya Distt, Hoshiarpur,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Jalandhar, the 9th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. A.P. No./5131.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

as per schedule situated at Vill. Kandhala Jattan Teh. Dasuya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanda on June, 1983

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Tanda on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrume transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 376 of June, 1983 of the Registering Authority, Tanda.

> J. L. GIRDHAR Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 9-2-1984.

Washington and the second seco

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

"OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5132.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the aconsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Dial Singh S/o Jung Singh, Kheta Singh, Teja Singh, Boota Singh Ss/o Jeon Singh Kothi Kameke, N.F.L., Road, Bhatinda. (Transferor)

(2) Shrimati Inderjit Gill D/o Jagdeep Kaur W/o Sh. Harpal Singh Vill Khun Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1292 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhor, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5133.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dial Singh S/o Jang Singh, Kheta Singh, Teja Singh, Boota Singh SS/o Jeon Singh, Kothi Kameke, N.F.L. Road, Bhatinda.

(Transleror)

- (2) Shrimati Manpreet Kaur W/o Satwinder Singh and Stkhvinder Kaur W/o Iqbal Singh C/o Tek Chand, B.K.O. Bank Bazar, Bhatinda. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1293 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandher, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5134.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is

leas than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dial Singh S/o Jang Singh, Kheta Singh, Teja Singh, Boota Singh, SS/o Jeon Singh, Kothi Kameke, N.F.J. Road, Bhatinda, (Transferor)
- (2) Shrimati Tara D/o W. A. March C/o Tek Chand, B.K.O. Benk Buzar, Bhatinda, Parkash Wati D/o Sh. Jagoti Parshad, Bassi Shahpur, Battan Wali Distt Meerut. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1294 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5135.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Manjit Singh
 Mukhtiar Singh
 Vill. Mehma Bhagwana Mukhtiare am of Jagdish Kaur W/o Harpel Singh
 V. Khundja Teh. Muktsar.

(Transferor)

(2) Rajinder Singh S/o Mukund Singh Vill, Pacca Kalan, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPALANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1342 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No. 5136.—Whereas, I. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shrimati Chend Kaur Wd/o Bishan Singh Mansa Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Bharpur Singh S/o Nand Singh C/o S. R. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1732 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5137.—Whereas, I.J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shrimati Birinder Kaur
 D/o Ajmer Singh
 C/o Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines,
 Near Central Jail, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Kuldip Kaur W/o Surinder Singh, Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1927 of June, 1983 of the Registering Authority Bhatinda.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984.

Şeal :

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhor, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No. 5138.—Wherevs, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act is
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—506GI/83

(1) Shri Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines, Near Central Jail, Bhatinda,

(Transferor)
(2) Shri Ujaggar Singh S/o Kehar Singh,
Labh Singh SS/o Ujagar Singh
Vill. RAR Teh. Mansa Atma Singh S/o Hazur Singh
S/o Dula Singh,
Ganda Singh S/o Gaijan Singh.
Mandi Kalan near Rampura Phul.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1930 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5139.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oungt to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Ajmer Singh Mukhtiare-am of Pushpinder Singh, C/o Sh, Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines, near Central Jail, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Labh Singh S/o Ujaggar Singh, Vill. RAR, Tch. Manss.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1931 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 9-2-1984

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5140.-Whereas, I J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhatinda on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shrimati Birinder Kaur D/o Ajmer Smar, Advocate. Civil Lines, Near Central Jail. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ujagar Singh S/o Kehar Singh, Vill, RAR Teh. Mansa.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1928 of June, 1983 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5141.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Balbir Kaur W/o Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines, Near Central Jail. Bhatinda.

(Transleror)

(2) Shri Ujagar Singh S/o Kehar Singh, Vill. RAR, Teh. Mansa.

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Transferee)

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be

interested in the property|

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1934 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

#### FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5142.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Bhatinda on June, 1983

persons, namely:-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (1) Shrimati Balbir Kaur W/o Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines, Near Central Jail Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jagroop Singh S/o Ujaggar Singh, Vill. RAR, Teh. Mansa.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1929 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5143.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Balbir Kaur Mukhtiare-am of Gurcharan, C/o Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines, Near Central Jail, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jagroop Singh S/o Uggar Singh, Vill. RAR, Teh. Mansa.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1933 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

Sent:

\_\_\_\_

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5144.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ajmer Singh S/o Dan Singh, Advocate, Civil Lines, Near Central Jail, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ganda Singh S/o Gajjan Singh, Vill. Mandi Kalan, Near Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1932 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :---

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5145.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Balbir Kaur W/o Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines, Near Central Jail, Bhatinda

(Transferor)

(2) Shri Atma Singh S/o Hazoor Singh Vill, Mandi Kalan,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used beggin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1935 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 9-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5146.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—39—506GI/83

(1) Shrimati Balbir Kaur W/o Ajmer Singh Mukhtiare-am of Guicharan Singh her son C/o Ajmer Singh, Advocate, Civil Lines, Near Central Jail, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ganda Singh S/o Gajjan Singh, Vill. Mandi Kalan, Near Rampura Phul.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1936 of June, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5147.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbux Singh S/o Makhan Singh, R/o Talwandi Sabo

(Transferor)

(2) Shri Bindu Singh, Bogha Singh Ss/o Pritam Singh and Najjar Singh S/o Joginder Singh, R/o Talwandi Sabo.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 977 of June, 1983 of the Registering Authority, Talwardi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 9-2-1984

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5148.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbux Singh S/o Makhan Singh, R/o Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Mukhtiar Singh S/o Makhan Singh, R/o Talwandi Sabo.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 978 of June, 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 9-2-1984

Seal +

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5149.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mehraj Patti Kala Teh. Ram-

pura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rampura Phul in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ....

(1) Shri Chand Singh S/o Dalip Singh, Smt. Surjit Kaur W/o Chand Singh, R/o Mehraj Patti Kala, Teh, Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Roop Singh, Sher Singh Ss/o Karora Singh and Jagrup Singh, Hari Singh Ss/o Atma Singh, R/o Mehraj Patti Kala, Teh. Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1373 of June, 1983 of the Registering Authority Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A. P. No./5150.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rampura Phul in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Khushi Mohamad, Sher Mohamad Sardara, Ss/o Sh. Suleman, R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gurbachan Singh S/o Nand Singh,

2. Smt. Jaswant Kaur W/o Gurcharan Singh,

3. Smt. Malkiat Kaur W/o Sukhminder Singh,

4. Ranjit Kaur W/o Sukhdev Singh, R/o Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1411 of June, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No./5173.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per scheduled situated a Htoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the parties has not been truly extended. as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashok Kumar S/o Vas Dev. Mohalla Jagatpura Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal S/o Vas Dev Mohalla Jagatpura, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3060 of Sept., 1983 of the Registering Authority Hoshiarpur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (13 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No./5174,-Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

(1) Shri Ajit Singh S/o Amir Chand, R/o Moh. Mohesh Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Nasib Kaur W/o Sohan Singh, Vill. Allahabad, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3196 of Oct., 1983 of the Registering Authority Hoshiarpur,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-2-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaandhar, the 13th February 1984

Ref. No. A. P. No./5175,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shrimati Kaushalya Devi Wd/o Shiv Kumar Gupta, Raj Kumar Gupta, Rattan Lal Gupta, S/o Mittar Sain, R/o B-No. 5, Ferozepur Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Ial Sharma S/o Sh. Bhim Chand, R/o 9-Mall, Ferozepur Cantt.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]

 (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3169 of Juy, 1983 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, J. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/6.88/199.--Whereas I. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 1558/1559 situated at kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—506GI/83

(1) 1. Smt. Parvati Devi w/o Bhola Nath Gupta; 2. Shri Rajeshwar Nath Gupta s/o Bhola Nath as Karta of M/s Rajeshwar Nath Gupta HUF; (3) Raghuvinder Nath Gupta as Karta of M/s. Raghuvinder Gupta HUF; and 4. Ravinder Nath Gupta s/o Rajinder Nath Gupta as Karta of M/s. Rajinder Nath Gupta HUF, R/o 1624, Madarsa Road, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Durga Gupta w/o P. D. Gupta; 2. Smt. Ruma Gupta d/o P. D. Gupta, & 3. Uma Aggarwal w/o Suresh Kumar, F-12/6. Model Town, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

½ portion of G. F. Shop of ¼ of Mpl. No. 1558 and ⅓ of Mpl. No. 1559 (new) at 19 Church Road, Kashmere Gate, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 2-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Jagdish Chander Sharma s/o Shri L. R. Sharma R/o 2710 Tri Nagar. Gali No. 203, Delhi-35.

(2) Shri Santosh Kumar s/o Shri Mukat Ram R/o 4466, Aryapura, S. Mandi, Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, E.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/6.83/208—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

E-10, Satyawati Nagar situated at Vill. Sadhora Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A single storeyed house No. E-10, measuring 200 sq. yds. at Satyawati Nagar out of Kh. Nos. 86, 88, 89, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106 and 107 area of village Sadhorakalan, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 2-2-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.1|6.83|218.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Br. 25 000/- and beging

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/19, WeWst Patel Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offifficer at Delhi in June. 1983

in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Puran Devi wife of Shri Diwan Chand r/o 22/128, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sheela Rani w/o Shri Lachman Das Kamra R/o 24/19, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Govt. Built property No. 24/19 measuring 100 sq. yds. situated at West Patel Nagar, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Ac.II/SR.I/6.83/219.—Whereas I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 155, Bassi Darapur situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shakuntla Marwah w/o Shri Bhichhaya Parkash Marwah R/o J/49, 50, West Patel New Delhi.

(Transferor) (2) I. Shri Pooran Chand Sharma; 2. Shri Ramesh

Chand Sharma sons of Shri Kishan Shahai; and 3. Shri Peli Ram Sharma 5/0 Shri Ramji Lal Sharma all R/0 408/5, AKI Gali No. 29. Anand Parbat, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writin to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 155 in Block C mg. 390 sq. yds, situated at Mansarover Garden area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-2-1984

 Sh. Satya Narayan Tulshan R/o 8/2, Alipur Road, Civil Lines, Delhi-110054.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Satya Rani Oswal and Smt. Taru Oswal R/o Oswal House, Sohanlal Street, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELIH

New Delhi the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.1|6.83|220.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/2. Alipur Road, Civil Lines saturated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

The area on the roof of the ground floor measuring 1420 sq. ft. i.e. 131.92 sq. mtr. approx. with the right to construct upto first floor only on the said roof of the vendor's house No. 8/2, Alipur Road, Civil Lines, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

subthe Date : 13-2-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM LT.N.S .-

(1) Smt. Maya Devi wd/o Shri Rani Kumar R/o Qr. No. 22/105, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor) (2) Smt. Nirmala Sharma wd/o Shri Satish Chander Sharma R/o Qr. No. 22/106, West Patel Nagar, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd Feorgary 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/6.83/233.—Whereas I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value avoiding

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/106, West Patel Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed nereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facinitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. 22/106, situated in the abodi of West Patel Nagai, New Delhi-8.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hte following persons, namely :-

Date: 2-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Tara Mani d/o Shi Rum Chander w/o Sh. Babu Ram R/o House No. 704, Shivaji Marg, Azad Market. Delhi-6.

(Transferot)

(2) Sh. Jui Parkash Jain s/o Laih Mal Jain R/o G-3/71, Model Town III, Delhi-9. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.1/6.83/254—Whereas I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No.

C-32, Adarash Nagar Colony situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Northern half portion of plot No. 32 Block C known as C-32 land measuring 200 sq. yds. out of Khasra No. 262/258/217/4 situated at Vill. Bharola, Delhi State abadi known as Adarash Nagar Colony on Bunglow Road, Delhi.

B. L. DHAWAN
Conspetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC: Acq.II/SR.1/6-83/259.—Whereas I, B. L.

DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A-6/7, Rana Partap Bagh situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

in June, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Aicilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Har Sarup Narad s/o Sh. Nirbhay Ram R/o A.31/F, DDA Flats, Munirka, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Populat Properties through its partner Sh. Arun Srivastav S/o Sh. Kishan Gopal R/o 5, Metcalf Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Land measuring 470 sq. yds. bearing Plot No. A-6/7 at Rana Partop Bagh, Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Delhi/New Delhi

Date: 2-2-84 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd Feoruary 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/6.83/200.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 16 Block No. F situated at Vill, Basai Darapur,

De hi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), the Registering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

14-506GI/83

- (1) Shri Baldev Singh S/o S. Dilbagh Singh R/o F-16, Bali Nagar, New Delhi himself and as general ettorney of his sens Sh. Manbu Singh Walia & Sh. Jashii high Ahluwalia: (2) Shii Harbir Ahluwalia s/o Sh. Baldev Singh Ahluwalia P-16, Bali Nagar, New Delhi.
- (Transferor) (2) Sh. Ramesh Chander Arora s/o Sh. Ganga Ram R/o F-16, Bali Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the nai: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 16 Block F measuring 200 sq. yds., situated at Bali Nagar area of vill. Bassai covered area is about 1200 sa. ft.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Delhi/New Delhi

Date: 2-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L.P. ESTATF,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/6.83/273 —Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. M/52, Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has ben transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chauder Bhan R/o M/52, Rajouri Garden, New Delhi.
- (Transferor)
  (2) M/s. Hindustan Tyre Co. Prop. Hindustan Cycle & Tubes (P) Ltd. Industrial Arca 'A' Ludhiana (Puniab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire; later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

M/52, Rajouri Garden, New Delhi, 234 sq. yards,

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 2-2-84

in June 1983

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTALL, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. 1AC/Acq.11/SR.1/6.83/274.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 24, Punjabi Bagh situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Vidya Sager Churamani, Sh. Kewal Krishan Churamani, Sh. Hira Lai Churamani, Sh. Shanti Lai Churamani, Sh. Vishwa Mitter Churamani and Smt. Shanta Sharma sons and daughter of Late Shri Basant Ram Churamani R/o 18/24, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mithan Lal, Sh. Roshan Lal, Sh. Ram Bhagat sons of Shri Banarsi Dass all R/o 4/5168-69, Krishna Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on Plot No. 24 on Road No. 18 measuring 275.44 sq. yds. in Class D situated at Punjabi Bagh area of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 2-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.1/6.83/271.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6, Jaisav Place, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more dian fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the llab" ty of the transferor to pay tax under the said Au, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Savitri Gupta w/o Late Shri Jaipal Gupta R/o Jaisav Place, Hamdard Marg, Delhi-110006.
(Transferor)

(2) Smt. Kusum Bansal w/o Sh. Chand Kishore Bansal, R/o 35/9, Bazar Sita Ram. Delhi-110006.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Second Floor of properties bearing private Nos. 6, Jaisav Place, 5007, Hamdard Marg and 16, Jaisav Place, 5008, Hamdard Marg, Delhi Municipal Ward No VII, 860 sq. ft.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/7.83/298.—Whereas I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

9/15 South Patel Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jaman Lal Bhatia s/o Sh. Punnu Lal Bhatia R/o 80, Golf Links, New Delhi, Gen. Attorney of Sh. Dev Raj Raheja s/o Sh. Mathra Das Raheja R/o 8606 N. Darake Avenue Skokie, Illinoise, U.S.A.

(Transferor)

(2) Sh. S. Anand Singh s/o S. Madhu Sudan Singh R/o EA-179, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Govt. Built Property No. 9/15 situated at South Patel Nagar, New Delhi, Built upon 200 sq. yds.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-2-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. R. C. Sood & Co. Pvt. Ltd. Eros Cinema Building, Jungpura Ext., New Delhi-110014. (Transferor)

(2) M/s. Century Seeds (P) Ltd., 45, Vaishali Pitampura, New Delhi-110034.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1I/37EE/6.83/37.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

A-1/3 Naiwala Bagh, Azadpur situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein os are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 1 on Intermediate Floor (Normal Height) in Plot A-1/3, Naiwala Bagh Azadpur, Delhi Area approx. 550 sq. ft.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1984

#### FORM I.T.N.S.

- (1) Sh. Parma Nand s/o Sh. Zamiat Ram R/o 5687-88, Gali No. 3, New Chandrawal, Subzi Mandi, Delhi-
- (Transferor)
  (2) Sh. Sita Ram Vermani s/o Sh. Devi Dass, R/o
  5688, Gali No. 3, New Chandrawal, Subzi Mandı,
  New Delhi.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE

# G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-1/6-83/270.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 5687 to 5689, Gali No. 3, New Chandrawal. Subzi andi,

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 5687, 5688, 5689 (Old Mpl. No. 7480-A) consisting of six rooms and other fittings and fixtures electric and water fittings situated at New Chandrawal, Gali No. 3. Subzi Mandi, Delhi,

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  $\Lambda$ ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. JAC/Acq.11/SR-1/6-83/258.—Whereas, J. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1690, Ward No. VII situated at Lal Kuan, Delhi

No. 1690, Ward No. VII situated at Lal Kuan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/>>...

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagat Devinder Nath, R/o A-1/34, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(2) 1. Shri Raza-Ul-Haq 2. Smt. Aisha Begum, R/o 2127 Lalkuan, Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 1690 Ward No. VII, Lalkuan, Delhi,

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE COMMISSIONER OF INCOME TAX NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-83/111.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-2, Green Park, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. Range-III, New Delhi in June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

48—495GT/83 42—506GT/83 (1) Mrs. Sushila Devi Saxena,

Shri Dharmendra Mohan Saxena,

Shri Gyanendra Monan Saxena and Shri Surinder Moh

R/o J-5/A, Green Park Extn.,

(Transferor)

 M/s. Gopham Agencies Pvt. Itd. M-134 Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed bunglow with garage and servant quarter built on plot No. A 2 Green Park, New Delhi, Mg. 750 sq. vds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionar of Incame-tax
Acquirition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-83/89.—Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have mason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 307, Padma 10 w. No. II situated at 22 Rajindra Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Aca, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhatia Sahgal Construction Corporation, 48-A Jor ьаgh, New பеілі.

(Transferor)

(2) Kaptan Family (P) Trust,
Flat No. 406, Pragati Tower,
26 Rajindra Place, New Delhi.
Mr. Vishwa Nath &
Mrs. Makini Blandula Mrs. Mohini Bhandula R-633, New Rajindra Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 307 in Padma Tower No. II, 22 Rajindra Place. New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
> Acquisition Runne-11 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dute: 13-2-1984

Soul :

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-83/88,---Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.H.B. Society Ltd. situated at Nirman Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-III, New Delhi in June 1983

IAC, Acq. Range-III, New Delhi in June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. N. Khullar S/o Shri Durga Dass R/o H. No. 3648, Sector-23D, Chandigarh (UT)

(Transferor)

(2) Shri Kailash Pati Dutt Tandan (HUF) Shri Kailash Pati Dutt Tandan (Katra) D-911 Laxmi Bai Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant residential plot measuring 186.67 syd. in Ministry of W.H. & S. C.H.B. Society Ltd., Nriman Vihar, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATI NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/6-83/84.--Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the it anovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Flat No. 131 to 140 in 3 Bhikaji Cama Place,

situated at New Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-III, New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 629C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansai Bhawan, 16. Kasturba Gandhi Mare. New Delhi.

(2) Lohia Machines Ltd. 10 Hailey Road, New Welhi.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flats Nos. 131 to 140 in 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi 3643 sft.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqui ition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 23-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR B 'ILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.111/37EF/87.—Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-30/6, B.C. Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LAC Acq. Range-II, New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ansal Properties & Industries (P) Ltd.
 115Ansa l Bhawan,
 16, K. B. Gander Marg.
 New Delhi.

Transferor(s)

(2) Mrs. Chaman Garg 348 Double Stower, New Rajinder Nagar, New Deint.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. B-30/6 B.C. Place, New Delhi, Mg. 565 sft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissional of Income-tax
Acquirition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

### FORM ITN3--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. 1AC/Acq.III/37EE/6-83/113.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. B-5 in Bhika Cama Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-II, New Delhi in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ansal Properties & Industries (P) Ltd.
 Ansal Bhawan,
 K. Marg,
 New Delhi.

Transferor(s)

(2) B. L. Arora Trust, 105A Saraswati House, 37 Nehru Place, New Delhi.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 40 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Property No. B-5 in Bhikhaji Cama Place, New Delhi, Mg. 412 sft,

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Art. I herrby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS----

(1) Lt. Gen. M. A. Majid and Mrs. Janki Devi Majid, 151 St. Patrick Town, Pune.

(Transferor) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rohit International Consultants (P) Ltd. 503 Pragati Tower, 26 Rajindra Place, New Delhi.

(Transferee) (8)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP TAX ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE **NEW DELHI** 

New Delhi, the 13th February 1984

IAC/Acq.III/37EE/6-83/112.—Whereas, I, Ref. No.

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 504 Pragnti Tower situated at 26 Rajindra Place,

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC/Acq Range-III, New Delhi in June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Commercial (Office) Flat 5()4 Pragati Tower 26 Rajindra Place, New Delhi.

> B. K. GUPTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquirition Range-III Delbi/New Delhi

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS-

 Bhatia Sahgal Construction Corporation, 48-A Jor Bagh, New Deini.

(Transferer)

------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) International Pumps & Projects India (r) L.d. 9 Ring Poad, Lajpat Nagar,-IV, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.111/37EE/7-83/115.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Flat No. 410 in Padma Tower-II situated at 22 Rajindra Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-III, New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 410 in Padma Tower-II, 22 Rajindra Place, New Delhi.

B. K. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-83/123.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 610 Padma Tower-II situated at 22 Rajindra Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-II, New Delhi in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Bhatia Sahgal Construction Corporation, 48-A Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Vij, Mrt. Vikram Vij. Shri Sandeep Vij & Mrs. Kamlesh Vij R/o Patel Nagar, Abohar, Distt. Ferozpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 610 in Padma Tower-II, 22 Rajindra Place, New Delhi.

B. K. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—506GI/83

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sukhilt Singh Ghuman B-2/13 Safderjung Enclave, New Dolhi.

(Transferor) (5)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

(2) M/s. Bhatia Sahgal Construction Corporation, 48-A Jor Bagh, New Delhi. (Transferee)(8)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-83/124.—Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 610 in Padma Tower-II situated at 22 Rajindra Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAO/Acq. Range-II, New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 610 in Padma Tower-II, 22 Rajindra Place, New Delhi.

> B. K. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 13-2-1984

## FORM ITN9---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-83/119.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 306, Hemkunt House, situated at

6 Rajindra Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-III, New Delhi in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Rakesh K. Khiwani E-6 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Swapra Khiwani, R/o 7/38, Rajindra Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in 'he Off' 'al Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 indivisible share in Flat No. 306 Hemkunt House, 6, Rajindra Place, New Delhi.

B. K. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### S/Shri Ishwar Singh & Rajinder Singh Sons of Shri Nafe Singh R/o Village & P.O. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-İ3 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II|6-83|355.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land Vill. Tikri Kalan situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (2) Smt. Kamini Devi Gangwal W/o Shri Bhupendra Kumar Gangwal R/o 8, Lower Row Dan Street, Calcutta-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 5 Bighas and 17 biswas Kh. No. 42/19(2-15), 42/20(3-2) Vill. Tikri Kalan, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Dato: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-83/356.—Whereas, I. B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Agri. land Vill. Tikri Kalan situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Jahwar Singh & Rajinder Singh
 Ss/o Shri Nafe Singh
 R/o Village & P.O.
 Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamini Devi Gangwal W/o Shri Bhupendra Kumar Gangwal R/o 8, Lower Row Dan Street, Calcutta-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Tikri Kalan, Delhi Mg. 9 Bighas and 12 biswas Kh. No. 42/21 19(4-16), 42/22(4-16).

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 14-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-83/357.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Agri. land Vill. Tikri Kalan situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in June, 1983

New Delhi in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Ishwar Singh & Rejinder Singh Se/o Shri Nafe Singh R/o Village & P.O. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Kamini Devi Gangwal W/o Shri Bhupendra Kumar Gangwal R/o 8, Lower Row Dan Street, Calcutta-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Tikri Kalan, Delhi Mg. 9 bighas and 12 biswas Kh. No. 44/1(4-16), 44/2(4-16).

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-83/375A.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. J-12/46 Rajouri Garden, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Gulzari Lal, Sudesh Kumar, Jagdish Chander Parmod Kumar. Susheel Kumar sons of Sh. Lal Chund and Smt. Parkash Wati w/o Late Sh. Lal Chand, r/o 1533/3 Wazir Nagar Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Makhan Singh s/o Sh. Hira Singh Sh. Ravinder Singh s/o Sh. Makhan Singh, r/o J-12/46, Rajouri Garden, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. J-12/46, Mg. 200 sq. yds. Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi\_New Delhi.

Date : 8-2-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-83/439.—Whereas, J,

B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri, land Vill. Mundka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Gulshan Kumar s/o Sh. Ram Narain, r/o WZ-1159 Rani Bagh, Shakurbasti. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s G. R. Enterprises, Rani Bagh Shakurabasti, Delhl through its proprietor Sh. Prem Kumar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 1 Bigha 12 Biswas Kh. No. 247/73/15 Vill. Mundka, Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8/2/84

#### FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NFW DELHI

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-83/452.—Whereas, J. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land Vill. Tikrikalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—44—506GI/83

 S/Shij Ishwar Singh, Rajinder Singh, Nafe Singh, ro Vill, Trikri Kalan, Delhi,

(Transferor)

 Shri Narinder Taneja s/o Sh. Tej Bhan, No. 1/27A Punjabi Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land Mg, Kh. No. 42/18(D-16), 42/23(4-10), 44/3(4-16) Vill. Tikri Kalan, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acception Range-77
Delhi/New Delhi.

Date: 8/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-83/471.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Agri, land Vill. Bamnoli situated at Delhi.

Agri. land Vill. Bamnoli situated at Deini.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as a foresaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Randhir Singh s/o Sh. Shanker r/o Vill. Bamnouli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urmil Gupta w/o Sh. Santosh Gupta, r/o C-4/102 S. D. A., New Delhi.,

(Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd in land measuring 5 bighas 1 biswas Kh. No. 227 Vill Bamnoli, Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Date: 14/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-83/472.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/3rd share Vill, Bamnoli situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Randhir Singh \$/0 Sh. Shanker r/0 Vill. Bamnouli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urmil Gupta w/o Sh. Santosh Gupta, r/o C-4/102 S. D. A., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

1/3rd in land measuring 5 bighas 12 Biswas Kh. No. 229 Vill. Bamnoli, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 14/2/84

(1) Shri Randhir Singh s/o Sh. Shanker R/o Vill. Bamnoli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmil Gupta w/ Sh. Santosh Gupta, r/o C-4/102 S. D. A., New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-83/473.—Whereas, I. B. K. GUPTA.

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land Vill. Bamnoli situated at Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983.

at New Delhi on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 4 bighas 4 bighas 13 biswas Kh. No. 228 Vill. Bamnoli, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 14/2/84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/6-83/715.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 56, Block 2, Khewat situated at Delhi (and more fully described in the Scheduule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

on the Delhi on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh, Apand Kumar Jain so Sh. Ishwari Parshad Jain, r/o 2528 Main Market, Tri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mahinder Kumur Jain s/o Late Sh. S. L. Jain and Smt. Sushma Jain w/o Sh. Rajinder Parsad Jain r/o 27/80, Gali No. 8, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 56, Block 2, out of Khasra No. 792/789 Min. Khewat No. 39 Mg. 200 sq. yds.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-IV/6-83|722.—Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 340 out of Kh. No.338/313 situated at Friends Colony, G. T. Road, Shahadra Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Balraj Miglani 8/0 Sh. P. L. Miglani r/o 12-A West Patel Nagar, Delhi as attorney of L. Jagan Nuth Prop. of M/s Badhwar & Co.

(Transfe.

(2) Sh. Hem Chand Aggarwal s/o Sh. Ram Parshad r/o 1/71, Vishwas Nagar, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 340, out of Kh. No. 338/313 at Friends Colony, G.T. Road, Shahadra, Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue for this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-2-84

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. 1AC/Acq.III/SR-IV|6 83|744.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. D-7, Vill. Ghoundli, Krishan Nagar Village Shahadara, Delhi

situated at Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1983, New Deini on June, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Sabhraí Devi w/o Late Radha Krishan and Smt. Prem Kumari, Prem Kanta w/o Amir Chand both, r/o D-7, Krishan Nagar, Delhi

(Transfe. ....

(2) Sh. Satish Chander Jain s/o Sh. Sukhbir Singh Jain r/o 1437/1, Bhola Nath Nagar, Shahadra, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. D-7 area measuring 200 sq. yds. Vill. Ghoundli in the abadi of Krishan Nagar, Illaqa Shahadara, Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

s/o Sh. Azizur-Rehaman r/o Λ-2/16, Hukam Chand Road, Darya Ganj, Delhi-6.

(1) Sh. Zia-Ur-Rehaman K. Nayyar

(Transfer:

(2) Sh. Ram Saran Dass s/o Sh. Amir Chand r/o B-160, Vivek Vihar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE

NEW DELHI New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. JAC/Acq-ΠI/SR-IV/6-83|746.—Whereas, Ι, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-19, Jhilmil Tahirpur Residential Scheme Vivek Vihar, Illaqa Shahdara, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property No. B-19, Jhilmil Tahirpur Residential Scheme, Vivek Vihar, Illaqa Shahdara, Delhi, Mg. 314.7 sq. yds.

THE SCHEDULE

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/7-83/787.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as the said Act; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-19, Mansarover Park, Shahdara situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1983

Delhi on July 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

45---506GI/83

 Sh. Dalip Singh S/o Sh. S. Kehar Singh, r/o B-23, Mansarover Park, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kajal Art Emporium, R/o 4/872 RS Block, Jhar Khandi Marg, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi through Vinod Kumar S. Raj Aggarwal, Hem Raj Aggarwal s/o Moti Lal Aggarwal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. B-19, Mansarover Park, Shahdara, Delhi. Mg. 200 Sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J11
Delhi/New Delhi,

Date : 14-2-1984

(1) Sh. Belwant Singh and Sh. Chattar Singh, s/o Sh. Sohan Lal, r/o 5616, Gandhi Market, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Dwarka Dass Arora s/o Sh. Raj Mal Arora, r/o AC/11, Ganga Ram Vatika, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-111
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/7-83/496.—Whereas, I.

B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 25 at Ram Lal Block, Ganga Ram Vatika,
Najafgarh Road, New Delhi situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 25, measuring 200 sq. yds., situated at Ram Lal Block, Ganga Ram Vatika, Najafgarh Road, New Delhi.

B. K. GUPTA, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Dalki Nam Dalki Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Gian Kaur w/o S. Mehtab Singh, C-2/148 Janak Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smr. Sushma Juneja W/o Mohian Lal Juneja. 9232, Gali No. 5, Multani Dhanda, Paharganj, N. Delhi.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-II/7-83/523.—Whereas I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. WZ-326 (Plot No. GL-22) 'G' Block situated at Hari
Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

House No. WZ-326 (Plot No. GL-22), 133 sq. yds. 'G' Block Hari Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-2-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-II/7-83/617.—Whereas 1, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Half portion H. No. Mpl. No. EA-35, Kh. No. 1610 Village Naraina, Inderpuri Colony New Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Satya Vaid wd/o Late Shrl A. L. Vaid R/o No. EA-35, Inderpurl, New Delhi.

(2) Sh. Ravi Kiran Kanwar and Sh. Vir Kanwar son of Late Sh. Ramii Dass both R/o No. I 106, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of
   30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that the Chapter.

# THE SCHEDULE

Half portion of house bearing Mpl. No. EA-35, out of Khasra No. 1610 situated in the area of Vill. Naraina in the abadi of Inderpuri Colony, New Delhi. Mg. 100 sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 8-2-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-II/7-83/623.—Whereas I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 35-A in Block A, measuring 217 Sq. yds. Multan Nagar, New Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagdish Chander Gupta son of Sh. Lakshmi Narayan Gupta R/o B-3/86, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parshotam Lal Anand s/o Shiv Ram Anand R/o 20/23 East, Punjabi Bagh. New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 35-A, in Block A, measuring 217 Sq. yds. Multan Nagar, New Delhi area of Vill. Jawala Heri & Madipur Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

FOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83/171.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 164 Municipal Market, Saraswati Marg, Karol Bagh, New Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Shyam Sunder Agarwal son of Bakhtawar Lal, 61/34 New Rohtak Road, New Delhi.
- (Transferor) (2) Shri Anil Kumar Jain son of Munna Lal, Jain R/o 1818, Cirkhana, Maliwara, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 164, Municipal Market, Saraswati Marg, Karol Bagh, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-2-1984

 Shri Hem Raj Munjal, H. No. 644, Mile End Road, Bow (Non-resident), Landon—E3-4LH, U.K.

(Transferor)

(2) M/s. Kum il Propkeni (P) Ltd. 16, Kankar Bagh, Patna.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83/184.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/8th share in House No. E-2 situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

5/8 share in House No. E-2 Green Park, New Delhi of 11 storey on 355.5/9 sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Dated: 1-2-1984

Seal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83/185.-Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to beleive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. 1/8th share in H. No. E-2 Green Park situated at New

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Smt. Sushman Punn w/o Sh. Roshan Lal Punn H. No. 104, Thirs Avenue, Manar Park, London-E-12 U.K.
- (2) M/s Kunal Propkem (P) Ltd. 16, Kankar Bagh, Patna.

(Transferor) (Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/8th share in H. No. E-2, Green Park, New Delhi Total constructed area 197.28 sq. yds.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Dated: 1-2-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Jatinder Mohan Gunjal 8/0 Sh. Hem Raj Gunjal, 511 Katherme Road, Forest Gate, London 1:-7-U.K.

(Transferor)

(2) M/s. Kunal Propkem (P.) Ltd. 16, Kankar Bagh, Patna.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83]186.-Whereas, I. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 1/8th share in House No. E-2 situated at Green Park,

New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1983, New Delhi on June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

1/8th share in House No. E-2, Green Park, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqui ition Range III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-46-506GI/83

Dated: 1-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Kanwal Kant Gunjal s/o Sh. Hem Raj Gunjal, 511 Katheine Road, Forest Gate, London E-7, U.K.

(Transferor)

(2) M/s Kunal Propkem (P) Ltd. 16, Kankan Bagh, Patna.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83/187.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/8th share in House No. E-2, Green Park, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at New Delhi on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/8th share in House No. E-2, Green Park, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 1-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83/192.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Stall No. 13, Gaffar Market, situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arbans Singh s/o Sh. Partap Singh, through GA Prem Kumar.

(Transferor)

6241

(2) Smt. Gian Devi w/o Sh. Dinanath, R/o D-5 West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Stall No. 13 Gaffar Market, Karot Bogh New Delhi.

B K GUPTA
Connected Authority
Inspecting Assistant Cornected, voice of Encometax,
Acquition Range III
Delhi New Delhi

Dated: 1-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83 195.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th undivided share of N. No. 2057, 2058, 2059, situated at Naiwalan Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1902) in the office of the Registration of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kapoor Singh R/o 2057-2058, Naiwalan, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Baljit Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh, R/o 2057-2058 & 2059, Naiwalan Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/6th undivided share of H. No. 2057, 2058 & 2059, Naiwalan, Karol Bagh, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Dated: 1-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III

ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. III/6.83/198.--Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-3/71, situated ut Safdarjang Encl., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Asha Lal Tangari, widow of Late S. Mukesh Tangari, r/o B-3/71, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

6243

(2) Society of the Franciscan Sister of Mony. (Delhi) through the President Rev. Sinter Dulcine Alvarers, B-5/4, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reapective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. B-3/71 Safdarjang Encl. 300 sq. yds., New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income\_tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 1-2-1984

#### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROOM NO. 412, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. III/6.83/203.—Whereas J, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. T. 22, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Puroshottamlal Jaubac s/o Arjun Singh Jaubac r/o A. 63 Shanti Path, Tiluk Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Indu Jain w/o Vijay Kumar Jain S/o Rajendra Pd. Jain and Sushila Devi Jain, W/o Rajindra Pd. Jain C/o. C/1-B Green Park Ext. Mehrauli Road, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2½ storeyed House Built Plot No. T-22 Green Park, New Delhi 200 sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income\_tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 1-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Kartar Singh 13/12, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Jagan Nath, Ajodhia Pd. 3979, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

. .

1

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/6-83/209A.—-Whereas I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 1, Govt. Built,

situated at Bhagat Singh Market, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Govt. Built. property Bhagat Singh Market, New Delhi. Mg. 281 Sq. Ft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 1.2-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/6-83|549|2098.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 88, 1/3 to FF Bhagat Singh Market, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at New Delhl on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Girdhari Lal s/o
 Late Gurcharan Lul.
 Joginder Lal s/o
 Late Gurcharan Lal,
 Smt. Rani Chawla.
 Mrs. Pravesh Luthra w/o
 Darshan Lal Luthra
 through attorney Tarlok Nath Kharband s/o
 Late Haveli Ram Kharbanda
 R/o C-108, West Patel Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Sikander Lal Kharbanda s/o Late Gurcharan, through attorney O. P. Chawla s/o M. R. Chawla, r/o CD/59, Old Kavinagar, Ghaziabad, UP.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 88 measuring land under the super structure 399 sq. ft. charged 2/3 to GF shop 1/3 to FF Flat super structure area 387 sq. ft. situated at Bhagat Singh Market, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Cmmissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 1-2-1984

### NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/6-83/554/209C.—Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearny No.

2255 to 2257 Block K,

situated at Naiwalan, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Roshan Lal r/o E-10, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sharwan Kumar r/o B-70 Swami Nagar, Delhi, Sh. Hukum Chand, Ram Lal, Shanta Malik, Samita Malik, Suman Asoja & others New Delhi,

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 2255 to 2257 and 2247, Block K. Naiwalan, Karol Bagh, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 1-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/7-83/217.—Whereas I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10537, Ward No. XVI, 1606/1147, Naiwala, situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983 on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narinder Singh and Shri Harbhajan Singh ss/o Kartar Singh, r/o 681, Fatchpuri, Delhi. (Transferor)

(2) Pushpa Rani w/o Madan Lal Nayyar, S/o Rura Mal and Harish Nayyar s/o Madan Lal, r/o 10537, Ward No. XVI.

r/o 10537, Ward No WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 10537, Ward No XVI, measuring 254 sq. yds.-1 plot No. 30, Block No. 5, Kh. No. 1606/1147, Naiwala, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi

Date : 1-2-1984 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. 111/SR. III/6.83/219.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ine-evovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

kh. No. 238,

situated at Naiwalan Estate, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Jagjit Kukreja s/o Late Gian Singh Kukreja through G.A. A. K. Anand s/o P. N. Anand, r/o Mahajan House, NDSF, Pt. II New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sanjay & Gaurav Associates (P) Ltd. 2489/9 Beadenpura Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

No. 16/2646 to 2649, 267 sq. yds. Khasra No. 238 Block No. L. Naiwala Estate Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-2-1984

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/7-83/243,—Whereas J, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in property MCD No. 2741 & 1/4th share in plot/kh. No. 41, 1/4th of 167 sq. yds. No. XVI, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) favilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Biji Mohan Lal s/o Shri Dina Nath, Surinder Mohan Lal s/o Late Dina Nath for self and GPA of Manendra Kumar Malhotra s/o Late Dina Nath, Kanish Kumar Mehra s/o Late Dina Nath, Mrs. Rajni Khanna w/o Bal Kishan, d/o Late Dina Nath, r/o 5035, Gali No. 3, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Janak Rani w/o Charan Dass, r/o 2740, Gali No. 22-23, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share in property MCD No. 2741 & 1/4th share in plot/Kh. No. 41 measuring 1/4th of 167 sq. yds. Ward No. XVI Block 'P' Gadi No. 23, Nai Wala, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 1-2-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/7-83/244.—Whereas, J.

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in property MCD No. 2741 & 1/4th, share in plot/kh. No. 41, Ward No. XVI, Block 'P'

situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at New Delhi, on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Brij Mohan I al s/o Late Dina Nath, Surinder Mohan Lal s/o Late Dina Nath, Kanishk Kumar Mehra, s/o Late Dina Nath, Mrs. Rajni Khanna d, o Late Dina Nath, w/o Bal Kishan, r/o 5035, Gali No. 3, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Rani w.o Shie Bhim Singh, r/o 2740 Gali No. 22-23, Beadonpura, Karol Bagh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in property MCD No. 2741 & 1/4th share in plot/Kh. No. 41, measuring 167 sq. yds (1/4th of 167 sq. yds.) Ward No. XVI, Block 'P' Gali No. 22, Nai Wala, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, Delbi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section, 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely:

Date: 1-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 412, CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. JAC/Acq. III/SR.1II/7.83/248.--Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 4,

situated at Hauz Khan Enclave, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ween transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Suhagwanti w/o S. Jiwand Singh, r/o D. II, South Ext. Part. II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Damsel Investments Ltd. 33, Braboune Road, 7th Floor, Calcutta-700001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 4 situated at Hauz Khan Enclave, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/Ncw Delhi

Date: 1-2-1984

#### FORM ITNS------

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. III/7.83/249.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. A-2, situated at Green Park Ext., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushila Devi Saxena, Dharmendra Mohan Saxena, Gyanendra Mohan Saxena & Surendra Mohan Saxena, J-5/A Green Park Ext., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Cepham Agencies Pvt. Ltd. M-134, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed Bumgalow with garage & Servant Quarter Built on Plot No. A-2 Green Park, New Delhi measuring 750 sq. yds. (or 626 sq. mtrs.).

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi

Date: 1-2-1984

FORM JTNS----

 Sh. Şampooran Singh s/o Bhagwan Singh, through attorney Hardeep Singh s/o Kartar Singh Lumba, r/o B. 1/73 Azad Apartments. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Kartar Singh s/o Nihal Singh, r/o 2630 Bank Street Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQÚISITION RANGE, Room no. 412, cr building, 1. p. fstate, new delhi

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC Acq. III/SR. III/7.83/250.—Whereas I, B. K. GUPTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 236-B BID, situated at Sarvodaya Enclave, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 236 B Block No. 'D' measuring 299 sq. yds. Sarvodaya Enclave, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G 13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATE NFW DELHI

New Delhi, the 14th February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/8-83/SR-IV/732.—Whereas, J. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proper'y, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

340/1, situated at Friends Colony, Shahadra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Maya Aggarwal w/o Ram Gopal Aggarwal, r/o 2007 Shanti Mohalla. Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal Aggarwal s/o Shri Kewal Ram Aggarwal, r/o A-5/6, Jhilmil Indl. Area, Delhi.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of property No. 540/1 at Friends Colony, Shahadra, Delhi.

Area: 252 sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 14-2-1984

Scal 🛫

48 —506GL/83

#### FORM I.T.N.S.

(1) R. P. M. Chhatwal, A-41, N.D.S.E. Part-II. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 Vijay Kumar Dhall 8/0
 Sh. K. L. Dhall,
 r/o A-185, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 1st February 1984

IAC/Acq. III/SR-III/6-83/189.—Whereas B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 41-A situated at N.D.S.E.-II, New Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property No. 41-A, Block, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

Date: 1-2-1984

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. memely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Gulshan Kumar s/o
 Sh. Ram Narain,
 r/o WZ-1159, Rani Bagh, Shakurbasti,
 Delhi.

('Transferor)

(2) Shri Ram Naram & Sons, Rani Bagh, Shakurbasti, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th February 1984

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/6-83/438,---Whereas I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agri. Rand, situated at Vill. Mundka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any if the aforesaid persons within a period of 45 day; from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 8 biswas, Kh. No. 247/50/16, Vill. Mundka, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 8-2-1984.

(1) Mrs. Usha Vasudeo Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Hoshang Navroji Bilimoria.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/1740/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Industrial Gala No. C-228-A, Ghatkopar, Industrial Estate, Ghatkopar

situated at L. B. S. Marg, Ghatkopnr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4th June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, od the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Gala No. C-228-A, Ghatkopar Industrial Estate, L. B. Shastri Marg, Bombay-400 086. The Agreement has been registered by the Competent Authority, under Serial No. AR-III/954/83-84, dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-2-1984

(1) M/s. Home Makers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D'Souza Valerian.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE.2181/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 7, 2nd floor, Durgha St., Plot No. 1371, TPS. II, Mahim Division, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Heat No. 7, 2nd floor, Durgha St., Plot No. 1371 of TPS, II of Mahim Division, Mahim, Bombay-16. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE, 2181/83-84 dt. 6-6-1983.

> S. II. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 10-2-1984

(1) M/s. Home Makers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Usman Bhoria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-11/37EE, 2159/83-84,---Whereas I, S. II. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Flat No. 2, 1st floor, Durgha St., Plot No. 1371 of TPS.II of Mahim Division, Mahim, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Durgha Street, Plot No. 1371 of TPS. II of Mahim Division, Mahim, Bombay-16. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2159/83-84 dt. 2-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

PART [II—Sec. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-JJI/1748/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 39, 5th Floor, Jalaram Nagar, Bldg. No. 3 Vallabh Baug Lanc, Ghatkopai (E) Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1905 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow ing persons, namely :-

(1) Shri Kantilal Vasanji,

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Shreeniwas Somani.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 39, 5th floor, Jalara, Nagar Bldg. No. 3, Vallabh Baug Lane, Ghatkopar (E) Bombay-77,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR 111/845/83-84 dated 2-6-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, Bombay

Date: 9-2-1984

#### FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Bhanu Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sphoorti Krishnakumar Vaity

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2118, 83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 2, Building B, 7, Plot bearing No. 240(p) Agra Road, Mulund, Bombay situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9th June 1983, for an apparent consideration which is less than

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officiel Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Road, Mulund, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/957/83-84 dated 9-6-1983.

Flat No. 2, Building B/7. Plot bearing No. 240(p) Agra

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range III, Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Date: 9-2-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Bhanu Builders & Shriram Builders

(Transferor)

#### (2) Shri Kiran Kamalkar Kulkarni

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/2119/83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 19, 4th floor, S. No. 241/3 (Part) at Bombay Agra Road, Mulund, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 19, 4th floor, S. No. 241/2 (Part) at Bombay Agra, Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/962/83-84 dated 9-8-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely :--

Date: 9-2-1984

Seal:

49 -- 506GL'83

interested in the property)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be

#### FORM NO. I.T.N.S.—

(1) 1. Smt. Taraben Nagji Nissar Smt. Kesharben Mavji Nissar
 Shri Suryakant Devji Nissar &
 Smt. Versha N. Shah.

2. Smt. Pushpa D. Thakkar

(3) Transferce

Society Ltd.

(2) J. Shri Dharmesh R. Thakkar and

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR. 11/37EE/2223/83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Garage No. 7 and 8 and Office (Known as Society's Office),
Tara Kunj, New Santacruz Kalpana Co-operative Housing
Society Ltd., Bessant Street Santacruz (W), Bombay-400 054
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authotity of

at Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2/ of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(4) New Santacruz Kalpana Co-operative Housing

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Garage No. 7 and 8 and Office (Known as Society Office) Tara Kunj, Plot No. 4G & 4 E of C.T.S. No. H/16, H/17, H/18 and 15-B, New Santacruz Kalpana Co-operative Housing Society Ltd., Bessant Street, Santacruz (West), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR. II/2223/83-84, dt. 2-6-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:---

Date: 10-2-1984

(1) Shri Girdharilal R. Mulchandani

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Bhagwandas Shewakram Assudani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Rel. No. AR-11/37EE-2467/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 25, Ground floor, Hari Market, Khar. Bombay-400052 situated at Khar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and bearing No.

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

whichever period expires later;

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 25. Ground floor, Hari Market, Khar, Bombay-400 052. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2467/83-84 dt. 6-6-83.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR 111/2073/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 20, 4th floor, Kavita, Hari Hara Puthra Co.-op. Hsg. Society, Chheda Nagar, Chembur, Bombay-89

(all more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shrl P. V. Krishnajce

(Transferor)

(2) Smt. Rukmini Krishnan

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 20, 4th floor, Kavita, Hari Hara Puthra Co.op. Hsg. Society Chheda Nagar, Chembur, Bombay-400 089.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/960/83-84 dated 9-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date: 9-2-1984

(1) Mrs. Jaya P. Manek

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss Dimple N. Raithatha and Miss Hetal Navnit Raithatha.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

No. AR-II/β7EE-2392/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 7 Damodar Bhuvan Co-op. Housing Soc, Ltd., 35 Vallabhbhai Patel Road, Vile Parel (West), Bombay-57 and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

situated at Vile Parle

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDUULE

Shop No. 7, Dumodar Bhuvan Co.-op. Housing Soc. Ltd. 35 Vallabhbhai Patel Road, Vile Parle (West), Bombay-57. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE-2392/83-84 dt. 6-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-2-1984

(1) M/s. Ashok Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/1764/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 13 in Kailash Kripa of Kanjur Co-op, Hsg.

Soc. Ltd., Plot No. 69, Damle Colony, Kanjurmarg,

Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri T. K. Anthony Vincent

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whiechever period exprires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/980/83, dated 3rd

Residential Flat No. 13 in Kailash Kripa Bldg., 3rd Floor, Plot No. 69, of Kanjur Co-op. Hsg, Society Ltd. Damle Colony, Kanjurmarg Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 21-1-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2082/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 6, Maitri Park Co-op. Housing Soc. Ltd.,

133-135 Sion Trombay Rd. Chembur, Bombay-71 situated at Chembur

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs. Sosamma Abraham

(Transferor)

(2) Shri Prakash Jarappa Shetty

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same caning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Maitri Park Co-op. Housing Soc. Ltd., 133-135 Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrapt No. AR-HF/958/83-84 dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the roid Act, to the following persons, mamely:—

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE-2694/83-84.—Whereas, 1,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and beraing No. Plot of land with structures at Khar, being plot No. 460 in the Registration sub district of Bandra bearing No. H4623 of Khar Scheme SS VII & CTS No. E/156

situated at Khar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I. T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bon Behari Vishnu Nimbkar

(Transferor)

- 1. Prem Naraindas Amarnani
- 2. Prakash Naraindas Amarnani
- 3. Dhanwanti Naraindas Amarnani 4. Mrs. Neeta Prem Amarnani
- 5. Mrs. Poonam Haresh Amarnani
- Vishal Prem Amarnani Minor
- 7. Sanjay Prem Amarnani Minor 8. Pawan Prem Amarnani Minor
- 9. Sushil Prakash Amarnani Minor 10. Girish Prakash Amarnani Minor
- 11. Umesh Jaikishin Amarnani Minor
- 12. Viktam Haresh Amarnani Minor
- 13. Mr. Jaikishin Naraindas Ararnani 14. Mr. Haresh Naraindas Amarnani
- 15. Mr. Nand Naraindas Amarnani
- 16. Mr. Naraindas Dayaram Amarnani
- 17. Mr. Rju Naraindas Amarnani

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land with structures at Khar being, plot tNo. 460 in the Registration sub district of Bandra bearing No. H 4623 of Khar Scheme, SS VII & CTS No. E/156. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37FE/2694/83-84, dated 20th June 1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-2-1984

(1) Shri Chiman Vensimal Mirchandani

(Transferor)

(2) Shri Nandkumar Kanayalal Kalro

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II/37FF-2673/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Fat No. 17 Pot No. 315, Ashoka Palace Co-op. Soc. Ltd., Godhbunder Road, Santacruz (West), Bombay situated at Santacruz (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 20-6-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, Plot No. 315, Ashoka Palace Co-op. Society Ltd. Godhbunder Road, Santacruz (West), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE-2673/83-84, dated 20-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ——50-506GI/83

Date: 10-2-1984

- (1) Shri Sanjay Ranchhodlal Shah,
- (Transferor)
- (2) Shri Banarsilal S. Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE-2662/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaue exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/3rd share in Plot No. 27, 11th North/South Road, Juhu Vile Parle Development Scheme, Bombay

situated at Santacruz (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 20-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shull have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd share in Plot No. 27, 11th North/South Road, Juhu Vile Parle Development Scheme, Bombay. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2662/83-84 dated 20th June 1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date; 9-2-1984

Seal |

(1) M/s. Mahavir Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Thandiram Sarupchand Jain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE-2796/83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 101, 1st floor, Narayan Nivas, Plot 548, Bandra, TPS. III, Bombay-50 situated at Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 20-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of tb's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Narayan Nivas, Plot No. 548, TPS. III, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE-2796/83-84 dated 20-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Date: 10-2-1984

- (1) (1) Gunwant Rai Chhelshankar
   (2) Dhirajlal Chhelshankar Vora
   (3) Umakant Chhelshankar Vora

  - (4) Arun Chhelshankar Vora
  - (5) Surendra Chhelshankar Vora (6) Bhagirathi Kishanlal Chanchani

('Transferor)

(2) Shri Hemant H, Patel

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE-2490/83-84.—Whereas, I, H. ABBAS ABÍDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2 Storeyed Bldg. at Junction of North Avenue & V. P. Rd. known as Pratik North Avenue Santacruz (W), Bombay-54 situated at Santacruz (W)

(and more fully described in the Schedule ganexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Pability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the "mafer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDUULE

2 Stories Building Located at Junction of North Avenue & V. P. Road on Plot No. 408A having 8 flats known as Pratik North Avenue, Santacruz West, Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II/37EE-2490/83-84, dated 13-6-1983.

> \$. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/487/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 727, 726 & 688 and bearing C. S. No. 584/10 of Matunga Division situated at Dadar, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Miss Mary C. P. Wadia 2. Miss Rutty C. P. Wadia & Mr. Feroze H. Schobot, Trustees of Settlement dated 11-7-1917 created by late Pestonjee Ardescer Hormoriee.

(Transferor)

(2) M/s. Shubh Enterprises.

(Transferce)

(2) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 727, 726 & 688, P. A. Hormarjee Building No. 4, 5 & 6 & Cadastral Survey No. 584/10 of Matunga Division, Dadar Parsee Colony, Dadar, Bombay-400 014. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/458/83-84, dated 22-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1984

Scal:

(1) M/s. Silverwing Roadways

(Transferor)

(2) M/s. Lakhamshi Dayaram & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Rcf. No. AR-1/37EE/477/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Office Premises No. 205, Popatlal Chambers situated at Dana Bunder

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 205, 2nd floor, Popatlal Chambers, Clive Road 3rd Cross Lane, Dana Bunder, Bombay-400 009. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. ACQN. RANGE-1/441/83-84, dated 16-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

(1) M/s. Krcda Investment Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Rambhaben Vrajlal Shah and Shri Maheshkumar Vrajlal Shah

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2117/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 43, 4th floor, Himmat Apartment, B-1, Mulund (West), Bombay situated at Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as weed defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Himmat Apartment B-1, Mulund (West) Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/959/83-84, dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-2-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1969/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 23, Asha Building of Canara Bank Employees Housing Society Ltd., 192 Garodia Nagar, Ghatkopar (E) Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. K. Vithal Bhat.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Gangadhar Shanbhag.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23, Asha Bldgs, of Canara Bank Employees Housing Society Ltd., 192, Garodia Nagar, Ghatkopar (E) Bombay-77.

The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/952/83-84, dated 9-6-1983,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-2-1984

Seal;

FORM MINS -----

(!) Smt. Meena Bipin Mehta,

(Transferor)

(2) Shri Jayant Ramshankar Joshi,

(Transferce)

(2) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/554/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQΛYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 5, 'Nirmala Mahal' situated at Bomanji Petit Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

51—506GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ani-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, 'Nirmala Mahal', Bomanji Petit Road, Bombay-400036. The Agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqu. Range-1/472/83-84 dated 29-6-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-2-1984

(1) Shri D. N. Parimoo and Smt. Roopa Parimoo

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Rajrani Sachdev.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2165/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 910, 9th floor, C Building of Ushanagar Co-op. Housing Society Ltd. situated at Bhandup, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under

section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 910, 9th floor, a building of New Mahanagar Co-op. Housing Society Ltd., Village Road, Bhandup, Bombay-78. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/968/83-84, dated 9-6-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

(1) M/s. Nahar Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mansukhlal Mala Ram & Sita Ram. Mala Ram (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7AX AC1, 1701 (43 O1 1701)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2000/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 605, 6th floor, Pooja, Mahul Road

situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9th June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor, Pooja, Mohul Road, Chembur, Bombay-71. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/949/83-84 dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. K. P. Chawla.

(Transferor)

(2) Mrs. Roopa Farimoo

(Transferee)

(2) Mrs. Roopa Farimoo

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2195/83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 31, 6th I-loor, Advani Apartments Co-op, Housing Soc. Ltd, situated at Mulund (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 6th floor, Advant Apartments, Co-op. Hsg. Society Ltd., Mulund (W) Bombay-80. The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/950/83-84 dated 9-6-1983.

> A. LAHIR1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

#### (1) Shri T. Gangadharudu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bhagwandas Sarandas Shah, Smt. Jayaben Bhagwandas Shab.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2031/83-84.—-Whereas, I,  $\Lambda$ . LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. D-9, 2nd floro, Ghatkopar Gardenview Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., situated at Ghatkopar (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
   45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D-9, 2nd floor, Ghatkopar Gardenview Apartments Co-op. Housig Soc. Ltd. (formerly Tiger Apartmets) Near Sarvodava Hospital, Golibar Road, Ghatkopar (W) Bombay-86. The Agreemet has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. AR-III/83-84, dt. 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

#### FORM I.T.N.S.——

(1) Smt. Usha Ramesh Joshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Satishkumar Himatlal Vora,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2032/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 9, Bharti Building, Devpuri Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Plot No. 101, Bharti Building, Devpuri Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkopar (F) Bombay-400077. The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Scrial No. AR-III/967/83-84 dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-2-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM TINS----

(1) Mr. H. V. Salian

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shahjahan Begum Hasanali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferec.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. ΛR-III/37EE/1962/83-84.--Whereas, I, Λ. LΛHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 27, 2nd floor, Kailash Parbat Co-op. Hsg. Soc. Ltd. at Santacruz (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the eCompetent Authority at

Bombay on 9th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 27, 2nd floor Kailash Parbhat Co-op Housing Society Ltd., Santacruz (E) Vidya Nagar Road, Bombay-98, The Agreement has been registered-with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/966/83-84 dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-2-1984

FORM LT.N.S.-- ----

(1) Lilinkumar Reshavji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ambe Book House.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2048/83-84.—Whereas, I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 2, Mayur Mahal, M.G. Road Mulund (West) Bombay-400080 Mulund (West) Bombay-400080

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Mayur Mahal, M.G. Road, Mulund (W) Bombay-400080. The Agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No AR-III/ 956/83-84, dated 9-6-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS----

(1) Miss Rebeka Joseph Samson.

(Transferor)

- (2) I. Mr. Yusuf Ebrahim Goriawala.
  - 2. Mr. Azra Y, Goriawala and
  - 3. Mr. Bharat J. Sanyal.

(Transferec)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1.
BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-1/37EE/467/83-84.—Whereas, 1, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 47, 2nd floor, Tardeo Air-Conditioned Market

Tardeo Main Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 47, 2nd floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo Main Road, Bombay-400 034. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-I 457/83-84, dated 23-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 13-2-1984

52 -506GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-I/37FE/786/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 6, Gr. floor, Shanti Kunj

Co-op. Hsg. Society situated at Sion (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Nalini V. Ragade.

(Transferor)

(2) Mrs. V. S. Seethalakshmi Ammal

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ground floor, Plot No. 279, Shanti Kunj Co-op Hsg. Society, Road No. 31, Sion (East) Bombay-400022. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-I. 48/83 84, dated 21-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-2-1984

Harshadrai Chhaganlai Lakhani; 2. Smt. (1) 1. Shri Premila Harshdrai Lukhani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Taraben Bhikhalal Shah & Shah Yomesh Natwarlal Shah. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bembay, the 13th February 1984

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AR-1/37EE/501/83-84.—Whereas I, R. K.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-

red to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding

being the Competent Authority under Section 269B of

Room No. 37, 2nd floor, Jawahar Mansion situated at Sitaram Podar Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-6-1983

Rs. 25,000/- and bearing No.

BAQAYA.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Room No. 37, 2nd floor, Jawahar Mansion, Sitara, Podar Marg, Thakurdwar Road, Rombay 400 002. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/492/83-84, dated 21-6-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th Lebruary 1984

Ref. No. AR-1/37FE/500/83-84.—Whereas I, R. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Southern portion on 3rd floor, Fountain Chambers, Nanabhoy Lane, Fort, Bombay-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Lalit Gopal Borry,

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa J. Dadlani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Southern portion of 3rd floor, Fountain Chambers, Nanabhoy Lane, Fort, Bombay-400 023. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/469/83-84, dated 20-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

#### FORM ITNS---

(1) M/s. B. A. Neiurkar & A. M. Khwaja.

\_\_\_\_\_\_

(Transferor)

(2) Smt. Shilpa Sharad Karaude.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF MIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1984

Ref. No. AR-II/37LE,2505/83-84.--Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 3, ground floor, at College Lane, Agar Bazar, Bombay-28

situated at Mahim

\_\_\_\_\_\_

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 13-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than teen per cent of such apparent consideration and that the maideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) factitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any lacouse arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on Ground floor, (of the building to be constructed on F. No. 839 at College Lane, Agas, Bagar, TPS IV, Mahim Bombay 28. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2505'83-84 dated 13-6-1983.

S. H. ABBAS ABID1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid prperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1984

Scal 1

(1) Renuka Raghunathan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The same of the sa

(2) Mr. Bappy Gonsalves Anchorage.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1984

Ref. No. A ABBAS ABIDI, AR-II/2642, 83-84.--Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 9, 2nd floor. Vijay Shubh Niwas CHS Ltd., 2nd
Pandya Lane, Juhu Tara Road, Bombay-49, situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 13-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Vijay Shubh Niwas Co-operative Housing Society J. L. 2nd Pandya Lane, Juhu Tara Road, Bombay-400 049. The agreement has been registered by Bombay 400 049. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-II/ 2642/83-84 dt. 13-6-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:---

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE. 2555/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Premises No. 22 on 2nd floor of Veena, Beena Shopping Centre, CTS No. F/1361-C Turner Road, Bandra (W), Bombay-50, situated at Bandra (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sangeeta Construction Co.

(Transferor)

(2) Evershine Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 22 on 2nd floor of Veena, Beena Shopping Centre, CTS No. F/1361-C Turner Road, Bandra (W), Bombay-50. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37 EE/2555/83-84 dt. 6-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-2-1954 Seal:

(1) Shri Ashok T. Gaba.

(Transferor)

(2) Shri Angara Poojari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-11/37EE/2794/83-84.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. C-2. Ground floor, Sahit Coop, Housing Society Ltd. (Sheel Apartment) Plot Nos. 598-99. Corner of 16th Rd., Bandra, Bombay-60 and situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered w's. 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 20-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducting or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-2, Gr. floor, SAHIT Coop, Housing Society Ltd. (Sheel Apartment). Plot Nos. 598-99, Corner of 16th Road. Bandra, Bombay-60,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2794/83-84 dt. 20-6-83.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-2-1984

(1) Shaco Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pushpa D. Advani.

(Transferec)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1984

Ref. No. AR-II/37Ff: 3265/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beging

and bearing
Flat No. 402 4th floor, at Shaio Apts, Krupa Nagar Rd., Irla,
Vile Parle (W) Bombay-36 and situated at Vile Parle
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has ben transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

Bombay on 6-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—506GI/83

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, at Shaco Apartments, Krupa Nagar Road, Irla, Vile-Parle (West), Bombay-56. The agreement has been registered by the Competent Authority, under serial No. AR-II/3265/83-84 dt. 6-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-2-1984

Scal:

(1) Shri P, S. Ramachandran.

(Transferor)

(2) Mr. K. V. Nayak.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1954/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 14, Mathuresh Nagar Coop. Hsg. Society Ltd., Bawa Pradumansingh Cross Road No. 1, Mulund (West) Bombaw-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14, Mathuresh Nagar Coop. Hsg. Society Ltd., Bawa Pradumansingh Cross Road No. 1, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vid. serial No. AR-III/963/83-84 dated 9-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

#### FORM TINS----

#### (1) Nabar Associates.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 26#D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Chandrabhan S. Rohra.

(Transferee)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-RI, BOMBAY

Bombsy, the 9th Sebruary 1984

Ref. No. AR-111/1679 83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 602 6th floor in Pooja at Mahui Road Chembur,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Competent Authority a 1 Bombay on 1-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor in Pooja at Mahul Road, Chembur,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/961/83-84 dated 1-6-83.

> A . I.AHIRÎ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IL/37EE/2519/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 702, A Wing, 7th floor, 'Georgina' Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50 and situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Memraj M. Bhatia.

(Transferor)

(2) Mrs. Mrudula Jaysinh Bhatia.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702, A Wing, 7th uoor, 'Georgina' Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/2519/83-84 dt. 13-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-2-1984

#### FORM ITNS ---

#### (1) Shri Vjjay Gul Jassani.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mukhtar Sultan Manekia & Mrs. M. Manekia, (Transferee) (3) Transeseror.

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (Person in occupation of the property.)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th February 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/3025/83-84.—Whereas, 1, S. H.

ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Shop No. 1, Arabian Apartment, Pitamber Lane, Mahim,
Bombay-16 and situated at Mahim
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T.. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-7-83

at Bombay on 1-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Arabian Apartment, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-II/73EE-3025/83-84 dt. 1-7-83.

> S. H. ABBAS ABIDL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-2-1984

Scal:

\_\_\_\_\_\_\_

#### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

### (1) Mrs. Sajani R. Motwani

(Transferor)

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mrs. Pooja R. Abhichandani

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSAT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III, 2033/83-84.--Whereas, J. A. I.AHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

One flat in the bldg. No. 8A of Navjivan Co.-op. Housing Societyy 1.td., Chembur, Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferco for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning v given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat in the building No. 8-A of Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with Authority, Bombay vide serial No. AR-III/953/83-84, dated 9-6-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Date: 9-2-1983

#### (1) Shri Subhash Ranchhod al Shah

(Transferor)

(2) Mr. Jugalkishore B. Agarwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE/2660/83-84.—Whereas. I. S. H. ABBAS ABIDI.

ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1'3rd share in Plot No. 27, 11th north/south Road Juhu Vile Parle Development Scheme, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is regis ered u/s. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 6-6-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in plot No. 27, 11th North/South Road, Juhu Vile Parle Development Scheme, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE. 2660/83-84 dt. 6-6-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-2-1984

#### (1) M/s. Home Makers.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1984

Ref. No. AR-11/37EE/2387/83-84.—Whereas, I, S. R. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 27. 6th floor Durgha St., Plot No. 1371 of TPS. II, Mahim Division, Mahim, Bombay-16 and situated at Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mr. Umar Kabli & Mrs. Mohrunissa Kabli.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 27, 6th floor Durgha St., Plot No. 1371 of TPS. II, Mahim Division, Mahim, Bombay-16. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2387/83-84 dt. 6-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-2-1984

#### (1) Mr. Shirish Ranchhodlal Shah

(Transferor)

(2) Mr. Bajranglal B. Agarwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE. 2661/83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in Plot No 27, 11th North/South Road, Juhn Vile Parle Development Scheme, Bombay

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Santacruz (W)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-6-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—506GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in Plot No. 27, 11th North/South Road, Juhu Vile Parle Development Scheme, Bombay. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2661/83-84 dt. 13-6-1984.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-2-1983

Scal:

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Home Makers.

(2) Gulzar A. M. Balolia.

(Transferor)

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombny, the 2nd February 1984

Ref. No. AR-II 37EE. 2158/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No.

Flat No. 14, Durgha St., Plot No. 1371 of TPS. II of Mahim Division, Mahim, Bombay-16

and the agreement is registered u.s. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14, Durgha St., Plot No. 1371 of TPS. II of Mahim Division, Mahim, Bombay-16. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2158/83-84 dt. 2-6-83.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-2-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Chandra Badlani.

(Transferor)

(2) Shri Tanvcer Husein H. Merchant,

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. Ak-II-37EE. 2817/83-84.—Whoreas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 18, 3rd floor, Hillcrest Co-op, Housing Society Ltd., 16th Road, TPS III Bandra, Bombay 400 050

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the I.T. Act 1961, in the cince of the Competent Authority, Bombay on 20-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Hillcrest Co.-op. Housing Society Ltd., 16th Road, TPS. III, Banda, Bombay-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2817/83-84 dt. 20-6-83.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE. 2410/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>b</sub>. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 13, Shatimar Apartments, TPS No. II, at Tagore Road, & S.T. Road, Santacruz (West), Bombay-54, situated at Santacruz (West), (

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the 1.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Veenus Development Corporation.

(3) Transferor.

- (Transferor)
- Deevan Chand Hardas Mal Chugh, and
   Deepak Deewanchand Chugh.
  - (Transferees)

(Person in occupation of the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 13, Ground floor, Shalimar Apartments, Plot Nos. 2A, 2B, 2D of the TPS. II, at Tagore Road & S.T. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.2410/83-84 dt. 6-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Runge-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

(1) Mr. Dîlip Thaketsey Asher.

(Transferor)

(2) Mr. Dinesh Ramniklal Shah.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE. 2326/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3rd floor. Shri Vikas Co-op, Housing Society Ltd., 60B Linking Road, Santacruz West Bombay-54 situated at Cantacruz (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

31d floor, Shri Vikus Co-op. Housing Society Ltd., 60B Linking Road, Santacruz West, Bombay-400 054. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Hombay under serial No. AR-II/37EE.2326/83-84 dt. 2-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-2-1984.

- (1) M/s. Shree Krupa.
- (Transferor)
- (2) Tehmi Terrace Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J, ROMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-I 4926/83-84.--Whereas I.

R. K. BAOAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Plot No. 805 of Dadar-Mutunga Estate & C.S. No. 517/10 of Matunga Division,

situated at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason we believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 941/81 and registered on 18-6-1983 with the Sub-Registrar,

> R. K. BAOAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

Scal:

#### FORM ITNS----

- (1) Mrs. Zarina Sultanali Lalani.
- (Transferor)
- (2) Mr. Gulabdin Meghji Gilani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bonibay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-1/37FE/719/83-84.—Whereas I. R. K.

BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing Flat No. 41, 3rd floor, Navroz Manor, The Ismalia Co-op. Housing Society Ltd. situated at Buculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the

and the agreement is registered under sec. 269AB of the LT. Act 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 23-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41, 3rd floor, Navroz Manor', The Ismalia Co-op. Housing Society Ltd., 44, Clare Road, Byculla, Bombay-400 008. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-1/461//83-84, dated 23-6-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

(1) M/s. Gundecha Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ma. Moin Fidaali Pratapgadhwala & Mohammedi Fidaali Pratapgadhwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombayy, the 10th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/515/83-84.—Whereas I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 10, 2nd floor, C Wing, Meena Apartment situated at Mazagaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the agreement is registered under sec. 269AB of the J.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, has been transferred at Bombay on 13-6-1983

Bombay on 23-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd Floor, Meena Apartment, 'C' Wing, Matarpakhadi Road, Mazagaon, Bombay-400 010. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombayy, under Serial No. Acqn Range-1/470/83-84, dt. 23-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

#### 6311

# FORM ITNS----

# (1) Mr. P. S. CHAWLA.

(Transferor)

(2) Mr. D. No. Parímoo.(3) Mr. P. S. Chawla.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2196/83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat No. 32, 6th corfl, Advani Apa-tments Co-op. Hsg, Soc. Ltd., situated at Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Au hority at Bombay on 9-6-1983

Royapuram, Madras (Doc. No. 1057/83) in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weaith-ax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person in occupation of the property).

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 32, 6th floor, Advani Apartments Co-op. Housing Society Ltd., Mulund (W) Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/951/83-84, dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—506GI/83

Date: 9-2-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Kanta S. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. H. P. Bhinde.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/1739/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 17, Ground Fl. B. Bldg., Bhagniri Co-op. Hong. Society,

Chunabatti Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Office and the of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269 AB of the Incometax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-83
Officer at Bombay on 3-6-83
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders.gned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sa.d Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide sedial No. AR-III dated 3-6-83.

Flat No. 17. Ground Floor, B. Bldg., Bhagnari Co.Op. Society Ltd. Chunabathi Bombay, 22.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 21-1-1984

# (1) Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. P. Sivaraman Nair.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1902/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act ) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 422, 4th floor, brighting Amrit Nagar.

L.B.S. Marg, (Shatkopar (W)

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prop rty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 422, 4th floor, 'Bharti' Amrit Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W) Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 993/83-84 dated 9-6-1983.

> A. LAHIRI. Competent Au hor'y Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-2-1984

(1) Shri Jagdish Pal Singh Chatha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri M. P Jain

(Transferec)

# GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/1722/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value bearing No. Flat No. 3382 Pant Nagar, Ghatkopar Bombay-75.

(and more tury described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the

and the Agreement is rug stered under Section 269AB of the I.T. Act 1961 in the office of the Competent Authority Officer at Bombay on 3-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I hav a n to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to not enter the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III dated 3-6-83.

Flat No. 3383, Bldg. No. 116 Pant Nagar Bombay-75,

A. LAHIRI.
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay.

Nok, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1984

#### (1) Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACL 1961 (43 OF 1961)

### (2) K. G. Krishna Kurup

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/1861, 83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Flat No. 425, 4th Floor, 'Bharti' Am ut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W) Bombay-85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and the Agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act 1961 in the office of the Competent Authority Officer at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this source in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable p operty, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

'The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/990, 83-84 dated 9-6-1983.

Flat No. 425, 4th Floor, 'Bharti' Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W) Bombay-85,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 9-2-1984

(1) Srinivasan Kasturi.

(Transferor)

(2) Sonu Ramesh Jalla

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/1815/83.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

bearing No. 1012/B-10, Sudama Sadan, R.R.P Road,

Mulund(W) Bombay-80

(and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of

30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 988/83-84 dated 9-6-1983 1012/8-10 Sudama Sadan, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authori y
Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

# (1) M/s Harasidh Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Martha Britto.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984 .

Ref. No. AR-III/1822, 83-84.—Whereas, J, A. LAHIRI.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, 4th floor, 'Tirupathi 'A' Kole Kulvan, Vakola, Santacruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bombay on 10th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I hav reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent con duation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the all Act, or the Wealth-ta; Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, 4th floor, Tirupathi 'A' Kalo Kalvan, Vakola, Santacruz(E), Bombay-55.

THE SCHEDULE

A. LAHIRI Competent Au hority Inspecting Assistant Commiss on of Incom -tex Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-2-1984

(1) Shoth Enterprises.

(Transferor)

(2) Khan Mohmad Yasin & Shri Khan Rahatali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/2011/83-84.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Fiat No. 122, 1st floor, 'Bharti' Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkoper(W)

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/991/83-84 dated 9-6-1983 Flat No. 122, 1st floor, 'Bharti' Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W) Bombay-86.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) K. R. Raghunandan,

(Transferor) (Transferor)

(2) Satpal Singh Mann & Prakash Kaur Mann,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1984

Ref. No. AR-II : 37EE.2678 '83-84.-- Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, 1st floor, Anurag Apartments, Juhu Road, Bombay 400 049.

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Tuthority,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Anunag Apartments, Juhu Road, Bombay-49. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. AR-II/2678/83-84 dated 13-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following nersons, namely :-

56-506/GT/83

Date: 6-2-1984

(1) M/s. Technis Industries.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Western Engineerings

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ВОМВАУ

Bombay, the 21st January 1984

Rei. No. AR-III/1805/83-84.—Whereas J, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 10-B, Suberban Scheme, Trombay North East and Survey No. 26 (Part) Deonar Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Gala No. 5, Ground Floor, Bldg. 'A', Shah Industrial Estate, Plot No. 10-B, Suburban Scheme No. 11, Deonar, Bombay-88. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/976 83-84 doted 6-6-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely :-

Date: 21-1-8!

(1) Shii Hariram Shewaram Bhagnari,

(Transferor)

(2) Smt. Bharti Virendia Goshar.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2046/83-84.---Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding /Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3, Ground floor, 'B' Bldg, Bhagnari Co-Op Hsg Sec. Ltd. Sion Duncan Causway Rd., Near Chunnabhatti Rly, Stn. (W), Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of 65 Competent Authority at

Bombay on 9-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, 'B' Bldg., Bhagnari Coop. Hsg. Sec. Ltd. Sion Duncan Causway Road, Near Chunnabhatti Rly. Stn. (W), Bombay 22. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/964/33-84 dated 9-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 9-2-1984

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hussain Mohmad Bandukia & Tasinbhai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1862/83-84,...-Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 225, 2nd floor, 'Bharti' Amrut Nagar, L.B.S., Marg,

Ghatkopar (W), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 225, 2nd floor, 'Bharti' Amrut Nagar, L.B.S.

Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AIR-III/992/83-84 dated 9-6-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-2-1984

Scal ·

(1) Smt. Shyamala Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sarada Parameshwaran.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1868/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 709, D-Block, New Ushanagar, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that theorem

# THE SCHEDULE

Flat No. 709, D-Block, New Ushanagar, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial, No. AR-JII/969/83-84 dated 8-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-6-83

(1) Shri Kumbla Vishnu Nayak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pravin Kumar R. Doshi.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-HIBOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2029/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 12, Laxmi-Niwas, Kasturba Road, Mulund (W),

Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Laxmi-Niwas, Kasturba Road, Mulund (W), Bombay-80,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/989/83-84 dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-III. Bombay

Date: 9-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri N. Ramamirtham (Power of Attorney holder for R. Ramaswamy).

(Transferor)

# (2) Shri G. G. Shenoy.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/1819/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 15, Yamuna Nava Shrinagar Co.Op. Housing Soc.

Ltd. Chembur. Bombay-89

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, Flat No. 15, Yamuna Nava Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd. Chambur, Bombay-89.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/979/83-84 dated

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-84

Seal:

6-6-83.

(1) M/s. Shatrujaya Manik Factory (Pvt.) Ltd. Co., Kekri.

(2) M/s. Katari Speaning Mills, Kekri.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUP CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2310.--Whereas, I, MOHAN

SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Immovable Property situated at Nekri

(and more fully described in the Schedule and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kekri on 2-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Immovable property situated at Ajmer Road, Kekri, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kekri vide registration No. 809/83 dated 2-6-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

(1) M/s. Shatrunjya Manik Factory (Pvt.) Ltd. Co., Ajmer Road, Kekri Distt. Ajmer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Kataria Speaning Mills Kekri Disit. Ajmer. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Rcf. No. Rej/IAC(Acq.)/2311.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Immovable Property situated at Kekri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kekri on 1-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at Ajmer Road, Kekri, Distt. Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S R. Kekri vide registration No. 803/83 dated 1-6-83.

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax
Acquisition Range-III
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 13-2-84

Seal:

57-506GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2312.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land squated at Kekri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kekri on 2-6-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

- M/s. Shatrunjya Manak Factory (Pvt.) Ltd. Co., Ajmer Road, Kekri.
- (Transferor)
  (2) M/s. Anand Rice Mill, Kekri through P/o Smt.
  Shanti Devi w/o Shri Mohanlal Kataria, Kekri.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot situated at Ajmer Road, Kekri, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kekri Distt. Ajmer, vide registration No. 810/83 dated 2-6-83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Jaipur

Date: 13-2-84

#### FORM I.T.N.S.--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2313.—Whereas, 1, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 205-206 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Jawarilal s/o Shri Bhagirath, Siwanchigate, Jodhpur.
- (Transferor)
  (2) Smt. Sunder Devi w/o Shri Dhanrajji Chopaani
  Road, Plot No. 85, Jodhpur.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 205-206, situated at Bachhraj ji Ka Bagh, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1796 dated 10-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III
Jaipur

Date: 13-2-84

(1) Shri Jawarilat s/o Shri Bhagirath, Siwanchigate, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhanraj s/o Shri Sewa Ram Soni M/s. Soni Automobile, Residency Road, Jodhpur. (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 13th February 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2314.—Whereas, I, MOHAN

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 205-206 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 205-206, situated at Bachh Raj ji ka Gagh Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1797 dated 10-6-83.

MOHAN SINGH Competent Authority luspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/2315.--Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 205-206 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jawarilel s/o Shti Bhagitath, Siwanchigate, Jodhpur.

6331

(2) Shri Ramvilas s/o Shri Dhanraj Soni through Soni Automobile, Residency Road, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovalue peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 205-206, situated at Bachhraj ji ka Bagh, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1798 dated 10-6-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Anchi w/o Sh. Himataji, Shri Ganeshram s/o Nathmalji Genchi Pali walo ka Baas, Pali. (Transferor)

(2) Shri Gyan Chand s/o Shri Roop Chand Oswal, Pall & Others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2316.--Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed acreto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 21-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Chak, situated at khasra No. 967 in rucaba in 11 bigha 10 buswa, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 1122 dated 21-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

-----

#### FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2317.--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 74 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jodhpur on 15-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ratan Lal S/o Shri Ajay Raj Sen, 32 Mahendra Kunj, Pali Road, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Prakash s/o Shri Ratanlal C/o O.N.G.C., Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House property on plot No. 74, Section 4, Sector H situated at Shastri Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. fodhpur vide registration No. 16/1846 dated 15-6-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforevaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# A #000

(1) Shri Mohmued Unar, Ghat Darwaja Chokri Topkhana, Huzuri, Jaipur.

(2) Shrimatl Marlam Kasim Maiu Kothi Mumtaz Bagh Chameli Wala Market, Jaipur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2318.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 2-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby inhibite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

House property Chameli Wala Market situated at Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1284 dated 2-6-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-84

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2319.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 70 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 14-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Tulsi Ram S/o Shii Jaganuath Sharma C/o Central Aired Zone Research Institute, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramkishore Ojha and Rampal Ojha C/o Laxmi Udhyog, Industrial Area, Jodhpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 70, Sector 4, Sec. B, Masuria, at Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S R. Jodhpur vide registration No. 394/1831 dated 14-6-1983.

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---58--506GI/83

Date: 13-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2320.-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing Plot No. 70 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedul cannexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Tulsi Ram S/o Shri Jagannath Sharma C/o Central Aired Zone Research Institute, Jodhpur.
- (2) Shri Ghanshyam Ojha S/o Sh. Rampal Ojha C/o Laxmi Udhyog, Industrial Area, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 70, Sector 4, Sec. 4, Masuria, at Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 394/1832 dated 14-6-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2321.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop situated at Sambar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sambar on June, 1938

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hanumanprashad Oswal R/o Subhash Chowk Naraina Distt, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Notan Das Sindhi R/o Subhash Chowk, Naraina Teh. Sambar Distt, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said groperty may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shops situated at Subhash Chowk, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sambar Distt. Jaipur, vide registration month of June 1893.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-1984

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2322.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property situated at Samber Tehsil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Samoer on June, 1983

1

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hanumanprashad Oswal R/o Subhash Chowk Narajna Distt. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Kumar Sindhi. Subhash Chowk, Naraina Tehsil Samber District Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Subbash Chowk Naraina Teh. Samber District Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Samber Distt. Jaipur vide registration Month of June 1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2323.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 66-67 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Arjun Singh S/o Shri Govind Singh Chouhan R/o Vijay Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand S/o Shri Sukh Dev ji Maheshwari, Modi C/o M/s. Jainaryan Modi & Sons Chopasani Road, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Rawat Building Plot No. 66-67 situated at Bachh Raj ji ka Bagh Chopashi Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registratio No. 1807 dated 10-6-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shrimati Anchi Bai Wd/o Himataji, Shri Ganeshram S/o Nathmalji Genchi Peliwalo ka Bhas, Pali

(2) Shrimati Indra Devi W/o Babu Bhai, Pali. (Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2324.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agri, land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at Pali on 21-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Chak No. 1 in khasra No. 967 in rucaba 10 bigha 5 biswa 10 biswansi situated at Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 1121 dated 21-6-83,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2325.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 41-B situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 9-6-83. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kanhaya Ial S/o Shri Chagni Ram Trivadi, O/s. Sojati Gate, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Dr. Sushma Arora, Lerturer in Physics, University of Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 41-B, situated at Sardar Club Scheme, Jodhpur, and more fully described in the Sale detd registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1753 dated 9-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

FORM ITNS ----

(1) Shii Ramkishora S o Sh. bhaewati I al Gupta Mahayor Ice Fastory Pahia Distr. Puli,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxmi Udhyogik Sampda Sahkari Samiti Vill. Jawandia, Pali Theorya Charman Sobagmal Jain E-2 R.A.S.E.B. Colony 1983.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2326.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri, land situated at Pali

6342

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 6-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land 56 bigha 8 biswas situated at Vill. Jawandia Distt. Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1045 dated 6-6-83.

MOHAN SINGH Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax. Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-1984 Seal:

(1) Shri Bhagirath Rai S/o Sh. Rawal Ram, Agarwal R/o Hanumangarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Kumar, S/o Shri Mukram, R/o 84, Dhanmandi Hanumangarh, Distt. Sriganganagar.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2327.--Whereus, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 84 situated at Hanumangarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hanumangarh on 7-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 84, situated at Dhanmandi, Hanumangarh 1/6 part and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1199 dated 7-6-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---59---506GI/83

Date: 13-2-1984

 Shri Bhagirath Rai S/o Sh. Rawal Ram, Agarwal R/o Hanumangath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Suresh Kumar, S/o Shri Mukram, R/o 84, Dhanmandi Hanumangath, Distt. Sriganganagat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CFNTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Inipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2328.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

Hantimangarh on 7-6-83

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 84 situated at Hanumangarh (and more fully described in the Schedule annexed has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 84 1/6 part situated at Dhanmandi Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1188 dated 7-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Multanehand S/o Shri Ram Narain Maheshwari, Hanumangarh.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2329.—Whereas. I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 10 situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hanumangarn on 3-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(2) Shri Sardarilal, S/o Shri Paanju Ram Atora

R/o Hanumangarh.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 10 Sector No. 9/2, situated at Mandi, Hanumangarh Junction and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration. No. 1168 dated 3-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-1984

# FORM I.T.N.S.-

#### Shri Bhagirath Rai S/o Sh. Rawal Ram, Agarwal R/o Hanumangarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hari Singh S/o Sh. Bhagirath 84, Dhanmandi Hanumangarh, Distt. Sriganganagar. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2330.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

and bearing
Shop No. 84 situated at Hanumangarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 7-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 84 1/6 part situated at Dhanmandi, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1189 dated 7-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq).2331,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10 situated at Hanumangarh

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rigistering Officer at Hanumangarh on 3-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Multanchand S/o Shri Ram Narain Maheshwari, Hanumangarh, Junction. (Transferor)

(2) Shri Murari Lal S/o Shri Paanju Ram Arora, R/o Hanumangath, Junction.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 10 Sector No. 9/2, situated at Mandi, Hanumangarh Junction and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1167 dated 3-6-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUF CIRCLE: JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq)2332.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 84 situated at Hanumangarh

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hanumangarh on 7-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagirath Rai S/o Sh. Rawal Ram, Agarwal R/o Hanumangarh.

(Transferor)

(2) Shri Mukh Ram, S/o Sh. Ram Pattap. R/o 84. Dhanmandi. Hanumangarh Distt, Sriganganagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 84, 1/6 part situated at Dhanmandi, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1198 dated 7-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej 'IAC(Acq.)2333'—Whereas. 1, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 84 situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hanumangarh on 7-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagirath Rai S o Sh. Rawal Ram, Agarwal R/o Hanumangarh.

(Transferor)

(2) Shri Mukh Ram, S'o Sh. Ram Partap, R'o 84, Dhanmandi, Hanumangarh Distt, Sriganganagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 84, 1/6th part situated at Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1190 dated 7-6-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipor.

Date: 13-2-1984

#### FORM ITNS———

(1) Shri Bhagirath Rai S/o Shri Rawal Ram Agarwal R/o Hanumangarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhesh Chand S/o Bhagirath R/o Dhanmandi, Hanumangarh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th February 1984

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2334.—Whereas. J. MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 84 situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering officer at Hanumangarh on 7-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pny tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

#### THE SCHEDULF

Shop No. 84, 1/6 Part situated at Dhanmandi, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumaugarh vide registration No. 1191 dated

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-1984.

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, 1997.
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Robtak, the 13th February 1984.

Ref. No. SPT/5/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269R of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 11 kanals with building situated at Kundli (Sonepat)

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sonepat in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60 506GI '83

- (1) M/S A. R. Datt & Sons, 2-B, Alipore Road, Delhi through Shri Agya Ram Datt S/o Ch. Anant Ram Datt r/o 24-Malka Ganj Road, Jawahar Nagar. Delhi and Shri Gopal Krishan Datt & Sat Pal Datt ss/o Shri Agya Ram Datt.
- (1) M/S Kailash Chemicals & Textiles Mills Timited, Kaithal Road, Pehwa Distr. Kurukshetra through Shri Prem Kumar Goyal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

diagramation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals with factory building at Kundll and as more mentioned in the sale deed registered at No. 866 dated 1-6-1983 with the Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range, Rohtak

Date :: 13-2-1984.

#### FORM ITNS---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 13th February 1984

Ref. No. JND/5/83-84.—Whereas, J. R. K. BHAYANA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act's have reason to believe that the immovable of the said Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 3 bigha 2 biswes situated at Ahirka (Jind) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Jind in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Mange Ram, 2. Mani Ram, 3. Sat Narain,

- 4. Jamna,
- 5. Balwan S/O Sh. Sukhi Ram s/o Phatu

6, Ramesh & Naresh Minors Ss/o Shri Sukhi Ram s/o Sh. Phatu R/o Ahirka Teh, Jind.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Subhash Chander S/O Shambu Dayal S/o Shri Ramji Lal,
  - R/O Jind, 2, Shri Niranjan Gupta S/O Sh. Kundan Lal s/o Shri Paras Rain R/o Jind.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 3 bigha 2 biswas situated at Ahirka Teh. Jind and as more mentioned in the sale deed registered at No. 923 dated 1-6-1983 with the Sub Registrar, Jind.

> R, K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-2-1984.

Soul:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 13th February 1984

Ref. No. JND/6/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lana measuring 3 bigha 8 biswas situated at Ahirka Teh. Jind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Mange Ram,
  - 2. Mani Ram, 3. Sat Narain,
  - 4. Jamna.
  - 5. Balwan S/O Sh. Sukhi Ram s/o Phatu
  - 6. Ramesh
  - 7. Naresh Ss/o Sh. Sukhi Ram S/o Phatu. R/o Ahirka Teh. Jind

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Rai S/O Lal Kundan Lal
  - s/o Shri Paras Ram r/o Jind.

  - Shri Mohan Lal S/O Shambu Dayal
  - s/o Shri Ramii Lal
  - r/o Jind.

(Transferee)

(3) Shri Sushil Kumar S/O Shri Om Parkesh r /o Itnd.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 8 biswas situated at Ah.rka Teh. Jind and as more mentioned in the sale deed registered at No. 924 dated 1-6-1983 with the S.R. Jind.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-2-1984.

#### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV. CALCUITA

Calcutta, the 9th February 1984

Ref. No. AC-97/ACQ. R-IV/Cal/83-84.—Whereus, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

situated at Banarhat, Dt. Jalvaiguri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 26-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kothari Plantations & Indus. Ltd. 8, Ind.a Exchange Place, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) M/s. New Tea Company Ltd, 4. Chittaranjan Avenue, Calcutta-700 072. (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: "REEABARI TEA ESTATE" Tea Garden with structures Address: Mouia-Banarhat, P.S. Dhuoguri, Dt. Jalpaiguri Regd. No. 2/37-EE/Acq. R-IV/Cal/83-84

SANKAR K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-2-1984

#### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th February 1984

Ref. No. AC-96/Acq. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, SANKAR K, BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Agarpera, P.S. Khardah, 24-Pgs (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Oriental Machinery & Civil Construction Ltd. 3, Wood Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) M/s. Texmaco Ltd. Belghoria, 24-Pgs, West Bengal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 35 Bighas, 14-cottahs, 4 chattaks and 43 sq. ft. with structures
Address: at B.T. Road, Mouja-Agarpara, P.S. Khardah, Dt. 24-Pgs.
Regd. No. 1/37-EE/Acq. R-IV/Cal/83-84 of 2-6-83.

SANKAR K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commis ioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Calcut'a
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-2-1984

Seal

## 6**3**56

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th February 1984

Ref. No. AC-95/Acq. R-IV/Cal/83-84.--Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

22 situated at Ramdhan Das Lane, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R. Howrah on 13-6-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Saileudra, Santana, Sanjoy, Sushama Chowdhury, Shyamal, Anil, Sunil, Deb, Manoranjan Mukhtee, Ganapaty, Kartick, Atanu, Saraswati, Chopa & Smt. Arnapurna (h whury.
 Ram Dhan Das Lane,

P.S. Shibour, Lt. Howrah.

(Transferors)

[PART III—SBC. 1

Smt. Kalyani Chatterjee.
 Sri Gobinda Chatterjee.
 Hari Nath Neogi Lane,
 Shibpur, Dt. Howrah.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 8 cottabs 15 chattaks land only. Address: 22, Ram Dhan has Lane. P.S. Shibpur, Dt. Howrah Deed No. 3453 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Calcut'a
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-2-1984

6357

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Dominion Rubber Co. (P) Ltd. (Liqu.) 9, Old Post Office Street, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) M/s. S. P. Cycles Ltd, 33-A, Chowringhee Road, Calcutta.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 1]

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th February 1984

Ref. No. AC-94/Acq. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, SANKAR K, BANER, FE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act' have reason to believe that the in-movable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. situated at Sonarpur, 24-rarge-mas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. (Calcutta) on 21-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Land with building situated at Mouja-Kumrakhali, Madan Molla, P.S. Sonarpur, Dt. 24-Pgs, Deed No. 6044 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

#### FORM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd Fevruary 1984

G.I.R. No. R-212/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Municipal No. 552/314 (Quarter No. 27 2) situate at Chander Nagar, Alambagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Lucknow on 25-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Madan Mohan Lal Sadune. 2. Smt. Bimla Sadana.
- (2) Shri Ram Naram Batta.

(Transferors)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing Municipal No. 552/314 (Quarter No. 27/2) may using 3/60 sq. ft. situated at Chander Nagar Alambagh, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8124, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-6-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-2-1984.

Scal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th February 1984

Ref. No. A.P. No./5099 and 5101.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Village Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Officer at Jalandhai on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Arjan Singh S/o Harnam Singh R/o Garden Colony near Housing Board Colony, Model Town, Jaiandhar.

(Transferor)

(2) Santosh Menon W/o Inder Mohan Menon R/o 591-Model Town, Jalandher.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property land 24 Mls. and 20 M-45 S.ft. situated in V. Kingra and persons as ment oned in the registration sale deed No. 1533 and 1630 of June, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-84

Scal: